

हिमेश रेशमिया के 'गरबा एंथम' पर फाल्गुनी पाठक ने दी धांसू परफॉर्मेंस, आयुष्मान और शरवरी ने लगाए चार चांद

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 19

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 291 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 10 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

पराली पर पहरा, फिर भी धधक रहे खेत

पटियाला (एजेंसी)। पराली न जलाने के लिए किसानों को जागरुक करने से लेकर जुर्माना लगाने, एफआईआर दर्ज करने और खेतों की निगरानी के लिए हजारों अधिकारियों की तैनाती तक, पंजाब सरकार ने इस बार पूरा जोर लगा रखा है। खेतों में आग पर नजर रखने के लिए 125 ड्रोन तैनात करने की तैयारी है। पराली प्रबंधन के लिए मशीनों पर सब्सिडी दी जा रही है और गांव-गांव किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए समझाया जा रहा है। इसके बावजूद खेतों में आग लगने का सिलसिला थम नहीं रहा। सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई तरनतारन



के कच्चा पक्का और भैणी मंसा सिंह जैसे गांवों में साफ दिखाई देती है, जहां दोपहर दो बजे भी खेतों में पराली खुलेआम जलाई जा रही है। धुएं के गुबार आसपास के गांवों और मुख्य सड़कों तक फैल रहे हैं। इससे हवा की गुणवत्ता बिगड़ने के साथ सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ रहा है। आंकड़े भी सरकारी प्रयासों के पूरी तरह कारगर न होने की गवाही दे रहे हैं। पंजाब में 15 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पराली जलाने की 220 सक्रिय घटनाएं दर्ज की गईं। पिछले साल इसी अवधि में 208 घटनाएं सामने आई थीं। यानी इस बार पिछले साल के मुकाबले 12 मामले ज्यादा हैं। हालांकि, 2024 में इसी अवधि के दौरान 1289 घटनाएं दर्ज की गई थीं।



बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व दशहरा आज

देश भर में रहेगी धूम, जलेंगे रावण,मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले



वाराणसी (एजेंसी)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा कल 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी तिथि 20 अक्टूबर की सुबह 9.10 बजे शुरू होकर 21 अक्टूबर की सुबह 10 बजे तक रहेगी। हिंदू धर्म में यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित की थी। इस अवसर पर देशभर में रावण, मेघनाद और कुंभकरण के विशाल पुतलों का दहन किया जाता है। दिल्ली-एनसीआर में भी दशहरे के मौके पर कई जगहों पर भव्य आयोजन होते हैं, जहां रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। दशहरा के अवसर पर रावण दहन केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रामलीला, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों का भी प्रमुख हिस्सा है। पर्व को लेकर देशभर में तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न शहरों में रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतले तैयार किए जा रहे हैं, जिनका दशमी के दिन दहन किया जाएगा। वहीं, कई जगहों पर रामलीला के मंचन के साथ दशहरा मेले भी आयोजित किए जा रहे हैं। यह त्योहार नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि और दुर्गा पूजा उत्सवों के समापन का प्रतीक है और साथ ही दीवाली के उत्साह को भी बढ़ाता है। प्रत्येक क्षेत्र उत्सवों में अपना अनूठा स्पर्श जोड़ता है। यदि आप दशहरा के दौरान देश की राजधानी दिल्ली में हैं, तो आप निश्चित रूप से इस त्योहार के जादू का अनुभव करेंगे, जहां सदियों पुरानी परंपराएं आधुनिक उत्सवों के साथ सहजता से घुलमिल जाती हैं।

मणिपुर में तीन लोगों की हत्या के बाद भारी बवाल

● सीएम आवास के बाहर शव रखकर विरोध प्रदर्शन

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने आंसू गैस छोड़ी



इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सोमवार को जंगल से लकड़ी इकट्ठा कर रहे तीन लोगों की कथित तौर पर उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री आवास के बाहर दो शव रख दिए। अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर लकड़ी इकट्ठा करने वाले लोगों के एक समूह पर उग्रवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें तीन अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीन और लोग लापता हैं। एक अधिकारी ने बताया कि अरुबम रोनिल (35) और लैरेनलाकपम इनाओबी (51) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि क्षेत्रिमायुम सुशील (32) ने एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायल तीन लोगों का इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर विरोध

मुख्यमंत्री आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद, मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने निजी अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की, लेकिन मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। गुस्साए स्थानीय लोगों ने राज्य में मई 2023 से जारी हिंसा के विरोध में शवों को राजधानी लाकर मुख्यमंत्री आवास के मुख्य द्वार के बाहर रख दिया। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री आवास पर मौजूद थे या नहीं। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के कई गोले छोड़े, जिसके बाद शवों को जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया। मुख्यमंत्री आवास और वहां जाने वाले रास्तों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों ने खुराई लमलोंग में एक सड़क जाम कर दी, जबकि इंफाल के एमा कैथेल में महिलाओं के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना के बाद पूरे इंफाल में बाजार और दुकानें बंद रहीं।

नशे के खिलाफ मान सरकार को घेरने का प्लान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले नशे के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरने की तैयारी तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल 20 अक्टूबर को पंजाब के दौरे पर



आएंगे। पिछले 21 दिनों में यह उनका दूसरी बार राज्य का दौरा होगा। इस दौरान शाह मानसा, संगरूर और गुरदासपुर जाएंगे और नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने वाले परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह और बिक्रमजीत सिंह के परिवारों से मुलाकात करेंगे। शाह ने आरोप लगाया है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के संरक्षण में नशा तस्करों के खिलाफ आवाज उठाने वालों को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

राहुल के विदेश जाने की खबरों पर सियासी घमासान

● भाजपा का तंज, कहा-छुट्टियां मना रहे या साथियों से मिलने गए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी की ओर से सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा पर तंज कसा गया है। उनकी ओर से पूछा गया कि क्या राहुल गांधी अपने अराजकता फैलाने वाले साथियों से मिलने जा रहे हैं। उन्होंने साथ ही नवरात्र के त्योहारों के दौरान राहुल के भारत में मौजूद न होने पर भी सवाल उठाया। प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि राहुल गांधी छुट्टियों के लिए विदेश गए हैं। उन्होंने इस बात को लेकर राहुल गांधी की आलोचना की कि वे अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। **भाजपा का दावा- राहुल गांधी फिर छुट्टियों पर विदेश गए-** प्रदीप भंडारी ने लिखा, राहुल गांधी फिर से वही कर रहे हैं, जिसमें वे सबसे माहिर हैं; ब्रेक लेना और छुट्टियों का आनंद लेना! फिर आकर हल्ला करना।





बड़े ऊर्जा संकट की ओर बढ़ रही है दुनिया

● यूरेनियम उत्पादन में भारी गिरावट की आहट ● भारत के इरादों को लग सकता है बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी की एक हालिया रिपोर्ट ने ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया में साल 2040 तक यूरेनियम के उत्पादन में कम से कम 50 फीसदी की गिरावट आ सकती है। भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम 34 साल तक बाधित रह चुका है और इसपर काफी देर से काम शुरू हुआ, इसलिए यह रिपोर्ट बहुत बड़े झटके की तरह है। भारत ने साल 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाकर 100



गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य रखा है, जो अभी 9 गीगावाट से भी कम है। अगर क्रिटिकल मिनरल्स की तरह यूरेनियम का सप्लाई चेन भी बिगड़ा तो भारत के परमाणु ऊर्जा वाला लक्ष्य बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। रिसोर्सेज की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2050 तक दुनिया में कम से कम 90,045 टन यूरेनियम की जरूरत होगी।

यूरेनियम का उत्पादन बढ़ाने के संभावित उपाय

रिपोर्ट के अनुसार भविष्य में यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नई खदानों की जरूरत पड़ेगी, जो मौजूदा खदान हैं, उनकी उत्पादन क्षमता में विस्तार करना होगा और जो खदानें बंद हो चुकी हैं, उन्हें नए सिरे से खोलने की आवश्यकता होगी। 700 मेगावाट स्वदेशी और 1000 मेगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता अंतरराष्ट्रीय सहयोग से विकसित होने की संभावनाओं को देखते हुए 2031-32 तक 22.38 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए बुरी खबर

यह रिपोर्ट आने वाले समय में भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौती का संकेत है। क्योंकि, शुरुआती व्यापारिक प्रतिबंधों और देश में यूरेनियम की कमी के कारण भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम ने काफी देर से गति पकड़ी है। पिछले करीब एक दशक में इसने मौजूदा क्षमता और भविष्य की संभावनाओं दोनों पर काम किया है। लेकिन, फिर भी अगर यूरेनियम के उत्पादन में वैश्विक गिरावट आई, तो इस क्षेत्र में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। देश में 2024-25 में पीक पावर डिमांड 250 गीगावाट थी और संभावना है कि 2035-36 तक यह बढ़कर 459 गीगावाट पहुंच सकती है। ऐसे में यूरेनियम उत्पादन में भारी गिरावट की आहट से सारी योजनाओं पर नए सिरे से काम करने की जरूरत आ गई है।



युद्ध में एआई प्रणालियों का और बढ़ेगा इस्तेमाल

● नौसेना के उप प्रमुख ने बताया रोडमैप

समुद्री सुरक्षा पर जोर



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना हवा, समुद्र, पानी के भीतर संचालन से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम तकनीक तक सभी क्षेत्रों में विकास पर जोर दे रही है। इसका उद्देश्य नौसेना को एक बहुआयामी नेटवर्क आधारित सैन्य बल के रूप में तैयार करना है। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर ने सोमवार को यह जानकारी दी। नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कोचर ने कहा कि नौसेना केवल नई तकनीक अपनाने पर ही काम नहीं कर रही, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रही है कि इन तकनीकों से उसकी परिचालन क्षमता मजबूत हो।

मुंबई से दिल्ली, फिर नेपाल भागने का बनाया था प्लान

● अब पुलिस की गिरफ्त में टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग करने वाले शूटर्स

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले हमलावर 15 घंटे में राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़े गए। टाइगर पर रविवार देर रात 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सुबह 10.30 बजे रेलवे स्टेशन से पकड़ा। कोटा की एसपी तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे। जनरल कोच में हिरासत में लिया गया। इनके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने हमला करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। अनिल ने वीडियो जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली। टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। फायरिंग में उनके ड्राइवर को भी चोट लगी है।



अनमोल वचन

आज विजयदशमी है। परंपरा के अनुसार आज के दिन हम सदियों से सांकेतिक रूप से रावण का वध करते आ रहे हैं। किसी विद्वान का यह कथन नितांत प्रासंगिक है कि रावण मर जाने के बाद भी नहीं मरता, वह हमेशा हमारे भीतर जीवित रहता है। कंस मरता नहीं वह भी सदैव किसी न किसी रूप में स्थित रहता है। शकुनि मरा नहीं वह भी आज कहीं न कहीं जीवित है। मंथरा भी कहीं न कहीं अपना रूप बदले बैठी है। तात्पर्य यह है कि शैतानीयत आज भी इंसान के भीतर जिंदा है, आज विजय पर्व पर कम से कम आप तो अपनी शैतानीयत को जो व्यसनों के रूप में आपके भीतर विद्यमान है, सदा के लिये सुला देना और सज्जनता को जगा देना। आज तक आप अपनी दसों इन्द्रियों पर विजय पाने का उत्सव मनाने की स्थिति में पहुँच पाये हैं अथवा नहीं परन्तु अपनी आसुरी प्रवृत्तियों को सदा के लिये सुला देने का संकल्प अवश्य कर लेना और अपने भीतर सोये देवत्व को सदा के लिये जगा देना। कुछ क्षेत्रों में आसुरी प्रवृत्तियों से ग्रसित लोग आज के दिन बकरों और भैंसों की बलि चढ़ाते हैं। निश्चय ही वे अज्ञानी हैं। उन्हें इस पर्व पर यह संदेश बहुत प्रासंगिक है कि किसी के प्राणों की रक्षा तो आप कर सकते हैं परन्तु किसी में प्राण फूंकने की क्षमता आप में नहीं। यह क्षमता केवल ईश्वर में है। उनके अतिरिक्त किसी में नहीं। प्राण लेने का अधिकार भी ईश्वर के ही पास है आपके पास नहीं। इसलिये किसी के प्राण लेकर परमात्मा के क्रोध के पात्र न बनें।

मुजफ्फरनगर में इस बार अनोखा दशहरा: कॉकरोच का भी जलेगा पुतला, देश विरोधी ताकतों को करारा संदेश

श्री राम सेवा दल ने पहली बार शामिल किया चौथा पुतला

मुजफ्फरनगर। विजयादशमी (दशहरे) के पावन पर्व को लेकर मुजफ्फरनगर शहर के ऐतिहासिक नुमाइश ग्राउंड में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हर साल की तरह इस बार भी अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक रावण, कुंभकरण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन किया जाएगा। हालांकि, इस बार आयोजन समिति ने एक बड़ा और अनोखा बदलाव करते हुए मेले में एक नया आकर्षण शामिल किया है। तीन पारंपरिक पुतलों के साथ-साथ 15 फीट ऊंचा कॉकरोच का पुतला भी दहन के लिए तैयार किया गया है। आयोजकों के अनुसार, इस चौथे पुतले के माध्यम से देश में अस्थिरता, अशांति और सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ कड़ा संदेश देने का प्रयास किया गया है।

आतंकवाद की जगह 'कॉकरोच' का पुतला

मुजफ्फरनगर के नुमाइश ग्राउंड में श्री राम सेवा दल (गणेशपुरम) की ओर से विजयादशमी मेले का आयोजन वर्षों से किया जा रहा है। अब तक यहाँ रावण, कुंभकरण और मेघनाद के साथ चौथे पुतले के रूप में आतंकवाद का पुतला दहन करने की परंपरा रही थी। लेकिन इस बार आयोजकों ने इसे नया रूप देते हुए कॉकरोच का पुतला खड़ा किया है।

अंधेरे, गंदगी और अनैतिकता का प्रतीक कॉकरोच

आयोजकों का मानना है कि कॉकरोच अंधेरे, गंदगी और अनैतिकता का प्रतीक है जो छिपकर समाज और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ठीक उसी प्रकार, देश के भीतर छिपी नफरत, भ्रष्टाचार, अराजकता और अस्थिरता पैदा करने वाली प्रवृत्तियां भी देश की एकता व अखंडता के लिए घातक हैं। इस पहल के माध्यम से बाहरी रावण के साथ-साथ समाज की छिपी हुई अंदरूनी बुराइयों के दहन का आह्वान किया गया है।

60 फीट का रावण, रिमोट से होगा दहन और आतिशबाजी

दशहरा ग्राउंड में स्थापित पुतलों को विशेष कारीगरी और तकनीकी व्यवस्था से सुसज्जित किया गया है, इसमें रावण 60 फीट ऊंचा, कुंभकरण 55 फीट ऊंचा, मेघनाद 50 फीट ऊंचा और कॉकरोच (चौथा पुतला) का पुतला 15 फीट ऊंचा बनाया गया है। श्री राम सेवा दल के अध्यक्ष विनोद खेड़ा और



महासचिव अशोक कुमार ने बताया कि पुतलों को अत्यधिक आकर्षक रूप दिया गया है। दहन के दौरान पुतलों के मुंह और आंखों से आग की लपटें व धुआं निकलेगा। दहन प्रक्रिया को रिमोट कंट्रोल तकनीक से संचालित किया जाएगा। शफीक और उनकी टीम ने

तैयार किए पुतले

पुतले निर्माण का कार्य प्रसिद्ध कारीगर शफीक और उनकी पांच सदस्यीय टीम ने पूरा किया है। यह टीम पिछले कई वर्षों से मुजफ्फरनगर के दशहरा मेले के लिए पुतलों का निर्माण करती आ रही है। शफीक की टीम ने पारंपरिक पुतलों के साथ-साथ कॉकरोच के पुतले का ढांचा, सजावट और आतिशबाजी की तकनीकी फिटिंग को अंतिम रूप दे दिया है। राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत का संदेश

श्री राम सेवा दल के पदाधिकारियों ने बताया कि भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। समाज में फैली नफरत और देश को कमजोर करने वाली गतिविधियों का विरोध करने के लिए ही यह प्रयोग किया गया है। विजयादशमी की शाम भव्य आतिशबाजी और धार्मिक कार्यक्रमों के बीच भगवान श्रीराम के स्वरूप द्वारा इन सभी पुतलों का दहन किया जाएगा। इस अनूठे आयोजन को देखने के लिए मुजफ्फरनगर शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से भारी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है।

विधायक निधि से बन रहे मार्ग में कथित धांधली, पूर्व प्रधान कपिल कुमार ने उठाए सवाल



मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम कासमपुर खोला से संभलहेड़ा स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर तक बनाए जा रहे करीब 3.5 किलोमीटर लंबे लिंक मार्ग के निर्माण में अनियमितताओं का आरोप लगा है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर निर्माण सामग्री में कथित हेराफेरी करने और मानकों के विपरीत सड़क निर्माण कराने का आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही है। विधायक निधि से करीब 2.31 करोड़ रुपये की लागत से इस लिंक मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क का निर्माण पहले भी घटिया सामग्री लगाए जाने के आरोपों के चलते कार्य को रूकवा दिया गया था इसके बाद दोबारा काम शुरू कराया गया। इसी दौरान ग्राम कासमपुर खोला के पूर्व प्रधान कपिल कुमार मौके पर पहुंचे तो उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। पूर्व प्रधान का आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित सामग्री के स्थान पर मिट्टी व राजवाहे निकली पांग को पत्थर में मिलाकर लगाया जा रहा है जबकि निर्माण में डस्ट का प्रयोग होना चाहिए। उन्होंने इसे गंभीर अनियमितता बताते हुए ठेकेदार अजहरफा से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन नहीं उठाया गया। ग्रामीणों के अनुसार, मार्ग का निर्माण अप्रैल 2026 तक पूरा होना था, लेकिन काम अभी तक अधूरा है। मौके पर पवन कुमार, संजय, गुलाब सिंह और संदीप सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने मामले की जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हवन की आहुतियों और कन्याओं के पूजन के साथ मां दुर्गा की आराधना संपन्न, घर-घर गूंजे जयकारे

मुजफ्फरनगर। शारदीय नवरात्र के समापन पर सोमवार को शहर से लेकर आसपास के क्षेत्रों तक भक्ति और श्रद्धा का वातावरण नजर आया। नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना में लीन रहे श्रद्धालुओं ने हवन, पूजा-पाठ और कन्या पूजन के साथ शक्ति पर्व का समापन किया। सुबह की पहली किरण के साथ ही घरों में धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां शुरू हो गईं। कहीं हवन कुंड में आहुतियां देकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की गई तो कहीं छोटी कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया गया। घरों में मां भगवती के जयकारे गूंजते रहे और श्रद्धालुओं ने परिवार की खुशहाली, आरोग्यता तथा समाज में सुख-शांति की प्रार्थना की। महाअष्टमी और महानवमी की तिथियों का एक ही दिन संयोग होने के कारण श्रद्धालुओं के लिए यह दिन विशेष धार्मिक महत्व वाला रहा। भक्तों ने मां दुर्गा के महागौरी और सिद्धिदात्री स्वरूप की आराधना कर नौ दिनों तक चले व्रत और साधना का समापन किया। धार्मिक आस्था के इस अवसर पर घरों में सुबह से ही पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं।



श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन करने के बाद हवन किया और मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां अर्पित कीं। नवरात्र के अंतिम दिन सोमवार को अनेक घरों में सुबह करीब छह बजे से ही पूजा-पाठ की तैयारियां शुरू हो गई थीं। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद पूजा स्थल को सजाया और मां दुर्गा की विधिवत आराधना की। इसके बाद हवन कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और आरोग्यता की कामना की गई। हवन के दौरान वातावरण में मंत्रोच्चार और धार्मिक आस्था की गूंज सुनाई देती रही। नौ दिनों तक व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के बाद कन्या पूजन कर अपना व्रत खोला। घरों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान किए गए। श्रद्धालुओं ने मां भगवती से परिवार पर कृपा बनाए रखने और जीवन में सुख-समृद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की। नवरात्र के समापन पर कन्या पूजन आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। श्रद्धालुओं ने छोटी बच्चियों को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका सम्मानपूर्वक पूजन किया। परंपरा के अनुसार कई घरों में नौ कन्याओं के साथ एक बालक को भी आमंत्रित कर भोजन कराया गया।

मुजफ्फरनगर गुड़ मंडी में बड़ी कार्रवाई: 25 टन अवैध गुड़ से लदा संदिग्ध ट्रक पकड़ा, मंडी समिति की जांच शुरू

मंडी समिति के सचल दल ने अवैध कारोबार की आशंका में पकडा राजस्थान नंबर का ट्रक

मुजफ्फरनगर। एशिया की प्रसिद्ध गुड़ मंडियों में शुमार मुजफ्फरनगर की गुड़ मंडी में रविवार को मध्यरात्रि में मंडी समिति की टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मंडी समिति के सचल दल (मोबाइल टीम) ने अवैध कारोबार के अंदेशे में लगभग 25 टन गुड़ से लदे एक संदिग्ध राजस्थान नंबर के ट्रक को पकड़कर मंडी परिसर में लाकर खड़ा कराया है। अचानक हुई इस कार्रवाई से मंडी परिसर और गुड़ व्यापारियों में हड़कंप मच गया।



सचल दल की घेराबंदी में फंसा राजस्थान नंबर का वाहन

मिली जानकारी के अनुसार, मंडी समिति के सचल दल को सूचना मिली थी कि राजस्थान पंजीकृत नंबर का एक भारी वाहन बिना आवश्यक औपचारिकताओं और कागजातों के भारी मात्रा में गुड़ का परिवहन कर रहा है। सूचना के आधार पर सचल दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन को रोक लिया। प्रारंभिक जांच में वाहन के अंदर लगभग 25 टन गुड़ लदा पाया गया। इसके बाद टीम वाहन को कब्जे में लेकर गुड़ मंडी ले आई, जहां उसे खड़ा करा दिया गया है।

दस्तावेजों की जांच जारी, अधिकतम जुमार्ने की मांग

घटना के सामने आते ही व्यापारिक हलकों में तरह-तरह की चचाएँ शुरू हो गई हैं। मामले में मंडी शुल्क चोरी और मंडी नियमों के उल्लंघन को लेकर संबंधित नियमों के तहत कड़ी जांच की मांग उठ रही है। स्थानीय लोगों व नियमानुसार व्यापार करने वाले व्यापारियों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर अधिकतम जुमार्ना लगाया जाए, ताकि अवैध कारोबार करने वालों पर अंकुश लग सके।

आधिकारिक जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

फिलहाल मंडी समिति के अधिकारियों द्वारा वाहन से संबंधित बिल, ई-वे बिल, मंडी रसीद और गुड़ के परिवहन से जुड़े अन्य दस्तावेजों का मिलान व सत्यापन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कागजातों की बारीकी से जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि इसमें किन-किन नियमों की अनदेखी या उल्लंघन किया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही संबंधित पक्ष के खिलाफ जुमार्ना या अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मीरापुर के शिवशक्ति मंदिर में भक्तिमय माहौल, यज्ञ के बाद विशाल भंडारे का आयोजन



मीरापुर। शिवशक्ति कॉलोनी स्थित शिवशक्ति मंदिर में आयोजित श्री दुर्गा दुःख-दारिद्र्य विनाशिनी महायज्ञ के नौ दिवसीय अनुष्ठान का सोमवार को विधि-विधान के साथ पूणार्हुति देकर समापन हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि तथा विश्व कल्याण की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिजनौर सांसद चंदन चौहान की धर्मपत्नी यशिका चौहान तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कुंवर देवराज पंवार, मीरापुर थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह और रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही ने विधिवत पूजन कर आहुतियां दीं। आचार्य पंडित दीपक कृष्णात्रेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ संपन्न कराया। इसके बाद कन्या पूजन कर कन्याओं का सम्मान किया गया। सोमवार सुबह नौ बजे आयोजित यज्ञ में मुख्य यजमान अभिषेक कांबोज सहपत्नी, संजय रॉय (फूल वाले) तथा डॉ. संजीव कुमार सहपत्नी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यज्ञ की पूणार्हुति के पश्चात मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर धर्मपाल ठाकुर, अंकुर पहलवान, ऋषि शर्मा, राजेंद्र गौतम, अमित कुमार, डॉ. कमल कुमार, डॉ. राजीव कुमार, पंडित कीर्तिभूषण शर्मा, सुदेश कांबोज, वासुदेव शर्मा, कृष्ण मोहन शर्मा, राम अवतार शर्मा, संजय कुमार शर्मा, जोनी सैनी, दिनेश कुमार, बिट्टू कांबोज, धीरज राजवंशी, उदल सिंह, सुनील ढाका, हरिओम भार्गव, अरविंद तोमर, जोनी दीवान, शिवकुमार प्रजापति, रितिन पंवार, प्रतीक वत्स, आफताब मेवाती, जोगिंदर चैधरी और जोनी धीमान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बेटियों के आत्मविश्वास को बढ़ावा, मीरापुर में छात्रा लवी को सौंपी गई थाना प्रभारी की जिम्मेदारी



मीरापुर। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री सक्खन लाल आदर्श कन्या इंटर कॉलेज मीरापुर की कक्षा 11 की छात्रा लवी को एक दिन के लिए मीरापुर थाने का प्रभारी बनाया गया। इस पहल के माध्यम से बालिकाओं को आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। लवी पुत्री अमित कुमार निवासी मौहल्ला मुष्तर्क मीरापुर को एक दिन का थाना प्रभारी बनने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को करीब से समझा तथा पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। थाना प्रभारी की जिम्मेदारी निभाते हुए लवी ने पुलिस व्यवस्था और थाने से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस पहल से बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया। थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर महिला सशक्तिकरण के तहत लवी को एक दिन का थाना प्रभारी बनाया गया है। इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सम्मान बढ़ाने के साथ उन्हें उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना तथा उन्हें बिना किसी भय के आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

ऑपरेशन सवेरा के तहत गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार, 1.60 किलो मादक पदार्थ बरामद

पुलिस के अनुसार बरामद गांजे की कीमत करीब 80 हजार रुपये, न्याजूपुरा-चरथावल रोड पर काली नदी पुल के पास चेकिंग के दौरान हुई कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। जनपद में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा–नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने कथित गांजा तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 1.60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस प्रेस नोट के मुताबिक, अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर



सिद्धार्थ के. मिश्रा तथा कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

काली नदी पुल के पास चेकिंग में पकड़ा गया आरोपी

पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर 2026 को न्याजूपुरा-चरथावल रोड पर काली नदी के पुल के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1.60 किलोग्राम गांजा बरामद होने की जानकारी दी गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान वसीम उर्फ लंगड़ा पुत्र शब्बीर निवासी अमरूद वाली गली, लद्दावाला, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आपराधिक इतिहास भी जारी किया

पुलिस प्रेस नोट में आरोपी के खिलाफ पूर्व में दर्ज दो अन्य मुकदमों का भी उल्लेख किया गया है। इनमें कोतवाली नगर में वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मुकदमा संख्या 470/2026 और वर्ष 2025 में आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमा संख्या 376/2025 शामिल हैं।

वहीं, प्रेस नोट में मौजूदा बरामदगी के संबंध में मुकदमा संख्या 341/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना खतौली का उल्लेख किया गया है। इस मुकदमे के थाना संबंधी विवरण की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि कार्रवाई का विवरण कोतवाली नगर पुलिस की ओर से जारी किया गया है।

पांच सदस्यीय पुलिस टीम ने की कार्रवाई

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गोविन्द चौधरी, उपनिरीक्षक पवन प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक अभिमन्यु सिंह, कांस्टेबल हर्ष और कांस्टेबल बलदेव शामिल रहे।

थप्पड़ प्रकरण के पीड़ित छात्र की पढ़ाई का खर्च अब उठाएगी योगी सरकार, शासन से मिले 1.38 लाख रुपये

मुजफ्फरनगर। अगस्त 2023 में देशभर में चर्चा में आए खुब्बापुर थप्पड़ प्रकरण के पीड़ित छात्र की पढ़ाई जारी रखने और उसकी शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने के लिए शासन ने 1.38 लाख रुपये जारी किए हैं। अब छात्र की वार्षिक फीस के साथ स्कूल आने-जाने का खर्च, ड्रेस, मोजे, किताब-कॉपियां और अन्य शैक्षणिक जरूरतों को भी इसी बजट से पूरा किया जाएगा। अभी तक छात्र की स्कूल फीस का खर्च सैय्यद मुर्तजा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा उठाया जा रहा था, लेकिन फीस जमा नहीं होने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने शासन से धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की थी। शासन से बजट जारी होने के बाद विभाग ने फीस भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मामला केवल एक छात्र की फीस तक सीमित नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद उसकी शिक्षा और शैक्षणिक जरूरतों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने से भी जुड़ा है। शासन से धनराशि मिलने के बाद अब छात्र की पढ़ाई से संबंधित अलग-अलग खर्चों को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने का रास्ता साफ हुआ है।

फीस का भुगतान नहीं होने पर शासन तक पहुंचा था मामला

खुब्बापुर थप्पड़ प्रकरण के पीड़ित छात्र का दाखिला शहर के एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में कराया गया है। छात्र की शिक्षा का खर्च उठाने की व्यवस्था के तहत अब तक सैय्यद मुर्तजा मेमोरियल ट्रस्ट फीस की जिम्मेदारी संभाल रहा था। हालांकि, ट्रस्ट की ओर से फीस जमा नहीं किए जाने के कारण भुगतान का मामला अटक गया था। इसके बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने शासन को पत्र भेजकर छात्र की फीस और अन्य शैक्षणिक जरूरतों के लिए धनराशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। अब शासन से 1.38 लाख रुपये जारी होने के बाद फीस समेत दूसरे जरूरी खर्चों को पूरा करने की व्यवस्था की गई है। बेसिक शिक्षा विभाग के लिए भी यह राहत की बात है कि छात्र की पढ़ाई से जुड़े खर्चों के भुगतान के लिए धनराशि उपलब्ध हो गई है। विभाग के अनुसार, स्कूल को फीस भेजी जा रही है और अन्य मदों में होने वाले खर्चों को भी निर्धारित बजट में समायोजित किया जाएगा।

रोजाना करीब 40 किलोमीटर का सफर तय कर स्कूल पहुंचता है छात्र

पीड़ित छात्र की पढ़ाई जारी रखने के लिए यातायात की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। जानकारी के अनुसार, छात्र के पिता प्रतिदिन बाइक से करीब 40 किलोमीटर की दूरी तय कर उसे सुबह स्कूल छोड़ने जाते हैं और छुट्टी होने के बाद वापस घर लेकर आते हैं। इस तरह बच्चे को नियमित रूप से स्कूल पहुंचाने के लिए परिवार को रोजाना लंबा सफर करना पड़ता है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से छात्र के यातायात खर्च के लिए प्रति स्कूली दिन 200 रुपये दिए जा रहे हैं। अब शासन से जारी बजट में यह खर्च भी शामिल किया गया है। इससे छात्र को स्कूल पहुंचाने और वापस लाने पर होने वाले खर्च की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

अधिकारियों के मुताबिक, फीस के साथ यातायात खर्च और पढ़ाई से जुड़ी दूसरी आवश्यकताओं को पूरा करना भी जरूरी है, ताकि छात्र की शिक्षा प्रभावित न हो। शासन से धनराशि मिलने के बाद इन सभी मदों में खर्च का समायोजन किया जाएगा। शासन से जारी 1.38 लाख रुपये की धनराशि में छात्र की वार्षिक फीस के अतिरिक्त ड्रेस, मोजे, स्टेशनरी और पाठ्य सामग्री जैसी जरूरतों को भी शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य छात्र की पढ़ाई से संबंधित जरूरी खर्चों के लिए एक ही बजट से व्यवस्था करना है। अब तक फीस के भुगतान की जिम्मेदारी ट्रस्ट के पास थी, जबकि यातायात खर्च के लिए बेसिक शिक्षा विभाग भुगतान कर रहा था। फीस जमा नहीं होने के बाद विभाग ने शासन से बजट की मांग की थी। अब नई व्यवस्था में फीस और दूसरे शैक्षणिक खर्चों को पूरा करने के लिए शासन से धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

पुरकाजी-लक्सर हाईवे पर ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत, दो साथी घायल

धमात गंग नहर पुल के पास हुआ हादसा, मंगलौर से तेजलहेड़ा जा रहे थे तीनों युवक; पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को हिरासत में लिया

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी-लक्सर हाईवे पर रविवार शाम धमात गंग नहर पुल के पास ई-रिक्शा और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को पुरकाजी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। हादसे की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड के मंगलौर क्षेत्र के जौनपुर निवासी अहसान रविवार शाम अपने साथी बशारत और शकील के साथ बाइक पर सवार होकर मुजफ्फरनगर के छपार क्षेत्र के गांव तेजलहेड़ा जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक पुरकाजी-लक्सर हाईवे पर धमात गंग नहर के पुल के पास पहुंची, तभी ई-रिक्शा से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

अस्पताल पहुंचने पर एक युवक को मृत घोषित किया

हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए पुरकाजी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने 35 वर्षीय बशारत को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके दोनों साथी अहसान और शकील घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। युवक की मौत से परिवार में शोक छा गया।

खेतीबाड़ी करता था मृतक, पुलिस ने चालक को पकड़ा

मृतक बशारत खेतीबाड़ी का काम करता था। हादसे के बाद पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। पुरकाजी थाना प्रभारी मानवेंद्र भाटी ने हादसे में बशारत की मौत होने की पुष्टि की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के संबंध में पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

बुढ़ाना में रोहन राठी हत्याकांड की पुलिस कार्रवाई से असंतोष: निष्पक्ष जांच को लेकर एसएसपी कार्यालय का घेराव करेंगे ग्रामीण

शाहडब्बर में राठी खाप की बैठक में पुलिस खुलासे पर उठे सवाल, सीबीआई जांच कराने की मांग



बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव शाहडब्बर में पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरेटी के ग्राम प्रधान विवेक राठी के पुत्र रोहन राठी की निर्मम हत्या के मामले को लेकर राठी खाप के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सोमवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के जिला उपाध्यक्ष रविंत राठी के आवास पर हुई इस बैठक में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई और हत्या के खुलासे पर गहरा असंतोष व्यक्त किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग को लेकर 21 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर स्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

एसआईटी गठन के बाद भी बरकरार हैं शंकाएं

बैठक के दौरान रालोद जिला उपाध्यक्ष रविंत राठी ने पुलिस कार्रवाई की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुरकाजी पुलिस ने घटना के महज 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और मामले का पटाक्षेप करने का प्रयास किया। हालांकि, पीड़ित परिवार और ग्रामीण इस त्वरित खुलासे से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मामले के सही तथ्य अभी तक सामने नहीं लाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा एसआईटी का गठन किए जाने के बावजूद पीड़ित परिवार की आशंकाएं और शंकाएं दूर नहीं हो सकी हैं।

पीड़ित परिवार को न्याय के लिए सीबीआई जांच की मांग

राठी खाप के ऑल इंडिया मंत्री मोहनवीर राठी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार की शंकाओं का समाधान करना और उसे निष्पक्ष न्याय दिलाना बेहद आवश्यक है। इसके लिए संपूर्ण जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। बैठक में ग्रामीणों ने एक सुर में कहा कि यदि स्थानीय पुलिस की जांच से सच सामने नहीं आ पा रहा है, तो इस पूरे हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए। खाप प्रतिनिधियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो वे बड़े स्तर पर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

रॉयल बुलेटिन
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः
♦अनिल रॉयल
✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



मंसूरपुर के नोना गांव में पति-पत्नी ने खाया जहरीला पदार्थ, पत्नी की मौत

पति की हालत गंभीर, दिल्ली के अपोलो अस्पताल में कराया जा रहा उपचार; पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर शुरू की विधिक कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र के गांव नोना में सोमवार को पति-पत्नी द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना डायल-112 के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थाना मंसूरपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में पति-पत्नी को उपचार के लिए बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। उपचार के दौरान पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के अपोलो अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 को थाना मंसूरपुर पुलिस को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि गांव नोना में पति-पत्नी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है और दोनों की हालत गंभीर है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद 30 वर्षीय दिनेश कुमार पुत्र रत्न सिंह और उनकी 28 वर्षीय पत्नी दीपा, निवासी ग्राम नोना, थाना मंसूरपुर, मुजफ्फरनगर को उपचार के लिए बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया।

चिकित्सकों की देखरेख में दोनों का उपचार शुरू किया गया, लेकिन उपचार के दौरान दीपा की मौत हो गई। वहीं, दिनेश कुमार की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।

क्षेत्राधिकारी खतौली ने दी घटना की जानकारी

प्रकरण के संबंध में क्षेत्राधिकारी खतौली श्रीमती रुपाली राव चौधरी ने बताया कि 19 अक्टूबर को थाना मंसूरपुर पुलिस



को डायल-112 के माध्यम से ग्राम नोना में पति-पत्नी द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास करने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों को उपचार के लिए बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान पत्नी दीपा की मृत्यु हो गई, जबकि पति दिनेश कुमार को दिल्ली के अपोलो अस्पताल के लिए रेफर किया गया है।

क्षेत्राधिकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा मृतका के शव का पंचायतनामा भरकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

घरेलू कलह की चर्चा, कारणों की जांच जरूरी

घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। प्रारंभिक जानकारी में घरेलू कलह की बात सामने आई है, हालांकि जहरीले पदार्थ के सेवन के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के कारणों को लेकर पुलिस तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

दो वर्षीय मासूम के सिर से उठा मां का साया

दंपती का करीब दो वर्षीय पुत्र भी है। मां की मौत और पिता के गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती होने से बच्चे के सामने दुखद परिस्थिति पैदा हो गई है। घटना से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना को लेकर शोक का माहौल बना हुआ है।

फिलहाल पुलिस मृतका के शव की पंचायतनामा संबंधी कार्रवाई पूरी कर मामले में आगे की विधिक प्रक्रिया में जुटी है। पति का उपचार दिल्ली में जारी है। पुलिस के अनुसार, मौके पर कानून एवं शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

मुजफ्फरनगर कोर्ट का फैसला: दस साल पुराने हत्याकांड में चार आरोपी बरी, पुलिस नहीं जुटा पाई सबूत व गवाह

थानाभवन क्षेत्र के मारुखेड़ी गांव में हुई थी किसान की हत्या: गवाहों के मुकरने और आलाकत्ल बरामद न होने पर चारो हुए दोषमुक्त



मुजफ्फरनगर। जनपद के अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने थानाभवन थाना क्षेत्र के ग्राम मारुखेड़ी निवासी किसान गौतम सिंह की हत्या के बहुचर्चित मामले में अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य और चश्मदीद गवाहों के अभाव में मामले के चार अभियुक्तों हसरत, इस्माईल, इरफान उर्फ हीरो और खलील (निवासीगण ग्राम बुंटा, थाना गढ़ीपुख्ता) को दोषमुक्त मानते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष अभियुक्तों के खिलाफ लगे आरोपों को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा।

मामले के अनुसार, 21 जनवरी 2014 को थानाभवन थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मारुखेड़ी गांव निवासी किसान गौतम सिंह रात के समय अपने खेत में फसलों की सिंचाई (पानी चलाने) के लिए गए थे, लेकिन अगली सुबह खेत में ही उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में लाश पड़ी मिली थी। अज्ञात के खिलाफ शुरू हुई जांच में पुलिस ने बाद में अभियुक्तों को नामजद कर जेल भेजा था। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर टिका था पूरा मामला मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि इस पूरे हत्याकांड में कोई भी चश्मदीद गवाह मौजूद नहीं था और पूरा प्रकरण केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित था।

पुलिस हिरासत के दौरान अभियुक्त अंकित के बयान के आधार पर अन्य साथियों के नाम सामने आए थे, परंतु कानूनन पुलिस कस्टडी में दिए गए बयान को साक्ष्य में ग्रा (स्वीकार्य) नहीं माना गया। इसके अलावा, अभियुक्त अंकित की प्रकरण के विचारण के दौरान ही मृत्यु हो चुकी थी।

अदालत में गवाहों ने भी मारी पलटी

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष को उस समय बड़ा झटका लगा जब वादी विजयपाल सिंह और मृतक के भतीजे अमरनाथ अदालत में अपने धारा 161 सीआरपीसी के तहत पुलिस को दिए बयानों का समर्थन करने से मुकर गए। दोनों ने अदालत के समक्ष स्पष्ट कहा कि उन्हें आज तक यह नहीं पता कि गौतम सिंह की हत्या किसने की थी। इस हत्याकांड की पैरवी कर रही पुलिस द्वारा हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल (डंडा) और खेत से चोरी की गई मोटर की बरामदगी न कर पाना भी अभियोजन के दावों को कमजोर करने वाली मुख्य कड़ी साबित हुआ।

शुकतीर्थ की श्रीमद्भागवत कथा में वीडियो कॉल के जरिए शामिल हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार: किया किया पोथी पूजन

पत्नी अनुराधा गुप्ता, आईआरएस भाई मनीष कुमार समेत परिजन कथा में पहले ही रहे मौजूद, स्वामी कल्याणदेव महाराज के समाधि मंदिर में पहुंचे परिजन

मुजफ्फरनगर। धर्मनगरी शुकतीर्थ में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के समापन सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े। उन्होंने दूर रहकर ही कथा उत्सव में सहभागिता की और वीडियो कॉल के जरिए पोथी पूजन किया। इस अवसर पर उनकी पत्नी अनुराधा गुप्ता, आईआरएस भाई मनीष कुमार और परिवार के अन्य सदस्य कथा में पहले से ही शुक्रतीर्थ में मौजूद रहे। परिजनों ने कथा श्रवण के माध्यम से धर्म, निष्काम कर्म, करुणा और मोक्ष के मर्म को समझा। धर्मनगरी शुक्रतीर्थ में कथा का आयोजन शुकदेव आश्रम के प्रत्यक्षानंद भवन में किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वीडियो कॉल के जरिए ही व्यास पीठ का नमन किया और पूरे विधि-विधान के साथ पुण्य लाभ अर्जित किया। कथा व्यास अचल कृष्ण शास्त्री ने उन्हें सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित मोक्ष और भागवत सार का संगीतमय वर्णन सुनाया। कथा व्यास अचल कृष्ण शास्त्री ने सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित के मोक्ष प्रसंग और श्रीमद्भागवत के सार का वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, मित्रता, समर्पण और निष्काम कर्म के महत्व पर प्रकाश डाला गया। परिवार के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण किया। भाई ने कराई वीडियो कॉल, ज्ञानेश कुमार ने किया पोथी पूजन

श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के भाई एवं आईआरएस अधिकारी मनीष कुमार ने कथा स्थल से सीधे वीडियो कॉल के माध्यम से ज्ञानेश कुमार को जोड़ा। कथा व्यास अचल कृष्ण शास्त्री ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वीडियो कॉल के माध्यम से कथा से जोड़ा गया, जिन्होंने ऑनलाइन



पोथी पूजन भी किया। इस तरह मुख्य चुनाव आयुक्त ने शुकतीर्थ में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में दूर रहकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कथा के दौरान उनके परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे। इनमें उनके पिता डॉ. सुबोध गुप्ता, माता सत्यवती, पत्नी अनुराधा गुप्ता, पुत्र अर्णव आनंद और आईआरएस भाई मनीष कुमार सहित अन्य परिजन शामिल थे। धार्मिक आयोजन में परिवार की आस्था और सहभागिता विशेष रूप से दिखाई दी। समापन सत्र में कथा व्यास अचल कृष्ण शास्त्री ने श्रीमद्भागवत के महत्वपूर्ण प्रसंगों का वर्णन करते हुए सुदामा चरित्र और राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा सुनाई। सुदामा चरित्र के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के बीच निस्वार्थ प्रेम, मित्रता और समर्पण का संदेश दिया गया। वहीं राजा परीक्षित के मोक्ष प्रसंग के माध्यम से जीवन की नश्वरता, आध्यात्मिक ज्ञान और भक्ति के महत्व को समझाया गया। कथा में धर्म के मार्ग पर चलने, निष्काम भाव से कर्म करने और सभी के प्रति करुणा रखने का संदेश दिया गया। श्रीमद्भागवत के सार के माध्यम से श्रद्धालुओं को जीवन में सदाचार, सेवा और आध्यात्मिक चिंतन अपनाने की प्रेरणा मिली। शुकतीर्थ प्रवास के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के परिवार के सदस्यों ने शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज से मुलाकात की। इसके बाद परिजन ब्रह्मलीन स्वामी कल्याणदेव महाराज के समाधि मंदिर पहुंचे और श्रद्धासुमन अर्पित किए। परिवार के सदस्यों ने आश्रम परिसर में स्थित वटवृक्ष की परिक्रमा भी की।

खतौली थाने में महाअष्टमी पर कन्या पूजन:थाना प्रभारी ने ने धोए चरण, उपहार देकर किया विदा

शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी पर खतौली पुलिस की अनूठी पहल उपहार देकर किया विदा

खतौली (मुजफ्फरनगर)। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के पावन अवसर पर खतौली थाना परिसर में आस्था, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। दैनिक पुलिसिंग की व्यस्तताओं और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारियों के बीच खतौली पुलिस ने परंपरा और संस्कारों का निर्वहन करते हुए थाने में भव्य 'कन्या पूजन' का आयोजन किया। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र की छोटी-छोटी बालिकाओं को आमंत्रित कर उनका पूर्ण विधि-विधान से पूजन किया गया और उन्हें भोजन कराकर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। रविवार को महाअष्टमी के अवसर पर खतौली थाना परिसर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में रंगा नजर आया। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल ने स्वयं आगे बढ़कर कन्याओं को सम्मानपूर्वक आसन पर बैठाया। इसके उपरांत उन्होंने एक-एक कर सभी नन्हीं बालिकाओं के चरण जल से धोए, उन्हें



सुखाया और रोली-अक्षत से तिलक लगाकर देवी स्वरूप में नमन किया।पूजन के दौरान उपस्थित पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं पर पुष्प वर्षा की। कानून के रखवालों का यह कोमल और श्रद्धालु रूप देखकर वहां मौजूद हर कोई भावविभोर हो गया। प्रसाद वितरण और सम्मानजनक विदाई मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच बालिकाओं को पारंपरिक प्रसाद–हलवा, पूरी और चने का भोजन परोसा गया। प्रभारी निरीक्षक तथा पुलिस स्टाफ के सदस्यों ने स्वयं बालिकाओं को भोजन कराया और उनकी आवभगत में कोई कमी नहीं छोड़ी। भोजन के उपरांत प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल एवं पुलिस कर्मियों ने सभी कन्याओं को उनकी पसंद के उपहार, फल, मिष्ठान और दक्षिणा भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। सभी बालिकाओं को सम्मान के साथ विदा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और पुलिस बल को संबोधित करते हुए प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल ने कहा, "बेटियां साक्षात माँ दुर्गा का स्वरूप होती हैं। केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित रहने के बजाय बेटियों का सम्मान करना, उन्हें शिक्षित बनाना और समाज में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना ही हमारी असली पूजा है।

मुजफ्फरनगर समेत देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचेंगे संभालखा: निरंकारी संत समागम की तैयारियां तेज, 'जागृति' की ज्योति से आलोकित होगी धर्मनगरी

23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होगा दिव्य समागम; मुजफ्फरनगर समेत देश-विदेश से पहुंचेंगे लाखों श्रद्धालु

मुजफ्फरनगर। जहाँ ब्रह्मज्ञान से चेतना जागृत हो, प्रेम से हृदय आलोकित हो और सेवा जीवन का संकल्प बन जाए। इसी दिव्य भाव और आध्यात्मिक चेतना को साकार करने के लिए समालखा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में यह विशाल समागम आगामी 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होने जा रहा है। इस पावन अवसर पर जनपद मुजफ्फरनगर सहित देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु एकत्र होकर सत्संग, सेवा और भक्ति के इस अलौकिक मिलन में सहभागी बनेंगे। जनपद के संयोजक हरीश कुमार एवं मीडिया सहायक सुशील कुमार 'अंश' ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती सहभागिता को देखते हुए समागम स्थल की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा



है। संतों की निस्वार्थ सेवा, अथक परिश्रम और समर्पण के बल पर एक साधारण सा दिखने वाला मैदान आज एक सर्वसुविधायुक्त दिव्य 'आध्यात्मिक नगरी' का रूप धारण कर चुका है। विशालकाय पंडालों के साथ-साथ परिसर में अत्याधुनिक एल.ई.डी. स्क्रीन स्थापित की जा रही हैं, ताकि अंतिम छोर पर बैठे श्रद्धालु भी प्रेरणादायक प्रवचनों, भावपूर्ण भजनों और आध्यात्मिक विचारों को सहजता से देख व सुन सकें। समागम की भव्यता को बढ़ाने के लिए श्रद्धालु भक्तों द्वारा निर्मित मुख्य स्वागत द्वार इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अपनी अनुपम कलात्मकता और भव्य स्वरूप के साथ यह द्वार समागम की आध्यात्मिक गरिमा को अभिव्यक्त करता है। यह केवल एक स्वागत संरचना नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, सृजनशीलता और सामूहिक श्रद्धा की साकार अभिव्यक्ति है। इसकी दिव्य आभा हर आगंतुक का प्रेम, अपनत्व और समभाव के साथ स्वागत करती प्रतीत हो रही है। संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि सतगुरु माता जी की दिव्य प्रेरणा एवं आशीर्वाद से समागम की व्यवस्थाएं बेहद सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ रही हैं। श्रद्धालुओं के सुचारु संचालन, सहज आवागमन और सभी आवश्यक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर को चार प्रमुख क्षेत्रों (जोन) में विभाजित किया गया है।

आत्मिक जागृति का पावन संगमः

यह संत समागम केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि ब्रह्मज्ञान, भक्ति, समर्पण और आत्मिक जागृति का पावन संगम है। यहाँ श्रद्धालु अपनी अंतर्चेतना को जागृत करने, परमात्मा से अपने संबंध को अनुभव करने तथा विश्वबंधुत्व, सौहार्द और निस्वार्थ सेवा जैसे मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। निरंकारी मंडल ने सभी सज्जन महात्माओं एवं श्रद्धालु भक्तों का इस दिव्य आध्यात्मिक मिलन में हार्दिक स्वागत किया है।

दशहरा पर्व को लेकर शाहपुर में पुलिस अलर्ट, क्षेत्राधिकारी ने रावण दहन स्थल का किया निरीक्षण

सीओ गजेंद्रपाल सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन का लिया जायजा, आयोजकों व पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मुजफ्फरनगर। आगामी दशहरा पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्रपाल सिंह ने कस्बा शाहपुर में रावण दहन स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और आयोजन समिति के सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, क्षेत्राधिकारी गजेंद्रपाल सिंह ने रावण दहन स्थल पर पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दर्शकों की संभावित भीड़, लोगों के आवागमन, यातायात व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। उन्होंने



आयोजन से जुड़े लोगों को निर्देशित किया कि रावण दहन कार्यक्रम के दौरान सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाए।

क्षेत्राधिकारी ने रावण दहन के दौरान दर्शकों को सुरक्षित दूरी पर रखने और कार्यक्रम स्थल पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर आने वाले लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए प्रवेश और निकास मार्गों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि भीड़ एकत्र होने की स्थिति में किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

उन्होंने अग्निशमन व्यवस्था और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। संबंधित आयोजकों को निर्देश दिए गए कि रावण दहन के समय सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएं और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पहले से तैयारी रखी जाए।

पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय स्थिति की जानकारी मिलते ही तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही कस्बे में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और लोगों को आवागमन में परेशानी न होने देने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

क्षेत्राधिकारी ने पुलिस बल और आयोजकों के बीच समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया, ताकि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। दशहरा पर्व पर रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क है। शाहपुर में किए गए निरीक्षण का उद्देश्य आयोजन स्थल पर सुरक्षा के सभी पहलुओं की समीक्षा करना और समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है।

सीओ सदर सुनील कुमार का अलावलपुर पुलिस चौकी पर आकस्मिक निरीक्षण

चौकी परिसर से लेकर अभिलेखों के रखरखाव और साफ-सफाई की व्यवस्थाएं परखीं, पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मुजफ्फरनगर। पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार ने सोमवार को थाना चरथावल क्षेत्र की अलावलपुर पुलिस चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चौकी परिसर, कार्यालय, अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार ने चौकी की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय में रखे अभिलेखों के रखरखाव और परिसर की साफ-सफाई



सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि चौकी पर सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित रखी जाएं और विभागीय कार्यों में अनुशासन एवं जिम्मेदारी का विशेष ध्यान दिया जाए। अपराध नियंत्रण और नियमित गश्त पर जोर निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में नियमित गश्त करने तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की प्रभावी चेकिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए पुलिस को लगातार सतर्क रहना चाहिए। क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को अपने क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखने, आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराध की रोकथाम के लिए सक्रिय भूमिका निभाने को कहा।

क्षेत्राधिकारी सदर ने चौकी पर आने वाले फरियादियों के साथ शालीन, संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनका त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायत लेकर आने वाले किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े और उसकी समस्या के समाधान के लिए नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए।

भोपा में युवा रामलीला में रागनियों की धूम: कलाकारों ने मधुर स्वर से मोहा मन, प्रस्तुति पर झूमे दर्शक

सामाजिक और पौराणिक आख्यानों पर आधारित प्रस्तुतियों ने बटोरी वाहवाही

भोपा (मुजफ्फरनगर)। मोरना क्षेत्र के ऐतिहासिक गांव भोपा में चल रही युवा रामलीला के मंच से रविवार की रात संगीत और लोक कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंच पर आयोजित रागनी कार्यक्रम में आए कलाकारों ने अपनी सुरीली आवाज और आकर्षक प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि दर्शक देर रात तक मंत्रमुग्ध होकर झूमते रहे। भोपा युवा रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रभर से भारी संख्या में श्रद्धालु और संगीत प्रेमी पहुंचे, जिन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रख्यात रागनी गायक सतपाल दौसा के पौत्र शुभम और युवराज की जोड़ी रही। दोनों युवा कलाकारों ने मंच संभालते ही अपनी पारंपरिक लोक शैली में सुंदर रागनियां प्रस्तुत करना शुरू किया। उनकी लोकप्रिय रचना 'बेटा बहू ने मांग लिया



और जान मांग ली यारो ने' की प्रस्तुति पर पंडाल में बैठे दर्शक खुद को झूमने से रोक नहीं सके। दोनों कलाकारों के गायन और भाव-भंगिमा की उपस्थित जनसमूह ने मुक्त कंठ से सराहना की और देर तक तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए जाने-माने गायक केशव ने मंच संभाला। उन्होंने चकवा-चकवी के निश्छल प्रेम और पौराणिक आख्यानों पर आधारित मार्मिक रागनी प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने न केवल वातावरण को संगीतमय बनाया, बल्कि उसमें भक्ति और अध्यात्म का रस भी घोल दिया। इसके बाद देर रात तक एक से बढ़कर एक रागनियों का दौर चलता रहा और दर्शक ठंड की परवाह किए बिना अपनी सीटों पर डटे रहे।

आयोजकों ने किया अतिथियों का स्वागत

इस सांस्कृतिक एवं धार्मिक संध्या में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों और समाजसेवियों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय लोकदल के मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर उर्फ गुड्डू भाई, पूर्व प्रधान मदन वालिया, अरविंद अहलूवालिया, अनिल कांत शर्मा, डायरेक्टर शुभम उर्फ चन्नू शर्मा, पंडित अंकित शर्मा तथा ओम प्रकाश प्रजापति प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा पारुल, केतन वालिया, सुमित वालिया, नीटू चौधरी, प्रवेश, सोम शर्मा, अंकित प्रजापति, मास्टर मनोज शर्मा, भानू शर्मा, आर्यन राठी और सुरेश धीमान समेत सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी मंचासीन अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

महंगाई की दोहरी मार,आम आदमी की जेब पर बढ़ा बोझ

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु रखने, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा किसानों को उचित उत्पादन और भंडारण सुविधाएं देने की जरूरत है। जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इसका सबसे ज्यादा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ता है, जिसकी आय कम होती है और संसाधनों का दायरा भी सीमित होता है। भोजन, कपड़े, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर बढ़ता खर्च इन परिवारों के बजट को बिगाड़ देता है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी महंगाई के आंकड़ों से साफ है कि आम लोगों को अब रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के लिए अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है।खाद्य, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई 4.82 फीसद पर पहुंच गई है। इससे पिछले माह जुलाई में यह क्रमशः 9.78 फीसद और 4.45 फीसद थी। जनवरी से लागू 2024 आधार वर्ष वाली नई शृंखला के बाद से अगस्त की खुदरा महंगाई का यह आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक है। यही नहीं,अक्टूबर माह से यूपीआइ के जरिए दो हजार रुपए से अधिक की राशि के भुगतान पर भी शुल्क लगेगा पर सरकार की ओर से तय की गई शुल्क दरों में हालांकि आम लोगों के बीच यूपीआइ से लेन-देन को इससे बाहर रखा गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तुओं के दाम ज्यादा बढ़े हैं, जहां लोगों की आय सीमित होती है। प्याज की महंगाई दर का जुलाई के 22.54 फीसद की तुलना में अगस्त में उछलकर 48.27 फीसद पर पहुंचना दर्शाता है कि प्याज आम लोगों की रसोई से गायब होने लगा है।यही हाल लहसुन और अदरक का भी है। ऐसे में निम्न और मध्य वर्गीय परिवारों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। आय में वृद्धि अगर महंगाई की गति से कम हो, तो घरेलू बजट को संभालना मुश्किल हो जाता है। इसमें दोराय नहीं कि अगले माह की शुरुआत में जब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी, तब नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला करने में महंगाई का यह बढ़ा हुआ स्तर एक प्रमुख कारक साबित हो सकता है।यह भी महत्त्वपूर्ण है कि महंगाई का असर केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहता।

6 अमेरिकी सांसदों ने थामी भारत विरोधी अभियान की कमान

(नीरज कुमार दुबे)



सवाल उठता है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को ठीक से समझे बिना विदेशी दबाव बनाने की यह राजनीति आखिर क्यों चल रही है? क्या किसी राजनीतिक दल या किसी संगठन के आंदोलन के दौरान लगाये गये आरोपों को ही सच मानकर भारत को कटघरे में खड़ा कर देना इन सांसदों का नया शगल बन गया है?

भारत के अंदरूनी मामलों में टांग अड़ाने और दुनिया भर में भारत को कटघरे में खड़ा करने का खेल एक बार फिर शुरू हो गया है। अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल, इल्हान उमर, जिम मैकगवर्न, रशीदा तलाइब, एलेनॉर होम्स नॉर्टन और जीसस गार्सिया ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि वे भारत दौरे पर छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई और कथित हिरासतों का मुद्दा उठाएं। यहां सवाल उठता है कि भारत को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने निकले इन सांसदों को आखिर किसने हक दिया कि वे हमारे देश के आंतरिक मामलों में दखल दें? भारत की समस्याओं पर इतनी चिंता दिखाने वाले इन नेताओं से यह भी पूछा जाना चाहिए कि उनकी यह चिंता चुनिंदा मुद्दों पर ही क्यों जागती है और भारत के मामले में वे हर बार उंगली उठाने के लिए सबसे आगे क्यों खड़े नजर आते हैं? साथ ही सवाल यह भी उठता है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र पर उंगली उठाने वाले इन जनप्रतिनिधियों की अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय आचरण की पड़ताल कौन करेगा?

वैसे यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इन अमेरिकी नेताओं ने भारत की नीतियों पर सवाल उठाए हों। प्रमिला जयपाल ने 2019 में भी जम्मू-कश्मीर में संचार प्रतिबंधों और हिरासतों को लेकर भारत से जवाब मांगा था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उस समय उनके आकलन को अनुचित बताते हुए उनसे मुलाकात करने तक में रुचि नहीं दिखाई थी। अप्रैल 2022 में इल्हान उमर के पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के दौरे पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे देश की संप्रभुता से जुड़ा मामला बताया था। इल्हान उमर का तो अक्सर भारत विरोधी रवैया सामने आता ही रहता है।

सवाल उठता है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को ठीक से समझे बिना विदेशी दबाव बनाने की यह राजनीति आखिर क्यों चल रही है? क्या किसी राजनीतिक दल या किसी संगठन के आंदोलन के दौरान लगाये गये आरोपों को ही सच मानकर भारत को कटघरे में खड़ा कर देना इन सांसदों का नया शगल बन गया है? अगर इन्हें वाकई लोकतंत्र और नागरिकों की आजादी की इतनी चिंता है, तो यह चिंता हर देश के मामले में एक जैसी क्यों नहीं दिखती? आखिर भारत के मामले में ही इनका लोकतांत्रिक प्रेम क्यों उमड़ने लगता है? क्या भारत को नसीहत देना और उसके आंतरिक मामलों में दखल देना ही इनकी राजनीति का असली मकसद है?

अब बात ध्रुव राठी की। जर्मनी में रहने वाले इस यूट्यूबर ने लंदन पहुंचकर पार्लियामेंट चौक में महात्मा गांधी की प्रतिमा के निकट 18 अक्टूबर को प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। उन्होंने भारत में कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की बात कही है और विदेशों में लोगों से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह किया है। यहां सवाल उठता है कि अगर ध्रुव राठी के पास वोट चोरी के सबूत थे तो वह उन्होंने अपने भारत दौरे के दौरान पुलिस या कोर्ट को क्यों नहीं दिये? क्यों वह वापस विदेश भाग गये? हर बात पर विदेशों में ढिंढोरा पीटना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की चुनावी व्यवस्था को बदनाम करने की कोशिश करना आखिर किस बात का संकेत है? चुनावी प्रक्रिया से शिकायत होना अलग बात है, लेकिन अपनी राजनीतिक खुन्नस निकालने के लिए पूरी चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाना और दुनिया भर में भारत के लोकतंत्र की साख पर बट्टा लगाने की कोशिश करना अलग बात है। देखा जाये तो आरोप लगाना आसान है, लेकिन आरोपों को सबूतों के दम पर साबित करना ही असली कसौटी है!

सवाल यह भी है कि ध्रुव राठी आखिर विदेशों में बैठकर भारत के खिलाफ इतना बड़ा अभियान किसके दम पर चला रहे हैं? लंदन में प्रदर्शन, विदेशी मंचों पर भारत को घेरने की कोशिश और देश की राजनीति को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की मुहिम, क्या यह सब महज संयोग है, या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है? विदेशी फंडिंग के आरोपों को झुठलाने वाले ध्रुव राठी को बताना चाहिए कि इस पूरे अभियान का पैसा कहां से आ रहा है, इसे कौन चला रहा है और इसके पीछे किसके हित जुड़े हैं? आखिर कौन है जो भारत की छवि को विदेशों में नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे अभियानों को ताकत दे रहा है?

साथ ही लंदन में भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में भारतीयों का मैदान में उतरना उन लोगों के लिए करारा जवाब है, जो विदेशों में बैठकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। उन्हें समझ लेना चाहिए कि विदेशों में रहने वाले भारतीय कोई उनके इशारे पर चलने वाली भीड़ नहीं हैं। इस देश से प्यार करने वाले लाखों भारतीय दुनिया के किसी भी कोने में हों, तिरंगा उठाना और अपनी सरकार के समर्थन में आवाज बुलंद करना जानते हैं। भारत के खिलाफ नारे लगाने वाले ही लोकतंत्र के ठेकेदार नहीं हैं; भारत के समर्थन में खड़े होने वालों को भी अपनी बात कहने का पूरा हक है। करोड़ों भारतीयों के वोट से बनी सरकार का फैसला विदेशों में बैठे कुछ लोगों के शोर-शराबे से नहीं बदला जा सकता। भारत किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह फैसला भारत की जनता करेगी, कोई विदेशी ताकत नहीं!

इसके अलावा, यह भी बड़ी हैरानी की बात है कि संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं को भारत के मामलों में दखल देने की इतनी जल्दी रहती है कि वे किसी भी आरोप पर चिंता जताने से पहले पूरी सच्चाई जानने की जहमत तक नहीं उठातीं! 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शनों के दौरान हिरासतों की खबरों पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने चिंता जताई, तो भारत ने भी साफ-साफ जवाब दे दिया कि देश के आंतरिक मामलों में इस तरह की दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में भी भारत ने इन टिप्पणियों पर कड़ा ऐतराज जताते हुए अपने संविधान, स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र प्रेस का हवाला दिया। सवाल यह है कि मानवाधिकारों की दुहाई देने वाली इन वैश्विक संस्थाओं को दुनिया के हर मामले में एक जैसी तत्परता क्यों नहीं दिखती? भारत के मामले में बिना पूरी तस्वीर समझे बयान देने की जल्दी और दूसरे मामलों में चुप्पी...आखिर यह दोहरा रवैया कब तक चलेगा? जब संस्थाएं चुनिंदा मुद्दों पर ही जागेंगी और अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग तराजू रखेंगी, तो उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे ही। यही रवैया उनकी विश्वसनीयता को कमजोर करता है और दुनिया भर में लोगों के मन में यह सवाल खड़ा करता है कि क्या ये संस्थाएं सचमुच मानवाधिकारों की रक्षा कर रही हैं या चुनिंदा राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने का जरिया बनती जा रही हैं? उधर, भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि भारत के संविधान, लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं पर बिना पूरी जानकारी के उंगली उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत कोई ऐसा देश नहीं है कि कोई भी विदेशी संस्था या नेता उठे और बिना सोचे-समझे हमें लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने लगे! भारत के अपने कानून हैं, अपनी अदालतें हैं और अपना संवैधानिक ढांचा है। लिहाजा, भारत पर सवाल उठाने वालों को पहले तथ्यों की जांच करनी चाहिए, फिर बयानबाजी करनी चाहिए। भारत को बदनाम करने की कोशिश करने वालों को यह समझना होगा कि हर आरोप पर जवाब मिलेगा और तथ्यों के दम पर मिलेगा।बहरहाल, जो लोग सत्ता पलटने का ख्वाब देख रहे हैं उन्हें भी समझना होगा कि भारत की ताकत किसी एक सरकार में नहीं, बल्कि उस करोड़ों भारतीयों के जनादेश में है, जिसने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव मजबूत की है। इस देश को न विदेशी मंचों पर बैठकर भाषण देने वाले कुछ नेता चला सकते हैं, न सोशल मीडिया पर शोर मचाकर खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा रखवाला बताने वाले लोग! भारत की छवि को झूठे आरोपों, आधी-अधूरी जानकारी और राजनीतिक एजेंडे के सहारे चोट पहुंचाने का सपना देखने वालों को समझना होगा कि भारत कोई कमजोर देश नहीं, जिसकी साख चंद बयानों से मिटा दी जाए। भारत पर उंगली उठाने से पहले अपने तथ्यों की जांच करो, आरोप लगाने से पहले सबूत जुटाओ और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने से पहले यह समझो कि भारत का भविष्य तय करने का अधिकार भारतीय जनता के पास है, किसी विदेशी नेता या सोशल मीडिया के स्वयंभू विशेषज्ञ के पास नहीं! सवाल पूछने हैं तो पूछिए, लेकिन सवालों की आड़ में देश की संस्थाओं को बदनाम करने का ठेका मत लीजिए। क्योंकि भारत की असली ताकत तिरंगे के नीचे खड़े करोड़ों लोगों का विश्वास, स्वाभिमान और अपने देश का फैसला खुद करने का अधिकार है।

खुशी जीने के लिए है या दिखाने के लिए? सोशल मीडिया ने कैसे बदला हमारा जीवन

(राकेश खुडिया)

मनुष्य सामाजिक प्राणी है और अपनी उपलब्धियों, यात्राओं और उत्सवों को दूसरों के साथ बांटना उसके स्वभाव का हिस्सा है।कभी घर में कोई खुशी आती थी, तो सबसे पहले घर के भीतर के लोग उसे जीते थे। मिठाई बंटती थी, पड़ोसी बुलाए जाते थे, रिश्तेदारों को खबर दी जाती थी और कई बार खुशी की सबसे बड़ी निशानी यही होती थी कि देर तक घर में हंसी सुनाई देती थी। अब खुशी आती है, तो उसके साथ एक दूसरा सवाल भी आता है- इसे कितने लोगों को दिखाया जाए? जन्मदिन का केक काटने से पहले कैमरा तैयार होता है, यात्रा शुरू होने से पहले तस्वीर खिंचती है और भोजन का स्वाद लेने से पहले उसकी तस्वीर दुनिया तक पहुंच जाती है।

इस बदलाव के पीछे आदमी की वह मनोवैज्ञानिक जरूरत भी काम करती है, जिसमें वह चाहता है कि उसकी खुशी को दूसरे देखें, पहचानें और स्वीकार करें। पहले किसी उपलब्धि पर परिवार की आंखों में चमक काफी होती थी, अब कई बार लाइक, टिप्पणी और बधाइयों की संख्या भी खुशी का हिस्सा बन जाती है। खुशी का निजी अनुभव धीरे-धीरे सार्वजनिक प्रदर्शन में का एक हिस्सा कैमरे के लिए अभिनय करने लगता है।

इसका असर खुशी की प्रकृति पर भी पड़ता है। जब किसी अनुभव को लगातार इस नजर से देखा जाता है कि दूसरे उसे कैसे देखेंगे, तो उस अनुभव में सहजता कम हो सकती है। आदमी यात्रा पर है, लेकिन उसके मन में यह भी चल रहा है कि कौन-सी तस्वीर डाली जाए। जन्मदिन मन रहा है, लेकिन ध्यान इस बात पर भी है कि कितनी प्रतिक्रियाएं आएंगी। उपलब्धि मिली है, मगर संतोष के साथ यह अपेक्षा जुड़ जाती है कि लोग उसे कितना बड़ा मानते हैं।

यहां तुलना भी धीरे-धीरे जीवन में प्रवेश करती है। सोशल मीडिया पर दूसरों की खुशियां हमेशा पूरी दिखाई देती हैं। किसी का सुंदर घर, किसी की विदेश यात्रा, किसी का महंगा भोजन, किसी की सफलता और किसी का शानदार पारिवारिक समारोह सामने आता रहता है। आदमी अपनी वास्तविक जिंदगी की तुलना दूसरे की चुनी हुई तस्वीरों से करने लगता है। वह यह भूल जाता है कि तस्वीर में दिखाई देने वाली खुशी के पीछे का पूरा जीवन उसे दिखाई नहीं देता। इस तुलना से एक अजीब तरह का दबाव पैदा होता है। अगर दूसरे लोग हर अवसर



बदल रहा है। सोशल मीडिया ने इस बदलाव को बहुत आसान बना दिया है। मोबाइल का कैमरा सामने आया और निजी जीवन का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक हो गया। किस शहर में गए, क्या खाया, किससे मिले, क्या खरीदा, किस अवसर पर क्या पहना- जीवन की छोटी-बड़ी घटनाएं अब तस्वीरों और वीडियो के रूप में दर्ज होने लगी हैं।

इसमें कोई बुराई नहीं कि आदमी अपनी यादें संभालकर रखे या अपने प्रियजनों के साथ साझा करे। समस्या तब शुरू होती है, जब अनुभव से ज्यादा महत्त्व उसके प्रदर्शन को मिलने लगे। कई बार किसी पर्यटन स्थल पर पहुंचने वाला परिवार कुछ देर प्रकृति को देखने के बजाय तस्वीरों के लिए सही जगह तलाशता रहता है। बच्चे झील, पहाड़ या समुद्र को देखने से पहले कैमरे की ओर देखते हैं। भोजन सामने आता है, तो पहला निवाला लेने से पहले उसकी तस्वीर खींची जाती है। समारोह में लोग बातचीत से अधिक इस चिंता में दिखाई देते हैं कि कौन-सा दृश्य कैमरे में अच्छा आएगा। धीरे-धीरे अनुभव को खास बनाकर दिखा रहे हैं, तो अपने सामान्य जीवन को लेकर हीनता महसूस होने लगती है। जन्मदिन साधारण तरीके से मनाना कम अच्छा लगने लगता है। छोटी यात्रा पर्याप्त नहीं लगती। सामान्य भोजन भी तब तक खास नहीं लगता, जब तक उसे किसी विशेष अंदाज में प्रस्तुत न किया जाए। जीवन जीने के लिए नहीं, दिखाने के लिए सजाया जाने लगता है।

बच्चों पर इसका प्रभाव और गहरा हो सकता है। उनके लिए खुशी का अर्थ धीरे-धीरे उस प्रतिक्रिया से जुड़ सकता है, जो किसी तस्वीर या वीडियो को मिलती है। अगर कोई तस्वीर अधिक पसंद की गई, तो खुशी; कम प्रतिक्रिया मिली, तो निराशा। इससे बाहरी स्वीकृति का महत्त्व बढ़ता जाता है। बचपन में मिलने वाली सहज खुशी- बारिश में भीगना, खेलना, मिट्टी में बैठना या बिना किसी कारण हंसना- किसी दर्शक की जरूरत नहीं रखती थी। परिवार के भीतर भी इस प्रवृत्ति का एक दूसरा असर दिखाई देता है। कई बार लोग साथ बैठे होते हैं, लेकिन हर व्यक्ति अपने फोन में व्यस्त होता है।

प्रतिनिधिमंडल और समर्थकों की एक अनियंत्रित भीड़

न्याय की चौखट पर सियासत और संवैधानिक मर्यादा का संकट

सुप्रीम कोर्ट के भीतर स्थित फाइलिंग काउंटर तक पहुंच गई।एक ऐसे समय में जब कोर्ट की रजिस्ट्री अपने दैनिक कार्य को समेट रही थी, परिसर के भीतर अचानक पैदा हुए इस राजनीतिक कोलाहल, नारेबाजी और समर्थकों के हुजूम ने सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक तंत्र को कुछ समय के लिए ठप कर दिया। इसके साथ ही, एक तकनीकी और कानूनी पहलू यह भी सामने आया कि इस संयुक्त याचिका में सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने 14 प्रक्रियात्मक खामियां पाई थीं।

(अशोक भाटिया)

चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरू की गई 'स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन' की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं।

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 12 अक्टूबर 2026 की तारीख एक ऐसी असाधारण और चिंताजनक घटना के रूप में दर्ज हो चुकी है, जिसने संवैधानिक संस्थाओं के बीच पारस्परिक सम्मान की सीमाओं को पूरी तरह से धुंधला कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के नेता राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के तमाम शीर्ष नेताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट परिसर तक निकाला गया विरोध मार्च सिर्फ एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था, बल्कि वह न्याय की सर्वोच्च देहरी पर जन-दबाव बनाने का एक ऐसा अभूतपूर्व प्रयास था, जिसकी अनुमति हमारा संवैधानिक ढांचा कभी नहीं देता। 15 अक्टूबर 2026 को इस संवेदनशील मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने जो बेहद सख्त रुख अपनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र की आत्मा उसकी संस्थाओं की गरिमा और उनकी स्वतंत्रता में बसती है, न कि सड़कों पर उमड़ने वाली राजनीतिक भीड़ के कोलाहल में।

अदालत का सुनवाई के दौरान यह कहना कि हम आइवरी टावर (हाथीदांत के मीनारों) में नहीं बैठे हैं, हमें सब पता है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं और कोर्ट के भीतर क्या कहा जा रहा है, देश के पूरे राजनीतिक नेतृत्व के लिए एक गंभीर और ऐतिहासिक चेतावनी है। जब देश का विपक्ष का नेता, जिसके पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा होता है और जो संसद के भीतर देश की जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, स्वयं समर्थकों की भारी भीड़, नारेबाजी और हंगामे के बीच देश की सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री में याचिका दाखिल करने पहुंचता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अब न्यायिक प्रक्रियाओं का फैसला भी सड़कों के संख्याबल से तय होगा? यह संपादकीय इसी गहरे और गंभीर संवैधानिक संकट का निष्पक्ष विश्लेषण करने का प्रयास है कि आखिर विपक्ष के इस कदम के पीछे की राजनीति क्या है, न्यायपालिका की चिंताएं कितनी जायज हैं और भारतीय लोकतंत्र को इस अभूतपूर्व संस्थागत टकराव से बचाने के लिए किस तरह के संतुलन की आवश्यकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ें किसी न्यायिक फैसले या अदालती आदेश में नहीं, बल्कि देश की चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी हैं। चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरू की गई स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। विपक्ष इसे वोटों की चोरी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश करार दे रहा है। इसी के विरोध में पिछले



सप्ताह दिल्ली की सड़कों पर विपक्षी कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए थे, जहां पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज ने आग में घी का काम किया था। राजनीतिक रूप से चुनाव आयोग के फैसलों का विरोध करना और उस पर सवाल उठाना विपक्ष का न सिर्फ लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि उसका कर्तव्य भी है। भारतीय चुनावी राजनीति में ईवीएम से लेकर मतदाता सूचियों में विसंगतियों के दावों तक, विपक्ष हमेशा से मुखर रहा है। इसी सिलसिले में जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव सहित 13 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक संयुक्त रिट याचिका के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया, तो देश को लगा कि यह लड़ाई अब पूरी तरह से कानूनी और संवैधानिक दायरे में लड़ी जाएगी। लेकिन, कानूनी याचिका दायर करने की सामान्य प्रक्रिया को जिस तरह से एक विशाल राजनीतिक जुलूस में तब्दील कर दिया गया, उसने इस कानूनी लड़ाई के वास्तविक उद्देश्य पर ही बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए।

12 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के लुटियंस जोन में जो दृश्य दिखाई दिए, वे देश के न्यायिक इतिहास में बेहद दुर्लभ और विचलित करने वाले थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, विपक्षी दलों के सांसद, छात्र संगठन और समर्थक संसद मार्ग से होते हुए सुप्रीम कोर्ट परिसर की ओर बढ़े। हालांकि सुरक्षा कारणों से पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन विपक्षी नेताओं का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल और समर्थकों की एक अनियंत्रित भीड़ सुप्रीम कोर्ट के भीतर स्थित फाइलिंग काउंटर तक पहुंच गई।एक ऐसे समय में जब कोर्ट की रजिस्ट्री अपने दैनिक कार्य को समेट रही थी, परिसर के भीतर अचानक पैदा हुए इस राजनीतिक कोलाहल, नारेबाजी और समर्थकों के हुजूम ने सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक तंत्र को कुछ समय के लिए ठप कर दिया। इसके साथ ही, एक तकनीकी और कानूनी पहलू यह भी सामने आया कि इस संयुक्त याचिका में सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने 14 प्रक्रियात्मक खामियां पाई थीं। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पहचान पत्र का धुंधला होना, जरूरी प्राधिकरण दस्तावेजों का गायब होना और यहां तक कि कोर्ट फीस में 220 की कमी होना शामिल था। इन मामूली प्रक्रियात्मक त्रुटियों को दूर करने के बजाय, जिस तरह से नेताओं और कार्यकर्ताओं की फौज ने रजिस्ट्री पर दबाव बनाने की कोशिश की, उसने देश के जागरूक वकीलों और नागरिकों को हैरान कर दिया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से जुड़े करीब 200 वकीलों ने तत्काल इस घटना का संज्ञान लिया और पत्र लिखकर इस बात पर गहरी चिंता जताई कि देश की सर्वोच्च अदालत को राजनीतिक शक्ति-प्रदर्शन का अखाड़ा बनाया जा रहा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

थानाभवन में धूमधाम से मनाया गया दुर्गा अष्टमी और नवमी का पर्व

बड़ी नहर में विधि-विधान के साथ किया सांझी माता का विसर्जन, देवी मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु



थानाभवन। नगर एवं क्षेत्र में दुर्गा अष्टमी और दुर्गा नवमी का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। वहीं, नवरात्रि की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन कर श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। शाम को नगर के प्रसिद्ध मराठा कालीन मंदिर जस्सू वाला से नगर एवं क्षेत्र की सांझी माताओं को विशेष वाहनों के माध्यम से बड़ी नहर तक ले जाया गया, जहां मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ उनका विसर्जन किया गया। दुर्गा अष्टमी और नवमी के अवसर पर मंदिर देवी भवन में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। माता रानी के दर्शन के लिए महिला, पुरुषों और बच्चों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने पुष्प, नारियल, चुनरी और प्रसाद अर्पित कर माता रानी के समक्ष शीश नवाया। मंदिर परिसर माता रानी के जयकारों से गूंजता रहा और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कन्या पूजन कर मां दुर्गा से लिया आशीर्वाद

नवरात्रि की अष्टमी और नवमी पर कन्या पूजन का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं ने छोटी-छोटी कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी पूजा-अर्चना की। कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया तथा दक्षिणा और उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया। नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी घरों में कन्या पूजन कर नवरात्रि के अनुष्ठान पूरे किए गए।

मंदिर जस्सू वाला से विशेष वाहनों में पहुंचीं सांझी माताएं

शाम के समय नगर के प्रसिद्ध मराठा कालीन मंदिर जस्सू वाला में मेले का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी संजय गर्ग की देखरेख में सांझी माताओं के विसर्जन के लिए दो विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई थी। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से आई सांझी माताओं को इन वाहनों के माध्यम से यारपुर खेड़ा गदाई स्थित बड़ी नहर तक ले जाया गया।

बड़ी नहर पर पंडित अमित शर्मा के सानिध्य में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंत्रोच्चार के बीच सांझी माताओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए माता रानी के जयकारे लगाए। विसर्जन कार्यक्रम को व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मंदिर समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मेले में देर शाम तक रही रौनक

मंदिर परिसर के बाहर आयोजित मेले में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। बच्चों ने मेले में लगी दुकानों और मनोरंजन के साधनों का आनंद लिया, जबकि लोगों ने विभिन्न दुकानों से खरीदारी की। मेले में खानपान की दुकानों पर भी अच्छी चहल-पहल दिखाई दी।

शामली: राज्यमंत्री जसवंत सैनी के ममेरे भाई के घर लूट, महिला के कानों के कुंडल खींचे

चार बदमाशों ने घर में घुसकर की वारदात, महिला समेत दो लोग घायल; जेवर और नकदी लूटकर फरार



शामली। थानाभवन क्षेत्र के गांव रसीदगढ़ में रविवार देर रात चार बदमाशों ने एक मकान में घुसकर लूटपाट की। बदमाशों ने सो रही महिला के कानों से कुंडल खींच लिए, जिससे उसके दोनों कान फट गए। विरोध करने पर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई। बदमाश घर में रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी लूटकर परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित योगेश कुमार प्रदेश के राज्यमंत्री जसवंत सैनी के ममेरे भाई हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराकर उपचार कराया गया है। गांव रसीदगढ़ निवासी योगेश कुमार ने बताया कि रविवार रात वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एक कमरे में सो रहे थे। उनके भाई संजय और भाभी खुशी दूसरे कमरे में, जबकि भतीजा विकसित बरामदे में सो रहा था। उनकी मां बिशन देवी तीसरे कमरे में सो रही थीं। योगेश खेती करने के साथ शादी-विवाह में फोटोग्राफी का काम भी करते हैं।

दीवार फांदकर घर में घुसे चार बदमाश योगेश के अनुसार, रात करीब 1:30 बजे चार अज्ञात बदमाश दीवार फांदकर मकान में घुस आए और अंदर से मुख्य दरवाजा खोल दिया। इनमें से एक बदमाश ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। बदमाशों ने बरामदे में सो रही खुशी के कानों से कुंडल खींच लिए, जिससे उनके दोनों कान लहूलुहान हो गए। आरोप है कि बदमाशों ने उन पर लोहे की रॉड से भी हमला किया। इसके बाद कमरे में सो रहे योगेश के सिर पर धारदार हथियार से वार कर उन्हें घायल कर दिया। दूसरे कमरे में सो रहे संजय के हाथ पर डंडा मारकर उन्हें भी चोट पहुंचाई गई। आरोप है कि बदमाशों ने घर में रखे बक्सों को खंगालकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लूट ली। इस दौरान शोर-शराबा होने और बच्चों की आवाज सुनकर आसपास के लोगों के जागने की आहट मिलने पर बदमाश मुख्य दरवाजे से भाग निकले। जाते समय उन्होंने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित योगेश कुमार ने थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराकर उपचार कराया गया है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

उधार दिए 1.50 लाख रुपये मांगने पर मारपीट का आरोप, तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर



शामली। कोतवाली शामली क्षेत्र के नाला पटरी इलाके में उधार दिए गए 1.50 लाख रुपये वापस मांगने को लेकर एक व्यक्ति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने वेदप्रकाश उर्फ मुंह और उसके दो बेटों ललित व केशव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर कोतवाली के मोहल्ला हाजीपुरी नाला पटरी निवासी कौशल्या देवी कोतवाली पहुची। पीड़ित महिला ने थाने मे तहरीर देकर बताया कि उसके पति ने करीब आठ वर्ष पहले आरोपी वेदप्रकाश को 1.50 लाख रुपये उधार दिए थे। आरोप है कि 18 अक्टूबर को शाम करीब 4:30 बजे रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और डंडे से मारपीट की। शोर सुनकर आरोपी के बेटे ललित और केशव भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने भी कथित रूप से पीड़ित के साथ मारपीट की। मारपीट में पीड़ित को गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने उसे बचाया, जिसके बाद परिजन घायल को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि पीड़ित की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल में बीमारियों को न्योता, बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण में लापरवाही पर उठे सवाल

कूड़ा निर्धारित कमरे के बाहर बिखरा मिलने से सफाई व्यवस्था पर सवाल, मरीजों और तीमारदारों के स्वास्थ्य पर मंडरा सकता है संक्रमण का खतरा



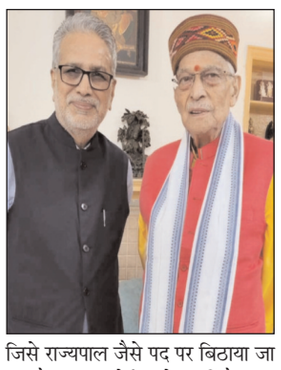
शामली। लोगों को बीमारियों से बचाने और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग की है, लेकिन शामली के जिला अस्पताल परिसर में बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर सामने आई स्थिति अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। अस्पताल परिसर में बायोमेडिकल वेस्ट डालने के लिए निर्धारित कमरे के बाहर ही कचरा बिखरा दिखाई दे रहा है। एक ओर दीवार पर कचरे को निर्धारित कमरे के अंदर डालने के निर्देश लिखे हैं, वहीं दूसरी ओर इन निदेर्शों का पालन होता नजर नहीं आ रहा। ऐसे में अस्पताल की सफाई व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

जिला अस्पताल परिसर की सामने आई तस्वीरों में बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए बनाए गए कमरे के बाहर कचरा बिखरा दिखाई दे रहा है। अस्पताल में स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि बायोमेडिकल वेस्ट को निर्धारित स्थान पर ही डाला जाए, लेकिन मौके की स्थिति इन निदेर्शों के प्रभावी अनुपालन पर सवाल खड़े कर रही है। आरोप है कि कुछ कर्मचारी मेडिकल वेस्ट को निर्धारित कमरे के भीतर डालने के बजाय बाहर ही छोड़ देते हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो यह अस्पताल की सफाई व्यवस्था में गंभीर लापरवाही का संकेत है। अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। उनके साथ तीमारदार भी मौजूद रहते हैं। इसके अलावा चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारी भी परिसर में लगातार काम करते हैं। ऐसे में मेडिकल वेस्ट का खुले में पड़ा रहना सभी के लिए चिंता का विषय बन सकता है। बायोमेडिकल वेस्ट में इस्तेमाल की गई सुइयां, दूषित ड्रेसिंग सामग्री, रक्त से संक्रमित वस्तुएं और अन्य चिकित्सकीय कचरा शामिल हो सकता है। इसका अनुचित प्रबंधन संक्रमण और चोट लगने जैसे जोखिम पैदा कर सकता है। इसलिए ऐसे कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एकत्र करना, सुरक्षित स्थान पर रखना और अधिकृत व्यवस्था के माध्यम से उसका निस्तारण करना जरूरी है।

अस्पताल परिसर में कचरे का निर्धारित स्थान के बाहर पड़ा होना न केवल सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाता है, बल्कि बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन से जुड़े नियमों के पालन की जांच की आवश्यकता भी दर्शाता है। यदि कचरा लंबे समय तक इसी तरह पड़ा रहता है तो दुर्गंध और संक्रमण संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं। इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब अस्पताल परिसर में ही बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए स्पष्ट निर्देश मौजूद हैं, तो उनका पालन सुनिश्चित क्यों नहीं हो रहा है? क्या अस्पताल प्रशासन की ओर से नियमित निगरानी की जा रही है? क्या संबंधित कर्मचारियों को कचरे के सुरक्षित निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं? इन सवालों का जवाब अस्पताल प्रशासन की जांच और कार्रवाई के बाद ही सामने आएगा। अब जरूरत है कि अस्पताल प्रशासन मामले का संज्ञान लेकर परिसर की सफाई सुनिश्चित करे, बिखरे पड़े बायोमेडिकल वेस्ट का नियमानुसार सुरक्षित निस्तारण कराए और जिम्मेदारी तय करते हुए व्यवस्था में सुधार करे। साथ ही नियमित निरीक्षण की व्यवस्था भी प्रभावी बनाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा सामने न आए।

स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ रखना है। ऐसे में जिला अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में स्वच्छता और बायोमेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही मरीजों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीरता से ली जानी चाहिए।

डॉ मुरली मनोहर जोशी ने दुष्यंत गौतम के मामले में राजधर्म कि नसीहत दी मोदी को !



उमाकांत लखेड़ा नई दिल्ली! भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मुरली मनोहर जोशी ने दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाने की घोषणा पर आपत्ति जताई है! उन्होंने इस तरह फैसले करने के पहले राजधर्म का दायित्व निभाने की सलाह दी ! 2002 के गुजरात दंगों से क्षुब्ध तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नरेंद्र मोदी को राजधर्म अपनाने की सलाह दी थी! मोदी उस वक्त गुजरात के मुख्यमंत्री थे! डॉ मुरली मनोहर जोशी जो वाजपेयी सरकार मे मानव संसाधन विकास मंत्री थे ने ठीक उसी तेवर में दुष्यंत के चयन के मामले प्रधानमंत्री मोदी को राजधर्म की नसीहत दी है! उन्होंने मोदी का नाम लिए बिना सरकार से सवाल पूछा है कि अंकिता भंडारी केस में दुष्यंत आरोपी थे तो ऐसे व्यक्ति को जांच प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार किए बिना ही राज्यपाल बनाने की क्या जल्दबाजी थी! डॉ जोशी ने कहा है कि जिन परिस्थितियों में 19 वर्ष की अंकिता की हत्या हुई है, उसमें कई तरह के संदेह पैदा हुए हैं ! पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के बजाय सच्चाई छिपाने से और भी संदेह पैदा हुए हैं!

एक पॉडकास्ट (इंटरव्यू) में डॉ जोशी ने पूछा है कि राष्ट्रपति को नाम भेजने के पहले पड़ताल क्यों नहीं की गई कि जिसे राज्यपाल जैसे पद पर बिठाया जा रहा है,उस पर कोई आरोप नहीं है! एक प्रश्न के उत्तर में जोशी ने कहा कि मुझे नहीं पता जिन लोगों ने उन्हें राज्यपाल बनाया है क्या उन्हें पता नहीं था कि दुष्यंत गौतम पर किस तरह के गंभीर आरोप हैं! अगर आरोपों की जानकारी नहीं थी तो यह और भी गंभीर मामला है! लोकतंत्र में जनता की भावना का सम्मान होना चाहिए! डॉ जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार सोचे कि राज्यपाल पद पर दागदार लोग बैठेंगे तो देश में क्या छवि बनेगी! अन्य पदों के लिए जांच होती है तो दुष्यंत की क्यों नहीं की! डॉ जोशी बोले आडवाणी और मैंने आरोप लगने पर पद छोड़े थे! दुष्यंत को क्लीन होने तक पद स्वीकार करना ही नहीं चाहिए था! उन्हें खुद आगे आकर कहना चाहिए था कि जब तक मुझ पर लगे आरोप साफ नहीं होते मै इस तरह का पद स्वीकार नहीं करूंगा !संवैधानिक पदों की गरिमा सर्वोपरि रहनी चाहिए! नैतिकता का तकाजा था कि राजधर्म का पालन होता ! उन्होंने सीबीआई से भी पूछा कि उसने अंकिता मामले में जांच में इतनी देरी क्यों की! राष्ट्रपति को अधिसूचना के पहले जानकारी मांगनी थी! डा जोशी ने मोदी सरकार की आलोचना करते कहा कि सरकार में बैठे लोग कम से भगवान राम से सबक लेते! जब राम ने अपने राज्य की प्रजा के मन में उपजे संदेहों पर सीता माता को त्याग दिया था! डॉ जोशी ने कहा कि कौन दोषी है कौन नहीं, यह तय करने का काम कोर्ट का है ! लेकिन उन्होंने कहा कि सीबीआई व अदालतें ढंग से काम नहीं करेंगी तो इन सर्वोच्च स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं की क्या साख बचेगी! डॉ जोशी ने। मोदी सरकार को याद दिलाया था कि आडवाणी ने हवाला डायरी विवाद में सांसद पद छोड़ा था! उन्होंने अपना भी उदारहण दिया कि अयोध्या मामले में नाम आने पर उन्होंने कोई पद नहीं लिया था! हाल के दिनों में यह दूसरा मौका है जब डॉ जोशी ने मोदी सरकार की आलोचना की है!

थानाभवन के रसीदगढ़ में घर में घुसे बदमाशों ने महिला के कान से खींचे कुंडल, देवर को रॉड मारकर किया घायल

रात करीब 1:30 बजे वारदात से मचा हड़कंप, विरोध करने पर गोली मारने की धमकी देकर फरार हुए बदमाश



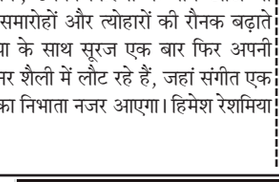
थानाभवन। क्षेत्र के गांव रसीदगढ़ में देर रात घर में घुसे अज्ञात बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए सो रही महिला के कानों से कुंडल खींच लिए। महिला के जागने और विरोध करने पर बदमाशों ने उसका कान फाड़ दिया। वहीं, महिला के देवर ने बदमाशों का विरोध किया तो उस पर रॉड से हमला कर घायल कर दिया गया। शोर-शराबा होने पर बदमाश गोली मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर थाना भवन पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, गांव रसीदगढ़ निवासी संजय ने बताया कि रात के समय उनकी पत्नी खुशी घर में सो रही थी। इसी दौरान करीब रात 1:30 बजे अज्ञात बदमाश घर में घुस आए। आरोप है कि बदमाशों ने सोते समय खुशी के कानों से कुंडल खींचने शुरू कर दिए। अचानक आंख खुलने पर खुशी ने बदमाशों का विरोध किया और शोर मचा दिया। कुंडल खींचे जाने के कारण महिला का कान फट गया।

महिला के शोर मचाने पर परिवार के लोग जाग गए और बदमाशों का विरोध करने लगे। इसी दौरान बदमाशों ने महिला के देवर योगेश पर रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। परिवार के लोगों के विरोध और शोर-शराबे के बीच बदमाश गोली मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर थाना भवन पुलिस गांव रसीदगढ़ पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित परिवार से जानकारी जुटाई। घटना को लेकर ग्रामीणों में भी चर्चा रही। रात के समय घर में घुसकर महिला के कानों से कुंडल खींचने और विरोध करने पर परिवार के सदस्य को घायल करने की घटना से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस कर रही मामले की जांच थाना भवन के प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि घटना रात करीब 1:30 बजे की बताई जा रही है। महिला के कान से कुंडल खींचकर ले जाने की बात सामने आई है। पीड़ित पक्ष की ओर से घटना के संबंध में तहरीर दी गई है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक ने जल्द ही घटना का खुलासा करने की बात कही है।

रंग संसार

हिमेश रेशमिया के 'गरबा एंथम' पर फाल्गुनी पाठक ने दी धांसू परफॉर्मेंस, आयुष्मान और शरवरी ने लगाए चार चांद



नई दिल्ली। मां का आशीर्वाद लेने से लेकर गरबा की धुनों पर झूमने तक, आयुष्मान खुराना और शरवरी ने फाल्गुनी पाठक की नवरात्रि सेलिब्रेशन में ये प्रेम मोल लिया का उत्सवी रंग बिखेर दिया। दोनों कलाकार मुंबई में आयोजित फाल्गुनी पाठक की गरबा नाइट में शामिल हुए, जहां उन्होंने दांडिया क्वीन के साथ अपनी फिल्म के फेस्टिव ट्रैक जय अंबे की सफलता का जश्न मनाया। यह गाना सुरज सर की आने वाली फैमिली एंटरटेनर फिल्म का हिस्सा है। फाल्गुनी पाठक के साथ झूमे आयुष्मान-शरवरी शाम की शुरूआत भक्ति और आस्था के साथ हुई। आयुष्मान और शरवरी ने मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे दोनों कलाकार पूजा की रस्में निभाते नजर आए। इसके बाद माहौल पूरी तरह उत्सव के रंग में रंग गया।दोनों ने स्टेज पर पहुंचकर दर्शकों का अभिवादन किया और फाल्गुनी पाठक के साथ गरबा किया। हजारों लोगों की मौजूदगी में उनकी इस खास मौजूदगी ने फिल्म के संगीत को नवरात्रि के जश्न का हिस्सा बना दिया।फिल्म के मेकर्स के लिए यह खास मौका जय अंबे को मिल रहे प्यार का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका रहा। गरबा और नवरात्रि का जश्न हमेशा से ऐसे गानों से जुड़ा रहा है, जो लोगों को एक साथ थिरकने पर मजबूर कर देते हैं। ऐसे में फाल्गुनी पाठक की गरबा नाइट इस गाने और फिल्म के लीड एक्टर्स के लिए दर्शकों से जुड़ने का एक खास मौका बन गई। मुंबई की नवरात्रि संस्कृति में फाल्गुनी पाठक के संगीत की खास जगह है, जिसने इस शाम को और भी यादगार बना दिया। Sooraj Barjatya की फिल्मों में संगीत हमेशा से एक अहम हिस्सा रहा है। ह्यमैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन..! से लेकर हम साथ-साथ हैं तक, उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादियों, पारिवारिक समारोहों और त्योहारों की रौनक बढ़ाते हैं। ये प्रेम मोल लिया के साथ सूरज एक बार फिर अपनी खास फैमिली एंटरटेनर शैली में लौट रहे हैं, जहां संगीत एक बार फिर अहम भूमिका निभाता नजर आएगा। हिमेश रेशमिया का 'गरबा एंथम'

राज काज

'फंडामेंटल्स पूरी तरह ठीक, लेकिन...', भारतीय बाजार से क्यों पैसा निकाल रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स? वित्त मंत्री ने गिनाईं वजहें

नई दिल्ली भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ समय से जारी भारी गिरावट और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने हर किसी की धड़कनें बढ़ा दी हैं। अगर आप भी सोच रहे हैं कि निफ्टी और सेंसेक्स लगातार क्यों गोते लगा रहे हैं और बाजार संभल क्यों नहीं रहा है, तो खुद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसकी असली वजह दुनिया के सामने रख दी है। बैंकॉक में आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बाजार में मौजूद आसान लिक्विडिटी यानी नकदी की आसान उपलब्धता ही निवेशकों को तेजी से बाजार से बाहर निकलने का मौका दे रही है।12% तक गिर चुके इंडेक्स दरअसल, पिछले दो सालों में सेंसेक्स और निफ्टी निवेशकों को पॉजिटिव रिटर्न देने में नाकाम रहे हैं। मजबूत आर्थिक विकास के बावजूद व्यापारिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक झटकों के कारण जनवरी से अब तक भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स करीब 12% तक गिर चुके हैं। सीतारमण ने साफ किया कि भारत के आर्थिक फंडामेंटल्स पूरी तरह ठीक हैं, लेकिन उन्होंने लगातार हो रही पूंजी निकासी को 2027 के लिए देश के सामने एक बड़ा जोखिम बताया है।9 साल का निवेश साफ विदेशी निकासी के आंकड़े डराने वाले हैं। अक्टूबर 2024 से अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से लगभग 63.6 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। इस भारी बिकवाली ने पिछले 9 सालों में आए कुल निवेश (63.5 अरब डॉलर) को पूरी तरह से साफ कर दिया है। NSDL के आंकड़ों के अनुसार, इस साल बिकवाली और तेज हुई है। 2025 में 18.9 अरब डॉलर निकालने के बाद, 2026 में विदेशी निवेशकों ने अब तक 32.8 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। इसमें सबसे बड़ी निकासी मार्च (12.7 अरब डॉलर) में हुई, जिसके बाद अप्रैल और जून में भी अरबों डॉलर बाजार से बाहर गए। बाजार से पैसा निकलने के पीछे कई ग्लोबल फैक्टर काम कर रहे हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड का बढ़ना, डॉलर का मजबूत होना और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें इसके प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, ग्लोबल इन्वेस्टर्स का पैसा अब तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और सेमीकंडक्टर सेक्टर की तरफ जा रहा है।

दैनिक राशिफल मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

मेष – आमोद-प्रमोद का दिन और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

वृष – व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढड़े में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

मिथुन : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है।

कर्क – बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है।

सिंह– व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले।

कन्या – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

तुला – अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

वृश्चिक – आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक ङ्कचताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

धनु – उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

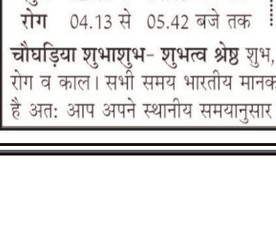
मकर – आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

कुंभ – घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा।

मीन – शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।

दैनिक पंचांग

20 अक्टूबर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	मकर में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारंभ समय	
तुला	05.48 बजे से
वृश्चिक	08.07 ब.से
धनु	10.23 बजे से
मकर	12.28 बजे से
कुंभ	14.14 बजे से
मीन	15.47 बजे से
मेष	17.18 बजे से
वृष	18.58 बजे से
मिथुन	20.56 बजे से
कर्क	23.09 बजे से
सिंह	01.26 बजे से
कन्या	03.37 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2026 वर्ष का 293 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 12.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 18.02 बजे को समाप्त।
योग शूल 00.50 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 12.51 बजे तदनन्तर तैतिल 01.37 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 16'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872868
जूलियन दिन 2461333.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 08
विशेष दुर्गा विसर्जन, आयुध पूजा, विजयादशमी, दशहरा, बुद्ध व अपराजिता जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर जिले में आरएसएस का संगठनात्मक फेरबदल: प्रमोद त्यागी को विभाग और तेजवीर सिंह को मिली जिला संघचालक की कमान

बृजेश बने विभाग कार्यवाह तो कुलदीप गोयल को मिली व्यवस्था प्रबंधन की जिम्मेदारी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने मुजफ्फरनगर में अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने और कार्यविस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विभाग और जिला स्तर पर नई जिम्मेदारियों की घोषणा की है। संगठन की इस नई व्यवस्था के तहत प्रमोद त्यागी को विभाग संघचालक और तेजवीर सिंह को जिला संघचालक का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। संघ के नीति-निर्धारण और स्थानीय स्तर पर गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया गया है, जिससे कार्यकर्ताओं में नए उत्साह का संचार देखने को मिल रहा है।

मार्गदर्शन से लेकर संचालन तक, नई टीमों का गठन

आरएसएस की संगठनात्मक व्यवस्था में विभाग और जिला स्तर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। जहाँ संघचालक के रूप में प्रमोद त्यागी (विभाग) और तेजवीर सिंह (जिला) वैचारिक और संगठनात्मक मार्गदर्शन की धुरी होंगे, वहीं प्रशासनिक एवं संचालन की जिम्मेदारी विभाग कार्यवाह के रूप में बृजेश को सौंपी गई है। संघ के दैनिक कार्यों, शाखाओं के संचालन और विभिन्न आयामों के बीच समन्वय स्थापित करने में कार्यवाह की मुख्य भूमिका रहती है।

व्यवस्था प्रबंधन और कार्यक्रमों की तैयारी

संगठन की सभी व्यवस्थाओं को सुचारु और अनुशासित ढंग से संचालित करने के लिए कुलदीप गोयल को विभाग सह व्यवस्था प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है। किसी भी बड़े आयोजन, शिविर या दैनिक संगठनात्मक कार्यों में व्यवस्था विभाग की अहम भूमिका होती है। कुलदीप गोयल अब विभाग स्तर पर



कार्यक्रमों के नियोजन, संसाधन समन्वय और व्यवस्थागत प्रबंधन का कार्य संभालेंगे।

बौद्धिक संवाद और कुटुंब प्रबोधन पर विशेष ध्यान

आरएसएस ने वैचारिक सुदृढ़ता और सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने के लिए दो प्रमुख आयामों में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। इसमें नितिन कुमार को जिला स्तर पर बौद्धिक गतिविधियों का प्रमुख बनाया गया है। इनके कंधों पर वैचारिक चचाएं आयोजित करने, संवाद कार्यक्रमों का संचालन करने और स्वयंसेवकों के बौद्धिक विकास की योजनाएं बनाने का दायित्व होगा। इसके माध्यम से परिवारों के बीच भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, संवाद, आपसी सामंजस्य और सामाजिक जागरूकता को बढ़ाने वाली गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा प्रमोद त्यागी विभाग संचालक, तेजवीर सिंह जिला संचालक, बृजेश जिला विभाग कार्यवाह, कुलदीप गोयल विभाग सह व्यवस्था प्रमुख, नितिन कुमार जिला बौद्धिक प्रमुख मनोनीत किया गया है। वहीं प्रदीप शर्मा को कुटुंब प्रबोधन की जिम्मेदारी दी गई है।

संगठनात्मक गतिशीलता और भविष्य की दिशा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में समय-समय पर दायित्व परिवर्तन एक सहज और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इसका मूल उद्देश्य कार्यकताओं के कौशल का बेहतर उपयोग, जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा और संघ कार्य का सर्वव्यापी विस्तार करना होता है। मुजफ्फरनगर में इस नई टीम के गठन से संघ के विभिन्न आयामों को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। घोषणा के उपरांत संघ परिवार द्वारा सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं, जिसके बाद सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में कार्य योजना बनाकर कार्य शुरू कर दिया है।

एसएसपी सूरज कुमार राय ने किया खालापार थाने का औचक निरीक्षण

थाना परिसर से लेकर हवालात, बैरक और मिशन शक्ति केंद्र की व्यवस्थाएं परखीं, फरियादियों से शालीन व्यवहार और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने सोमवार को थाना खालापार का आकस्मिक निरीक्षण कर थाने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, थाना कार्यालय, हवालात, बैरक, मिशन शक्ति केंद्र और सीसीटीएनएस कक्ष सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव तथा सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए।

एसएसपी सूरज कुमार राय ने थाना परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लेते हुए सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने पर जोर दिया। उन्होंने थाना कार्यालय में अभिलेखों के रख-रखाव और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाने की व्यवस्थाएं व्यवस्थित रहनी चाहिए और सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक



पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

महिलाओं की शिकायतों का संवेदनशीलता से हो निस्तारण

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने मिशन शक्ति केंद्र की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने पर जोर दिया।

फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनें पुलिसकर्मी

एसएसपी ने थाना खालापार में आने वाले फरियादियों के साथ शालीन और संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार, निरीक्षण का उद्देश्य थाना परिसर की व्यवस्थाओं, अभिलेखों, सुरक्षा और जनसुनवाई से जुड़ी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाए रखना है। एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने पर जोर दिया।

मिशन शक्ति-6.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मुजफ्फरनगर के सभी थानों की एंटी रोमियो टीमों ने गांवों, कस्बों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर चलाया जागरूकता अभियान

मुजफ्फरनगर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की एंटी रोमियो टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबरों, सरकारी योजनाओं और महिला केंद्रित सेवाओं की जानकारी दी।



अभियान के तहत पुलिस टीमों ने गांवों, कस्बों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान पंपलेट वितरित कर उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग और जरूरत पड़ने पर सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। पुलिस ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित माध्यमों से शिकायत करने के लिए प्रेरित किया।

हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

जागरूकता अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वूमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102 और एंबुलेंस सेवा-108 सहित विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही जनसुनवाई पोर्टल और स्थानीय थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के बारे में भी बताया गया, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और सहायता प्राप्त कर सकें।

पुलिस टीमों ने महिलाओं को समझाया कि किसी भी परेशानी, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में चुप रहने के बजाय उपलब्ध सहायता सेवाओं का उपयोग करें। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण मजबूत करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। एंटी रोमियो टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आयुष्मान योजना और महिला शक्ति केंद्र योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। पुलिसकर्मियों ने योजनाओं के उद्देश्य और उनसे मिलने वाले लाभों के बारे में बताते हुए पात्र महिलाओं को संबंधित योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार, मिशन शक्ति-6.0 के अंतर्गत जनपद के सभी थानों की एंटी रोमियो टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां संचालित कर रही हैं।

रोहाना कलां में पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुबोध शर्मा ने किया रामलीला मंचन का उद्घाटन

भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेकर आचरण में उतारें मयार्दा और संस्कार : सुबोध शर्मा

मुजफ्फरनगर। जनपद के ग्राम रोहाना कलां में 18 अक्टूबर को रामलीला मंचन का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुजफ्फरनगर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुबोध शर्मा ने फीता काटकर रामलीला मंचन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर युगल किशोर भारती, प्रदीप त्यागी और आकाश त्यागी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सुबोध शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने आदर्शों, मयार्दा और श्रेष्ठ आचरण के माध्यम से संपूर्ण समाज को जीवन जीने की प्रेरणा दी है। उनके जीवन से हमें सत्य, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, प्रेम और सम्मान जैसे मूल्यों की सीख मिलती है। प्रत्येक व्यक्ति को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणादायक गाथा है। रामायण हमें परिवार और समाज में रिश्तों की अहमियत समझाती है। भाई-भाई, माता-पिता



और संतान, पति-पत्नी, मित्र तथा गुरु-शिष्य के संबंध प्रेम, विश्वास, सम्मान, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा पर आधारित होने चाहिए। इन मूल्यों को अपनाकर समाज में आपसी सद्भाव और पारिवारिक एकता को मजबूत किया जा सकता है।

भारतीय संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक है रामलीला

सुबोध शर्मा ने कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं, संस्कारों और नैतिक मूल्यों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। रामलीला के मंचन के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों को जन-जन तक पहुंचाया जाता है, जिससे नई पीढ़ी को भी अपने सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने ग्रामवासियों से आह्वान किया कि वे रामलीला का आनंद लेने के साथ-साथ भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेकर उन्हें अपने व्यवहार और आचरण में उतारने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जीवन में मयार्दा, सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलना ही भगवान श्रीराम के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक है।

कार्यक्रम के अंत में सुबोध शर्मा ने रामलीला आयोजन से जुड़े सभी आयोजकों और ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी से रामलीला मंचन में सहभागिता करने तथा भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों और ग्रामीणों में रामलीला को लेकर उत्साह देखने को मिला।

खालापार पुलिस ने अवैध तमंचे और कारतूस के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

शारदेन स्कूल के पीछे वाली गली से पकड़ा गया दानिश उर्फ रिहान, पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी दर्ज हैं तीन मुकदमे

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खालापार पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा और 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा और थाना खालापार के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 को थाना खालापार पुलिस ने शारदेन स्कूल के पीछे वाली गली से दानिश उर्फ रिहान पुत्र गुफरान को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से कथित तौर पर एक अवैध तमंचा और 315 बोर का एक जिंदा



कारतूस बरामद हुआ। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी दानिश उर्फ रिहान मकान संख्या 1366, दक्षिणी खालापार, दरोगा की कोठी के निकट, थाना खालापार, मुजफ्फरनगर का निवासी है। पुलिस बरामदगी और गिरफ्तारी के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने आरोपी का आपराधिक इतिहास भी जारी किया है। इसके अनुसार, उसके खिलाफ पूर्व में तीन मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। इनमें वर्ष 2023 में मथुरा जनपद के छाता थाने में आयुध अधिनियम, गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत दर्ज मुकदमा शामिल है।

इसके अलावा वर्ष 2021 में मुजफ्फरनगर कोतवाली में चोरी और चोरी का माल रखने से संबंधित मुकदमा तथा वर्ष 2023 में आयुध अधिनियम के तहत एक अन्य मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी गई है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक लोकेन्द्रपाल सिंह, कांस्टेबल राहुल कुमार, कांस्टेबल मोनपाल और कांस्टेबल छोटेलाल शामिल रहे।

मिशन शक्ति-6.0 के तहत छात्राओं ने किया ककरौली थाने का भ्रमण

स्वामी ओमनंद कल्याण गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली जानी, महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत सोमवार को स्वामी ओमनंद कल्याण गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने थाना ककरौली परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान छात्राओं ने थाने की कार्यप्रणाली को करीब से समझा और पुलिस की विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। मुजफ्फरनगर पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं, महिलाओं और अन्य उपस्थित लोगों को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, यातायात नियमों तथा साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया।

थाना ककरौली परिसर के भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जनरल डायरी यानी जीडी कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, थाना परिसर और महिला बैरक का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें थाने में होने वाले कार्यों और पुलिस की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को पुलिस व्यवस्था से परिचित कराना और कानून एवं सुरक्षा से जुड़े विषयों के प्रति जागरूक बनाना रहा।

महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव की दी जानकारी

कार्यक्रम में छात्राओं के साथ महिलाओं, गांवों की आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने भी सहभागिता की। मिशन शक्ति टीम ने उन्हें महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के महत्व के बारे में बताया। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने तथा साइबर अपराधों से बचने के लिए सतर्क रहने की अपील की गई।

महिलाओं और छात्राओं को बताया गया कि साइबर ठगी की घटनाओं से बचने के लिए अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपनी गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि के प्रति सतर्क रहें। किसी अपराध या परेशानी की स्थिति में बिना भय के



पुलिस से संपर्क करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों से कराया परिचित

मिशन शक्ति टीम ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इनमें विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहित अन्य योजनाएं शामिल रहीं। इसके साथ ही नशा मुक्ति अभियान के प्रति भी जागरूक किया गया।

महिला एवं बालिका सुरक्षा तथा आपातकालीन सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए महिला पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102 और 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में बताया गया। इसके अलावा मिशन शक्ति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीएलएसए, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एसएलएसए और संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई।

पंपलेट वितरित कर सहायता लेने के लिए किया प्रेरित

कार्यक्रम के समापन पर छात्राओं और महिलाओं को जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए। मिशन शक्ति टीम ने उन्हें समझाया कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, अपराध या असुरक्षा की स्थिति में चुप न रहें और बिना किसी भय के पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन से सहायता प्राप्त करें।

मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, आत्मविश्वास और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें उपलब्ध कानूनी सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना रहा।

गंगा बैराज पर आत्महत्या का प्रयास कर रहे व्यक्ति की रामराज पुलिस ने बचाई जान

गेट नंबर 28 पर नदी में कूदने की आशंका के बीच पुलिस टीम ने दिखाई तत्परता, समझाइश के बाद परिजनों को सौंपा

मुजफ्फरनगर। गंगा बैराज पर सोमवार को थाना रामराज पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से आत्महत्या का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति की जान बच गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि गंगा बैराज के गेट नंबर 28 पर एक व्यक्ति खड़ा होकर बार-बार नदी की ओर देख रहा है और उसके गंगा में कूदने की आशंका है। सूचना मिलते ही बैराज चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और व्यक्ति को नदी में छलांग लगाने से पहले ही सुरक्षित पकड़ लिया। आवश्यक समझाइश के बाद उसे सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, सोमवार 19 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11:15 बजे थाना रामराज पुलिस को गंगा बैराज के गेट नंबर 28 पर एक व्यक्ति के संदिग्ध परिस्थितियों में खड़े होने की सूचना मिली। सूचना की गंभीरता को देखते हुए बैराज चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक जागेंद्र सिंह ढिल्लों, मुख्य आरक्षी राजकुमार, मुख्य आरक्षी गौरव और मुख्य आरक्षी विक्रम कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने सतर्कता दिखाते हुए व्यक्ति को गंगा नदी में कूदने से पहले ही सुरक्षित अपने



संरक्षण में ले लिया।

गृह क्लेश के चलते आत्महत्या का प्रयास करने की बात बताई

पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम शिवम पुत्र भोपाल उपाध्याय निवासी बिजली घर, रामराज, थाना बहसूमा, जनपद मेरठ बताया। पुलिस के अनुसार, शिवम ने गृह क्लेश के कारण आत्महत्या करने के इरादे से गंगा नदी में कूदने की बात कही। पुलिसकर्मियों ने उसे समझाया और आवश्यक बातचीत के बाद उसके परिजनों को सूचना देकर उसे सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया।

पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना

घटना के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा दिखाई गई तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की गंगा बैराज के आसपास मौजूद लोगों तथा परिजनों ने सराहना की। समय रहते पुलिस के मौके पर पहुंचने से एक व्यक्ति की जान बच सकी। मुजफ्फरनगर पुलिस की इस कार्रवाई ने आपात स्थिति में त्वरित सूचना और समय पर मदद की अहमियत को सामने रखा। किसी व्यक्ति के संकट में होने की आशंका पर तत्काल सहायता पहुंचाना जीवन बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

ऑपरेशन सवेरा के तहत गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार, 1.60 किलो मादक पदार्थ बरामद

पुलिस के अनुसार बरामद गांजे की कीमत करीब 80 हजार रुपये, न्याजूपुरा-चरथावल रोड पर काली नदी पुल के पास चेकिंग के दौरान हुई कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। जनपद में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा–नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने कथित गांजा तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 1.60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस प्रेस नोट के मुताबिक, अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा तथा कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। काली नदी पुल के पास चेकिंग में पकड़ा गया आरोपी

पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर 2026 को न्याजूपुरा-चरथावल रोड पर काली नदी के पुल के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1.60 किलोग्राम गांजा बरामद होने की जानकारी दी गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान वसीम उर्फ लंगड़ा पुत्र शब्बीर निवासी अमरूद वाली गली, लद्दावाला, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी की



गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आपराधिक इतिहास भी जारी किया

पुलिस प्रेस नोट में आरोपी के खिलाफ पूर्व में दर्ज दो अन्य मुकदमों का भी उल्लेख किया गया है। इनमें कोतवाली नगर में वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मुकदमा संख्या 470/2026 और वर्ष 2025 में आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमा संख्या 376/2025 शामिल हैं।

वहीं, प्रेस नोट में मौजूदा बरामदगी के संबंध में मुकदमा संख्या 341/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना खतौली का उल्लेख किया गया है। इस मुकदमे के थाना संबंधी विवरण की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि कार्रवाई का विवरण कोतवाली नगर पुलिस की ओर से जारी किया गया है। पांच सदस्यीय पुलिस टीम ने की कार्रवाई कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गोविन्द चौधरी, उपनिरीक्षक पवन प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक अभिमन्यु सिंह, कांस्टेबल हर्ष और कांस्टेबल बलदेव शामिल रहे।

पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन सवेरा के तहत नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान जारी है। अभियान का उद्देश्य मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जागरूकता बढ़ाना है।

रामपुरी रामलीला में बाली वध, लंका दहन और लक्ष्मण शक्ति की लीला ने मोहा दर्शकों का मन

रावण-अंगद संवाद और संजीवनी बूटी लाने के प्रसंग का हुआ भावपूर्ण मंचन, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा रामलीला मैदान

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी रामपुरी के तत्वावधान में रामलीला मंचन के दसवें एवं ग्यारहवें दिवस पर बाली वध, लंका दहन, रावण-अंगद संवाद और लक्ष्मण शक्ति की लीला का भव्य एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से रामायण के प्रमुख प्रसंगों को जीवंत कर दिया। मंचन के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शक भावविभोर हो उठे और पूरा रामलीला परिसर प्रभु श्रीराम एवं बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा।

रामलीला मंचन के दौरान वन में माता सीता की खोज करते हुए प्रभु श्रीराम की सुग्रीव से भेंट और मित्रता का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। इसके बाद प्रभु श्रीराम द्वारा बाली वध कर सुग्रीव को किष्किंधा का राज्य दिलाने की लीला का मंचन हुआ। सुग्रीव के राज्याभिषेक के बाद माता सीता की खोज के लिए वानर सेना को विभिन्न दिशाओं में भेजा गया। प्रभु श्रीराम के परम भक्त बजरंगबली समुद्र पार कर लंका पहुंचे, जहां उन्होंने अशोक वाटिका में माता सीता से भेंट कर प्रभु श्रीराम का संदेश दिया। इसके बाद अशोक वाटिका उजाड़ने और रावण की लंका में आग लगाने का रोमांचक दृश्य प्रस्तुत किया गया। लंका दहन के प्रसंग पर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इसके पश्चात प्रभु श्रीराम के पास लौटकर बजरंगबली ने माता जानकी का समाचार सुनाया। लंका तक पहुंचने के लिए नल-नील द्वारा समुद्र पर सेतु निर्माण का प्रसंग दिखाया गया।



प्रभु श्रीराम की ओर से अंगद को दूत बनाकर रावण के दरबार में भेजा गया, जहां अंगद ने रावण को माता सीता को सम्मानपूर्वक लौटाने और प्रभु श्रीराम की शरण में आने की सलाह दी। अहंकार में डूबे रावण ने अंगद की बात मानने से इनकार कर दिया। अंगद और रावण के बीच हुए तीखे संवाद ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। इसके बाद युद्ध के मैदान में मेघनाथ और लक्ष्मण के बीच भीषण युद्ध का मंचन हुआ। मेघनाथ द्वारा शक्ति बाण चलाए जाने से लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए। लक्ष्मण जी की स्थिति देखकर प्रभु श्रीराम व्याकुल हो उठे। सुषेण वैद्य के परामर्श पर बजरंगबली संजीवनी बूटी लाने के लिए द्रोणागिरी पर्वत पहुंचे और संजीवनी लेकर वापस आए। संजीवनी के प्रभाव से लक्ष्मण जी की मूर्छा दूर होने का दृश्य देखकर दर्शक भावुक हो उठे। इस प्रसंग के साथ ही रामलीला परिसर में प्रभु श्रीराम और बजरंगबली की जय-जयकार होने लगी तथा पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के महासचिव राकेश शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, सिल्वरटोन पेपर मिल के निदेशक तिलक राज गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री सचिन सिंघल तथा समाजवादी पार्टी के नेता प्रवेश राणा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने सामूहिक रूप से फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत गणेश वंदना, श्री रामायण जी का पूजन तथा प्रभु श्रीराम की आरती की गई। अतिथियों और श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। रामलीला में प्रभु श्रीराम की भूमिका शिवम त्यागी, लक्ष्मण की भूमिका हर्षित चौरसिया, माता जानकी की भूमिका उदय ठाकुर तथा बजरंगबली की भूमिका शानू उपाध्याय ने निभाई। वहीं रावण की भूमिका में निर्देशक मनीष पाल ने अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

मुजफ्फरनगर के जुजुत्सु में कराटे किंग में जांबाजों का धमाल: अनुज, अयान और आसिम ने जीते गोल्ड, नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स में चयन

सहारनपुर में आयोजित प्रतियोगिता में वीवी मार्शल आर्ट्स के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। नगर के आर्यपुरी स्थित प्रसिद्ध 'वीवी मार्शल आर्ट्स कराटे अकेडमी' के जांबाज खिलाड़ियों ने एक बार फिर जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। सहारनपुर में आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में अकेडमी के तीन खिलाड़ियों ने मार्शल आर्ट की दूसरी विधा 'जुजुत्सु' में अपनी प्रतिभा और तकनीक का लोहा मनवाते हुए नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए स्थान पक्का कर लिया है। खिलाड़ियों के इस दमदार प्रदर्शन और स्वर्ण पदक जीतने पर अकेडमी प्रबंधन और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

सहारनपुर में आयोजित जुजुत्सु प्रतियोगिता में वीवी मार्शल आर्ट्स अकेडमी के तीन खिलाड़ियों–अनुज, अयान और आसिम ने हिस्सा लिया था। आमतौर पर कराटे में महारत हासिल करने वाले इन खिलाड़ियों ने जुजुत्सु कला में भी अपनी आक्रामक और सधे हुए दांव-पेचों से विरोधियों को धूल चटा दी।तीनों ही खिलाड़ियों ने अपने-अपने वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही तीनों खिलाड़ियों ने नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए सीधे तौर पर क्वालीफाई कर यह साबित कर दिया कि मार्शल आर्ट्स की विधा चाहे कोई भी हो, मुजफ्फरनगर के खिलाड़ी किसी से पीछे नहीं रहने वाले हैं। स्वर्ण पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों के सम्मान में आर्यपुरी स्थित अकेडमी परिसर में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस खुशी के अवसर पर कराटे अकेडमी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर शिहान वेदप्रकाश शर्मा एवं मुख्य कराटे प्रशिक्षक सैन्साई अभिषेक शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर और स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन किया।



इस दौरान कोच एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने खिलाड़ियों को मिठाइयां खिलाकर उनकी हौसला अफजाई की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अकेडमी के डायरेक्टर शिहान वेदप्रकाश शर्मा ने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों के कड़े परिश्रम, नियमित अभ्यास और अनुशासन का परिणाम है।

शक्ति क्लब की रामलीला में रावण-अंगद संवाद और लक्ष्मण शक्ति की लीला का भव्य मंचन

मेघनाथ के ब्रह्मास्त्र से मूर्छित हुए लक्ष्मण, हनुमान जी संजीवनी बूटी लाकर बचाए प्राण; कलाकारों के अभिनय ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव में रावण-अंगद संवाद और लक्ष्मण शक्ति की लीला का अत्यंत सुंदर एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय, प्रभावशाली संवादों और जीवंत प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला के दौरान दर्शक देर रात तक मंचन का आनंद लेते रहे और प्रभु श्रीराम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष संजय गर्ग, शलभ गोयल, सुमित गर्ग, नीरज गोयल और सचिन सैनी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इसके उपरांत अतिथियों ने गणेश वंदना, रामायण वंदना तथा प्रभु श्रीराम की वंदना के साथ रामलीला मंचन का विधिवत शुभारंभ किया।

रामलीला मंचन में दिखाया गया कि प्रभु श्रीराम माता सीता को रावण के बंधन से मुक्त कराने तथा युद्ध टालने के उद्देश्य से अंगद जी को दूत बनाकर लंका भेजते हैं। अंगद जी रावण के दरबार में पहुंचकर उसे समझाते हैं कि वह माता सीता को सम्मानपूर्वक प्रभु श्रीराम को लौटा दे और विनाशकारी युद्ध से बच जाए। लेकिन अहंकार में डूबा रावण उनकी बात मानने से इनकार कर देता है। इसके बाद अंगद जी रावण को युद्ध के परिणामों से अवगत कराते हुए चुनौती देते हैं। रावण और अंगद के बीच हुए तीखे संवाद ने दर्शकों में विशेष उत्साह पैदा किया।

इसके बाद भगवान श्रीराम की सेना और रावण की सेना के बीच युद्ध का दृश्य प्रस्तुत किया गया। मेघनाथ और लक्ष्मण जी के बीच भीषण युद्ध हुआ। युद्ध के दौरान मेघनाथ ने ब्रह्मास्त्र का आह्वान कर लक्ष्मण जी पर शक्ति प्रहार किया, जिससे लक्ष्मण जी मूर्छित होकर भूमि पर गिर पड़े। लक्ष्मण जी को मूर्छित देखकर प्रभु श्रीराम व्याकुल हो उठे और पूरे शिविर में शोक छा गया। तत्पश्चात हनुमान जी द्वारा संजीवनी बूटी लाने का प्रसंग मंचित किया गया। हनुमान जी द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लेकर पहुंचे। संजीवनी के प्रयोग से लक्ष्मण जी की मूर्छा दूर हुई तो दर्शकों ने जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से पूरा रामलीला परिसर गुंजायमान कर दिया। इन दृश्यों का दर्शकों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया।



कलाकारों ने अभिनय से बांधा समां

रामलीला में प्रभु श्रीराम की भूमिका सौरभ, लक्ष्मण की भूमिका वैभव, हनुमान जी की भूमिका अखिलेश पाल, रावण की भूमिका अमरेश पांडे, मेघनाथ की भूमिका वंश कश्यप, अंगद की भूमिका नवनीत वर्मा तथा भरत की भूमिका शुभम अरोरा ने निभाई। सभी कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। रामलीला का सफल निर्देशन प्रणव शर्मा और गुरु विजेंद्र जी ने किया। वहीं रामायण वाचक दुर्गेश पाल ने रामायण की चौपाइयों का सुंदर गायन कर मंचन को और अधिक भावपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शक्ति क्लब के अध्यक्ष पवन पाल, सचिव संजीव दीक्षित, कोषाध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह एडवोकेट, मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक, संयोजक नीरज शर्मा, सतेंद्र पंवार, अमरीश त्यागी, सुनील कपिल, उपाध्यक्ष रविकांत सभासद, नितिन विजेंद्र पाल, उपसचिव राजीव अरोरा, नितिन अरोरा, महीपाल, रिंकू कटारिया, सुशील पाल तथा सदस्य हर्षित सिंघल, शुभम सैन, जॉनी पाल, राकेश पांचाल, शिवकुमार, अक्षय पाल, अभिषेक शर्मा और उज्ज्वल शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने सराहनीय योगदान दिया।

रामलीला महोत्सव के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में कच्ची सड़क पुलिस चौकी प्रभारी की टीम का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। आयोजन स्थल पर चार महिला पुलिसकर्मियों और छह पुरुष पुलिसकर्मियों की टीम लगातार ड्यूटी पर तैनात रही। पुलिस की मुस्तैदी और आयोजकों की व्यवस्थाओं के चलते रामलीला का कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

शक्ति क्लब के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, कलाकारों, सदस्यों, पुलिसकर्मियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

कथाव्यास बृजेश पाठक महाराज को शॉल ओढ़ाकर और गीता भेंट कर किया सम्मानित

रामकथा में काम, क्रोध, लोभ और मोह पर नियंत्रण को बताया सतत साधना, श्रद्धालुओं ने किया अष्टादश श्लोकी गीता पाठ

मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की ओर से शामली रोड स्थित सत्संग भवन में आयोजित रामकथा के दौरान कथाव्यास बृजेश पाठक महाराज को शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कथाव्यास ने श्रद्धालुओं को जीवन में काम, क्रोध, लोभ और मोह पर नियंत्रण रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इन विकारों पर विजय प्राप्त करना एक सतत साधना है। कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव से ओतप्रोत नजर आए।

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि परिवार की ओर से कथाव्यास बृजेश पाठक महाराज का सम्मान किया गया। रामकथा के दौरान महाराज ने आध्यात्मिक विचारों के माध्यम से जीवन में संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मनुष्य को अपने विचारों और व्यवहार पर नियंत्रण रखते हुए आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। काम, क्रोध, लोभ और मोह जैसे विकारों पर नियंत्रण के लिए निरंतर साधना, सत्संग और सद्विचार आवश्यक हैं। कार्यक्रम के दौरान अतुल कुमार गर्ग ने उपस्थित श्रद्धालुओं से अष्टादश श्लोकी गीता का पाठ कराया। रामबीर सिंह ने श्रद्धालुओं को अष्टादश श्लोकी गीता पाठ के पत्रक वितरित किए, जिससे अधिक से अधिक लोग गीता के श्लोकों का नियमित पाठ कर सकें और उनके आध्यात्मिक संदेश को अपने जीवन में आत्मसात कर सकें।



सत्संग भवन में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी होतीलाल शर्मा, श्यामलाल बंसल, ताराचंद वर्मा, एडवोकेट अमर कांत गुप्ता, अतुल गर्ग, रामबीर सिंह, राजेश वर्मा, सुभाष गर्ग, सोनिया सिंह, विमल प्रताप, महेंद्र रावत और ब्रजमोहन शर्मा सहित श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के बड़ी संख्या में सदस्य तथा मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

इसके उपरांत रामकथा को विश्राम दिया गया।

किसानों पर कथित फर्जी मुकदमों के विरोध में 3 नवंबर को लखनऊ कूच करेगी भाकियू तोमर

4 नवंबर को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष कार्यालय पर होगी पंचायत, राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने किया ऐलान

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन तोमर किसानों पर कथित फर्जी मुकदमे दर्ज किए जाने के विरोध में आंदोलन की तैयारी में जुट गई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने लखनऊ में पंचायत करने का ऐलान करते हुए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की है। संगठन 3 नवंबर को नौचंदी ट्रेन से लखनऊ के लिए कूच करेगा, जबकि 4 नवंबर को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष कार्यालय, 17 महाराणा प्रताप मार्ग, लखनऊ पर पंचायत आयोजित की जाएगी। संगठन का कहना है कि किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमों के विरोध में यह कदम उठाया जा रहा है और जब तक किसानों को न्याय नहीं मिलता, तब तक उनकी आवाज उठाई जाती रहेगी।

लखनऊ पंचायत की तैयारियों को लेकर भारतीय किसान यूनियन तोमर के राष्ट्रीय कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने सभी से गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने और लखनऊ कूच को सफल बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाने का आह्वान किया।



बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने आरोप लगाया कि बिजनौर में रेंजर महेश गौतम द्वारा किसानों के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिजनौर कोतवाली पुलिस ने बिना उचित जांच के गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर किसानों को जेल भेज दिया। संगठन ने इन कार्रवाई को किसानों के साथ अन्याय बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि किसानों के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई से संगठन में भारी रोष है। किसानों को न्याय दिलाने और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर लखनऊ में पंचायत की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लखनऊ कूच की तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की टोपी, बिल्ला, लाठी और झंडे के साथ पहुंचने की अपील की। साथ ही गांव-गांव में किसानों से संपर्क कर संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने की तैयारी करने को कहा।

उन्होंने कहा कि आंदोलन को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भागीदारी जरूरी है। बैठक में मौजूद संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी लखनऊ पंचायत में मजबूती के साथ शामिल होने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी, युवा विंग के पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष अंकित गुर्जर, कार्यकारिणी प्रदेश प्रभारी अजय त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष आशु चौधरी, इसराइल, संजय त्यागी, सुलेमान, अरशद, साजिद और नौशाद सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। भारतीय किसान यूनियन तोमर ने 3 नवंबर को लखनऊ कूच और 4 नवंबर को पंचायत के माध्यम से किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी की है। अब संगठन की नजर इस बात पर है कि पंचायत के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमों के मामले में संबंधित अधिकारियों के समक्ष क्या मांगें रखी जाती हैं और उन पर क्या कार्रवाई होती है।

नई मंडी रामलीला में थ्री-डी इफेक्ट्स के साथ हुआ लंका दहन का भव्य मंचन

सुग्रीव मित्रता, बाली वध और हनुमान जी की शक्ति स्मरण लीला ने मोहा मन, सोने की लंका जलते देख रोमांचित हुए दर्शक

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी नई मंडी मुजफ्फरनगर के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित रामलीला महोत्सव में बीती रात वृंदावन से आए कलाकारों ने एलईडी स्क्रीन पर थ्री-डी इफेक्ट्स का प्रयोग करते हुए सुग्रीव मित्रता, बाली वध, जामवंत द्वारा हनुमान जी को उनकी शक्तियों का स्मरण कराने, दशानन द्वारा माता सीता को धमकी देने, अशोक वाटिका उजाड़ने तथा लंका दहन की लीलाओं का मनोहारी मंचन किया। आधुनिक तकनीक और कलाकारों के शानदार अभिनय ने रामलीला को भव्य रूप प्रदान किया। विशेष रूप से अशोक वाटिका उजाड़ने और सोने की लंका में आग लगाने के दृश्य देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे।

रामलीला मैदान में मौजूद सैकड़ों बच्चों, महिलाओं और श्रद्धालुओं ने विभिन्न प्रसंगों के दौरान जय श्रीराम के गगनभेदी नारे लगाए। पूरा मैदान भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। थ्री-डी इफेक्ट्स के माध्यम से लंका दहन का दृश्य इतना जीवंत दिखाई दिया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजेश गोयल किरण सिटी, अनुराग सिंघल दून वैली पब्लिक स्कूल, पराग गोयल श्री राम कुमार ज्वेलर्स तथा पूर्व सभासद दीपक गोयल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद वृंदावन से आए कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन कर दर्शकों को धर्म, मर्यादा, मित्रता और साहस का संदेश दिया।



सुग्रीव मित्रता और बाली वध से दिया धर्म स्थापना का संदेश

सुग्रीव मित्रता और बाली वध के प्रसंग में दिखाया गया कि किस प्रकार भगवान श्रीराम ने सुग्रीव से मित्रता कर उन्हें न्याय दिलाने का संकल्प लिया। इसके बाद धर्म की स्थापना और अन्याय के अंत से जुड़े प्रसंग का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से मित्रता, विश्वास और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

इसके बाद अशोक वाटिका में रावण द्वारा माता सीता को डराने-धमकाने का दृश्य प्रस्तुत किया गया। दशानन ने अपनी शक्ति और भय का प्रदर्शन करते हुए माता सीता को विचलित करने का प्रयास किया, लेकिन माता सीता अपने धर्म, मर्यादा और प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा पर दृढ़ रहीं। इस प्रसंग ने दर्शकों को विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने की प्रेरणा दी।

जामवंत ने कराया हनुमान जी को शक्तियों का स्मरण

रामलीला का सबसे प्रेरणादायक प्रसंग वह रहा, जब जामवंत जी ने हनुमान जी को उनकी भूली हुई शक्तियों का स्मरण कराया। रामचरितमानस की चौपाई–

ह्लकहु रीछपति सुनु हनुमाना। का चुप साधि रहेहु बलवाना॥

पवन तनय बल पवन समाना। बुधि बिबेक बिग्यान निधाना॥ह्व

के माध्यम से हनुमान जी की असीम शक्ति, बुद्धि, विवेक और पराक्रम का वर्णन किया गया। इस प्रसंग ने दर्शकों को संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर अपार क्षमताएं छिपी होती हैं। आवश्यकता केवल अपनी शक्ति को पहचानने और सही मार्गदर्शन प्राप्त करने की होती है। जामवंत की भूमिका इसी मार्गदर्शन और आत्मविश्वास का प्रतीक बनकर सामने आई।

अशोक वाटिका उजाड़ने और लंका दहन ने बांधा समां

माता सीता की खोज के दौरान हनुमान जी द्वारा अशोक वाटिका उजाड़ने और रावण की लंका में आग लगाने के दृश्यों का कलाकारों ने शानदार मंचन किया। एलईडी स्क्रीन पर थ्री-डी इफेक्ट्स के साथ प्रस्तुत लंका दहन का दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

शिवसेना जिला प्रमुख मुकेश त्यागी ने घोषित की जिला कार्यकारिणी

नए पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी, प्रत्येक पदाधिकारी को 50 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य

मुजफ्फरनगर। शिवसेना ने जनपद में संगठन विस्तार की मुहिम को तेज करते हुए जिला कार्यकारिणी में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। सोमवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित बैठक में शिवसेना के जिला प्रमुख मुकेश त्यागी ने नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और सदस्यता अभियान को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने प्रत्येक जिला पदाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्र में कम से कम 50 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया। साथ ही दशहरा पर्व के अवसर पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा भी की। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रमुख मुकेश त्यागी ने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके सक्रिय कार्यकर्ताओं और मजबूत जनाधार पर निर्भर करती है। इसलिए सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाएं और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ें। उन्होंने



सदस्यता अभियान को प्रभावी बनाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की इकाइयों का गठन करने पर भी जोर दिया। जिला प्रमुख मुकेश त्यागी ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए अवध विहार निवासी देवेंद्र चौहान को जिला महासचिव नियुक्त किया। मोती महल निवासी संजीव वर्मा और बामनहेड़ी गांव निवासी विकास पुंडीर को जिला उपप्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई। राजपुर गढ़ी निवासी संजय आर्य को जिला संगठन मंत्री नियुक्त किया गया।

इसके अलावा इंदिरा कॉलोनी निवासी ठाकुर नरेंद्र कुमार, भारतीय कॉलोनी निवासी मंगतराम सोनकर, बोपाड़ा गांव निवासी ब्रजपाल कश्यप, बसना गांव निवासी नितिन चौधरी तथा भोपा निवासी अरविंद प्रजापति को जिला सचिव नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मुकेश त्यागी ने कहा कि सभी पदाधिकारी संगठन की नीतियों और उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। प्रत्येक पदाधिकारी अपने क्षेत्र में कम से कम 50 नए सदस्यों को जोड़ने के लक्ष्य को गंभीरता से पूरा करे।

मोरना के यूसुफपुर में रोहन राठी हत्याकांड पर महापंचायत: सीबीआई जांच की मांग, एसएसपी दफ्तर का घेरने की चेतावनी

पुलिस जांच पर उठाए गंभीर सवाल,अनिश्चितकालीन आंदोलन का अल्टीमेटम

मोरना(मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव यूसुफपुर में बहुचर्चित रोहन राठी हत्याकांड को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार शाम गांव में आयोजित एक आकस्मिक पंचायत में ग्रामीणों ने एकत्र होकर पुलिस की अब तक की कार्रवाई पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि पीड़ित परिवार को जल्द निष्पक्ष न्याय नहीं मिला, तो आगामी 21 अक्टूबर को जिला मुख्यालय स्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना व महापंचायत शुरू की जाएगी।

सीबीआई जांच की उठी जोरदार मांग सोमवार शाम यूसुफपुर स्थित युवा नेता अंकित खोखर के आवास पर ग्रामीणों की पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत को संबोधित करते हुए सत्यवीर सहरावत ने कहा कि रोहन राठी हत्याकांड बेहद दर्दनाक व गंभीर मामला है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना पूरे क्षेत्र का नैतिक दायित्व है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से मांग की कि इस पूरे हत्याकांड की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि वारदात के पीछे छिपे वास्तविक दोषियों और साजिशकताओं का पदार्फाश हो सके। उन्होंने ग्रामीणों से 21 अक्टूबर को अधिक से अधिक संख्या में मुजफ्फरनगर एसएसपी दफ्तर पहुंचने की अपील की।



24 घंटे में खुलासा महज खानापूर्ति

पंचायत में बोलते हुए युवा नेता अंकित खोखर ने पुलिस की जल्दबाजी और कार्यशैली पर कड़े सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने वारदात के महज 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करने का दावा करके अपनी पीठ थपथपाने का काम किया है, जबकि वास्तविक दोषी अभी भी खुले घूम रहे हैं। अंकित खोखर ने स्पष्ट किया कि पुलिस मामले की निष्पक्षता से जांच करे और असली आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजे, न कि जल्दबाजी में निदोर्षों पर कार्रवाई करके मामले की इतिश्री करे।

आर-पार की लड़ाई के मूड में दिखे ग्रामीण

पंचायत में क्षेत्र के कई गांवों से पहुंचे गणमान्य नागरिकों और युवाओं ने पीड़ित परिवार के साथ पूरी एकजुटता दिखाई। निर्णय लिया गया कि जब तक मामले का निष्पक्ष निस्तारण नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान मुख्य रूप से रविंद्र दीवान, गुड्डू नेता, प्रवीण, प्रदीप, लाल्ला, मोनू, रियाज अल्वी, अमित सहरावत, नीलू, मुकेश राठी, संजय सहरावत समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों की इस चेतावनी के बाद जिला पुलिस-प्रशासन में हलचल बढ़ गई है।



शुभ फल देते हैं दशहरा के उपाय

आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी का बहुत ही खास महत्व रहता है। इस दिन दशहरा और विजयादशी का पर्व मनाया जाता है। कई लोग इस दिन साधना करते हैं और कई लोग इस दिन ज्योतिष के उपाय करके अपने जीवन को संकटों से उभारते हैं।

दशहरा को विजय दशमी भी कहते हैं। इसी कारण से ज्योतिष में ऐसा बताया गया है कि इस दिन कुछ सरल छोटे-छोटे उपाय करने से हर कम में जीत हासिल की जा सकती है। दशहरा इस साल 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

नौकरी के लिए

नौकरी में परेशानी हो तो दशहरे के दिन माता का पूजन कर उन पर 10 फल चढ़ाकर गरीबों में बाटें।

कारोबार के लिए

कारोबार में लगातार घाटा हो रहा हो तो दशहरे के दिन एक नारियल सवा मीटर पीले वस्त्र में लपेटकर एक जोड़ा जनेऊ, सवा पाव मिष्ठान्न के साथ आस-पास के किसी भी राम मंदिर में चढ़ा दें। लाभ मिलेगा।

हर क्षेत्र में विजयी होने के लिए

देवी पर सामग्री चढ़ाते समय ऊँ विजयायै नमः का जाप करें। ये उपाय मध्याह्न शुभ मुहूर्त में करें। निश्चित ही हर क्षेत्र में विजय मिलेगी।

कोर्ट-कचहरी से मुक्ति के लिए

दशहरे के दिन शमी के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से सभी तरह के कोर्ट केस से मुक्ति मिलती है। शमी के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

सेहत के लिए

बीमारी या संकट हटाने के लिए एक साबूत पानीदार नारियल लें और उसे अपने उपर से 21 बार वारकर किसी रावण दहन की आग में डाल दें। ऐसा घर के सभी सदस्यों के उपर से वारकर करेंगे तो उत्तम होगा।

धन-समृद्धि के लिए

दशहरे के दिन शाम को माता लक्ष्मी का ध्यान करते हुए मंदिर में झाड़ू दान करने से धन और समृद्धि बढ़ती है।

आर्थिक उन्नति के लिए

दशहरे के दिन से लेकर लगातार 43 दिनों तक कुत्ते को प्रतिदिन बेसन के लड्डू खिलाएं। इससे आपकी धन संबंधित समस्याएं दूर होंगी।

संकट से मुक्ति के लिए

दशहरे पर सुंदरकांड की कथा कराने से सभी रोग और मानसिक परेशानियां दूर हो जाती है।

शुभता के लिए

मान्यताओं अनुसार दशहरे पर रावण दहन के बाद गुप्त दान करना बेहद शुभ माना गया है।

सकारात्मक ऊर्जा के लिए

दशहरे के दिन एक फिटकरी के टुकड़े को सभी घर के सदस्यों पर से वार कर उसे छत या सुनसान जगह पर खुद से पीछे की ओर अपने इष्टदेव का ध्यान करते हुए फेंक दें। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की हर प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

शुभता और विजय के लिए

श्रीराम ने रावण का वध करने के पूर्व नीलकंठ को देखा था। नीलकंठ को शिवजी का रूप माना जाता है। अतः दशहरे के दिन इसे देखना बहुत ही शुभ होता है।



दशहरा पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं?

दशहरा के दिन भगवान श्री राम की पूजा की जाती है। वहीं, पश्चिम बंगाल की ओर इस दिन मां दुर्गा की पूजा का विधान है। इसके अलावा, ज्योतिष शास्त्र में ऐसा बताया गया है कि दशहरा के दिन दसों दिशाएं खुली होती हैं।

दशहरा इस साल 20 अक्टूबर को पड़ रहा है। दशहरा के दिन भगवान श्री राम की पूजा की जाती है। वहीं, पश्चिम बंगाल की ओर इस दिन मां दुर्गा की पूजा का विधान है। इसके अलावा, ज्योतिष शास्त्र में ऐसा बताया गया है कि दशहरा के दिन दसों दिशाएं खुली होती हैं। ऐसे में इस दिन कुछ चीजें जरूर करनी चाहिए तो वहीं, कुछ कामों को करने से बचना चाहिए।

दशहरा के दिन क्या करें

- दशहरा के दिन अपने इष्ट देवी-देवताओं की पूजा अवश्य करें और पूजा के दौरान उन्हें अपराजिता के फूल या फिर शमी की पत्तियां अवश्य चढ़ाएं।
- दशहरा के दिन रावण दहन देखने अवश्य जाएं। ऐसा माना जाता है कि रावण दहन देखने से व्यक्ति के भीतर की नकारात्मकता कम होने लगती है।
- दशहरा के दिन रावण दहन के बाद उसकी राख या लकड़ी घर में लेकर अवश्य आएं क्योंकि श्री राम की ऊर्जा से परिपूर्ण मानी जाती हैं ये चीजें।
- दशहरा के दिन अगर आपके घर में कोई औजार रखे हैं तो उनकी पूजा अवश्य करें। अस्त्र-शास्त्रों की पूजा करना भी इस दिन बहुत शुभ मानते हैं।
- दशहरा के दिन आपके घर में मौजूद विद्या से जुड़ी चीजें जैसे कि कॉपी-किताब आदि की पूजा भी करनी चाहिए। इससे ज्ञान की प्राप्ति होती है।
- दशहरा के दिन झाड़ू का दान करना चाहिए। इससे घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगता है और मां लक्ष्मी की कृपा बरसनी शुरू हो जाती है।

नौटंकी और तमाशा में जमीन-आसमान का अंतर!

एक शुरू हुआ पंजाबी प्रेम कहानी से, तो दूसरा सैनिकों के मनोरंजन से

नई दिल्ली। हमारी आम बोलचाल की भाषा में ऐसे कई शब्द शामिल हैं, जिनका अपना समृद्ध इतिहास है। आपने लोगों को कहते सुना होगा कि ह्यतमाशा मत करोह्ल या ह्ययह क्या नौटंकी हैह्ल! पर कभी सोचा है कि इन दो शब्दों का अपना एक अलग इतिहास है? क्या आप जानते हैं कि एक जैसे दिखने वाले नौटंकी और तमाशा शब्द का संबंध कला से है और इन दोनों का मतलब भी अलग है? आइए आपको इन दोनों से जुड़ी दिलचस्प बातें बताते हैं।

नौटंकी क्या है?

हम जिसे बातों ही बातों में नौटंकी कह दिया करते हैं, यह एक रंगमंच यानी फोक थिएटर है। इसका संबंध उत्तर प्रदेश और बिहार राज्य से है। नौटंकी की खासियत यह है कि इसे खुले मैदान में आयोजित किया जाता है। इसमें नाटक के साथ ही संगीत, नृत्य और संवाद का खास मेल होता है। यह मेलोड्रामा इतना जबरदस्त



होता है कि कोई भी अगर इसे शाम को देखना शुरू करे, तो सुबह कब होगी पता ही नहीं चलेगा। पंजाबी प्रेम कथा से हुई थी इसकी शुरूआत यह बात बहुत अटपटी जरूर लग सकती है, लेकिन यूपी और बिहार में देखी जाने वाल नौटंकी पंजाबी प्रेम कथा के बाद लोगों की नजर में आई। इसकी कहानी कुछ ऐसी है कि पहले 'स्वांग' नामक लोक कला अखाड़ों में खूब पसंद किया जाता था। फिर 1890 के दशक में इंदरमन के हाथरस अखाड़े ने नत्थाराम गौड़ नाम जैसे कई कलाकारों को ट्रेनिंग देनी शुरू की इन कलाकारों की मंडली ने 'शहजादी' या 'रानी नौटंकी' नाम की पंजाबी प्रेम कथा पर आधारित ऐसा नाटक निकाला कि इसके खूब चर्चे हुए। कहते हैं उसके बाद से ही अखाड़ों में दिखाए जाने वाले नाटकों को यहां नौटंकी कहा जाने लगा।

तमाशा क्या है?

हम लोगों से तमाशा शब्द भी बहुत सुनते हैं, जो कि महाराष्ट्र का रंगमंच है। इस फोक थिएटर की खूबी यह है कि इसमें मराठी लोकसंस्कृति की झलक देखने को मिलती है। इस लोक नाटक में लावणी जैसे नृत्य, दोहरे मतलब वाले संवाद और तीखे व्यंग्य बड़ी ही खूबसूरती से पेश किये जाते हैं।

सैनिकों के मनोरंजन के लिए शुरू हुआ था तमाशा

तमाशा शब्द तो अरबी भाषा से निकला है, लेकिन 16वीं शताब्दी में युद्ध के मैदानों में सैनिकों का मनोरंजन करने के लिए यह नाटक किया जाता था। गोंधल, दशावतार और वाघ्या मुरली जैसी लोक परंपराएं इस रंगमंच का हिस्सा हैं। कहा जाता है कि तमाशा कला को पेशवाओं के दौर में सरंक्षण मिला और इसी दौरान यह कला खूब **फली-फूली।**

दोनों लोकनाटकों में क्या फर्क है? तमाशा और नौटंकी दोनों रंगमंच में सबसे बड़ा फर्क संस्कृति का है, जिसकी झलक वेशभूषा, भाषा और नृत्य में ददेखी जा सकती है। एक यूपी और बिहार से निकली कला है, तो दूसरी महाराष्ट्र से। वहीं, दूसरा सबसे बड़ा अंतर इसकी विषय वस्तु है क्योंकि नौटंकी प्रेम कहानियों पर आधारित है, जबकि तमाशा कामुकता और डबल मीनिंग वाले डायलॉग्स पर।

फिर तीसरा अंतर इनकी शैलियों और प्रस्तुती किये जाने के तौर-तरीकों का भी है। नौटंकी की दो शैलियां हैं एक हाथरासी और दूसरी कानपुरी। वहीं, तमाशा की संगीत बारी और ढोलक बारी शैली है।



महर्षि नगर की रामलीला में विभीषण की शरणागति, रामेश्वर स्थापना और लक्ष्मण शक्ति प्रसंग का भावपूर्ण मंचन

नोएडा। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नोएडा के सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव में शुक्रवार को भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला में विभीषण की शरणागति, रामेश्वर स्थापना, अंगद-रावण संवाद तथा लक्ष्मण शक्ति और कालनेमि संवाद के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इन प्रसंगों के माध्यम से भक्ति, साहस, त्याग, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर अडिग रहने का संदेश दिया गया।

रामलीला में विभीषण की शरणागति के प्रसंग में दिखाया गया कि रावण द्वारा सीता माता को वापस लौटाने की सलाह न मानने पर विभीषण लंका छोड़कर भगवान श्रीराम की शरण में आ जाते हैं। भगवान श्रीराम उन्हें स्वीकार करते हैं। यह प्रसंग संदेश देता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से शरण में आता है, उसकी रक्षा करना धर्म का महत्वपूर्ण आदर्श है।

रामेश्वर स्थापना के प्रसंग में भगवान श्रीराम द्वारा भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति प्रकट करने का दृश्य प्रस्तुत किया गया। वहीं, अंगद-रावण संवाद में अंगद ने रावण की सभा में निर्भीकता के साथ भगवान श्रीराम का संदेश रखा और उसे माता सीता को सम्मानपूर्वक लौटाने की सलाह दी। इस प्रसंग में अंगद के आत्मविश्वास, साहस और धर्म के प्रति दृढ़ता को दर्शाया गया।



लक्ष्मण शक्ति का प्रसंग रामलीला के प्रमुख आकर्षणों में रहा। युद्ध के दौरान रावण के पुत्र मेघनाद के शक्तिशाली अस्त्र से लक्ष्मण घायल होकर मूर्छित हो जाते हैं। अपने प्रिय अनुज लक्ष्मण की यह दशा देखकर भगवान श्रीराम अत्यंत व्याकुल हो उठते हैं। पूरे रामदल में चिंता छा जाती है। वैद्य के परामर्श पर लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने की आवश्यकता बताई जाती है। इसके बाद हनुमान जी संजीवनी बूटी लाने के लिए पर्वत की ओर प्रस्थान करते हैं। बूटी की पहचान नहीं कर पाने पर वे पूरा पर्वत ही उठाकर ले आते हैं। संजीवनी बूटी से लक्ष्मण के प्राण बच जाते हैं और रामदल में प्रसन्नता लौट आती है।

यह प्रसंग भाई के प्रति प्रेम, संकट के समय धैर्य और दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए समर्पण का प्रेरक संदेश देता है। हनुमान जी का अदम्य साहस और सेवाभाव यह सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी विश्वास, निष्ठा और निरंतर प्रयास से रास्ता निकाला जा सकता है। इसके साथ ही कालनेमि प्रसंग में हनुमान जी को उनके लक्ष्य से भटकाने के प्रयास को दिखाया गया, लेकिन वे अपनी सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा से बाधाओं को पार करते हुए अपने उद्देश्य की ओर बढ़ते हैं।

महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन मां दुर्गा की पूजा-अर्चना, वेदपाठ, भजन-कीर्तन, प्रवचन और आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सुबह के वैदिक अनुष्ठानों से लेकर शाम के भक्ति संगीत तक, महर्षि नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन कार्यक्रमों में शामिल होकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त कर रहे हैं।

ए के लाल मीडिया प्रभारी ने बताया कि आयोजकों के अनुसार, दुर्गा पूजा, विजयादशमी एवं श्रीरामलीला महोत्सव का उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। रामलीला के माध्यम से नई पीढ़ी को सत्य, त्याग, सेवा, कर्तव्य, मर्यादा और पारिवारिक मूल्यों की सीख देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना का प्रसार भी करते हैं।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमान अजय प्रकाश श्रीवास्तव तथा श्री राहुल भारद्वाज श्री आलोक प्रकाश श्रीवास्तव श्री अशोक श्रीवास्तव,श्री संजय सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

श्री दुर्गा पूजा, विजया दशमी एवं रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान शिशिर श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

व्यापारियों के हित में सदैव खड़ा रहेगा उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल : नरेश कुच्छल

नोएडा। उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल व अन्य व्यापारिक संगठनों के कड़े विरोध के बाद, 15 अक्टूबर 2026 से लागू होने वाले 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई (यूपीआई) लेनदेन पर प्रस्तावित एमडीआर (एमडीआर-मर्चेंट डिस्काउंट रेट) शुल्क को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इसका व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा के चेयरमैन नरेश कुच्छल ने स्वागत किया है।

इस बाबत एक वक्तव्य में श्री कुच्छल ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लगाने का प्रस्ताव था। इसके विरोध में व्यापारी लामबंद होकर कड़ा विरोध किया और ज्ञापन भी दिया।

यूपीआई चार्ज के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने उत्तरप्रदेश के सभी जिलों से 8 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष



गोयल को विरोध पत्र भेजे थे। व्यापारियों की मांग को उचित मानते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इसे स्थगित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी के माध्यम से व्यापारियों ने पिछले वर्ष 22.27 लाख करोड़ कर भारत सरकार को दिया है। इसके अलावा व्यापारी आयकर, टीडीएस, मंडी शुल्क एवं अन्य प्रकार के कई टैक्स सरकार को दे रहा है। इस कारण से नया टैक्स लगाने की आवश्यकता नहीं है। यदि यह टैक्स पुनः लगाया गया तो उत्तर प्रदेश का व्यापारी समाज आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

दुर्गा पूजा में संध्या आरती, गीत-संगीत और धुनुच नृत्य ने बांधा समां

नोएडा। शहर में सोमवार को दुर्गा पूजा पंडालों में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ बंगाल की पारंपरिक संस्कृतिक की झलक देखने को मिली। कहीं संध्या आरती और धुनुच नृत्य हुआ, तो कहीं गीत-संगीत, कहीं हुए तबला वादन और नृत्य प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। शहर में विभिन्न पूजा समितियों द्वारा पारंपरिक विधि-विधान से मां दुर्गा की आरती की गई। इस उपलक्ष्य में सभी जगहों पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पंडालों में परिवारों ने मां दुर्गा के दर्शन किए और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। सेक्टर-26 स्थित कालीबाड़ी में संध्या आरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, इसके बाद गीत प्रतियोगिता और नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पंडाल में इंडियन आइडल सीजन-15 के उपविजेता रहे सुभोजीत चक्रवर्ती ने अपनी गायकी से समा बांधा। इसके अलावा कार्यक्रम में सिल्पांजलि के तहत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुई। साथ ही सेक्टर-62 स्थित सर्बोजनिन दुर्गा पूजा समिति द्वारा हो रही दुर्गा पूजा के पंडाल में सुरबहार, कविता पाठ प्रतियोगिता, तबला वादन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां बंगाल परंपरा के अनुसार आरती और धुनुच नृत्य भी किया गया। धुनुच नृत्य के दौरान कलाकारों ने पांरपरिक अंदाज में मां दुर्गा की आराधना की। जिससे पंडाल में उत्सव का माहौल बना रहा। वहीं सेक्टर-120 स्थित प्रतीक लॉरियल सोसाइटी में पूर्वाह्नों दुर्गा पूजा समिति द्वारा चल रही दुर्गा पूजा में सुबह पूजा-अर्चना के बाद सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दर्शन किए और कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा शहर के अन्य दुर्गा पूजा पंडालों में भी पूजा-अर्चना, आरती, भोग और प्रसाद वितरण के सात उत्सव मनाया गया। बंगाल की दुर्गा पूजा में संध्या आरती, धुनुच नृत्य, ढाक की थाप, पुष्पांजलि और भोग का विशेष माना जाता है। नोएडा के पंडालों में भी इन परंपराओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को बंगाल की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिला। दुर्गा पूजा समितियों के आयोजनों में धार्मिक आस्था के साथ संगीत, कला और सामुदायिक भागीदारी का संगम देखने को मिल रहा है।

अंतवाड़ा में गुर्जर महासभा के अभिनंदन समारोह में 27 अक्टूबर को दिल्ली पहुंचने का आह्वान

खतौली। अंतवाड़ा में रमेश भाटी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के अभिनंदन समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 35 गांवों के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। वक्ताओं ने शिक्षा, संस्कार, रोजगार और सामाजिक एकजुटता पर जोर देते हुए आगामी 27 अक्टूबर को दिल्ली में सरदार पटेल जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित गुर्जर स्वाभिमान रैली में पहुंचने का आह्वान किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, केपी सिंह कसाना, जगबीर दौला, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौहान, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी और शशांक भाटी सहित अन्य प्रमुख लोगों ने शिरकत की। आयोजक समिति एवं समाज के लोगों ने अतिथियों को सम्मान की पगड़ी पहनाकर, पुष्पमालाओं और पुष्पवर्षा के साथ आत्मीय



स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी भुंडिया सिंह ने की तथा संचालन एडवोकेट राजवीर सिंह ने किया। वक्ताओं ने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज, विजय सिंह पथिक, कोतवाल धन सिंह गुर्जर और जोधराज पवार सहित समाज के महापुरुषों की गौरवगाथाओं का उल्लेख करते हुए उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। हरेंद्र नागर एवं बलराम बैसला ने देशभक्ति और स्वागत गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों में उत्साह भर दिया।

वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अच्छे संस्कार देना तथा युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने बुजुर्गों के आशीर्वाद और युवाओं के जोश के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने 'जीवन का एक दिन समाज के नाम' का संकल्प लेते हुए 27 अक्टूबर को दिल्ली पहुंचकर गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया। समारोह में 'चलो दिल्ली' का आह्वान किया गया। इस अवसर पर राजकुमार भगतजी, अभिषेक चौधरी, कपिल मोटला, योगेश चौधरी, रमकेश सभासद, महाराज सिंह, प्रदीप गुर्जर, कमल गुर्जर, सुशील गुर्जर, मोहित प्रधान, रविंद्र ठेकेदार, जितेंद्र नेताजी, शक्ति सिंह और अमरेश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गोल्फ सिटी प्लॉट-8 के बच्चों एवं निवासियों ने किया रामायण का भव्य मंचन

नोएडा। गोल्फ सिटी,प्लॉट-8 के बच्चों एवं निवासियों द्वारा सोसाइटी के श्री शिव मंदिर समिति द्वारा आयोजित श्रीदुर्गापूजा महोत्सव में रामायण का भव्य एवं भावपूर्ण मंचन किया गया।भगवान श्रीराम के जीवन,आदर्शों, त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और धर्म की विजय पर आधारित इस धार्मिक आयोजन ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।रामायण के विभिन्न प्रसंगों के सजीव मंचन को देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे।

कार्यक्रम में कथावाचक रिद्धिमा,राशि,विष्णु आरव ,छोटा राम अन्वित,लक्ष्मी आध्या,नारद सिद्धार्थ,गुरुविश्वामित्र आदि ,गुरु वशिष्ठ दर्श,राजा दशरथ रुचिका,माता कौशल्या शिवा,भाभी

माता, सुमित्रा पूजा मिश्रा,माता केकई अंजू,सिपाही कृष्णा,छोटा राम कान्हा ,छोटा,लक्ष्मण-अक्षत,छोटा भरत अयान,छोटा शत्रुघ्न अद्विक झा,राजा दिव्यम,राजा शिवाय,अन्वय, मंथरा पूजा मिश्रा, मातासुनैना दिव्या



जी ,परशुराम व्योम, राम अद्विक,लक्ष्मण वेदांशी,भरत ध्रुव, शत्रुघ्न रियान, सीता यामी, उर्मिला आध्या, सुकृति रिया, मांडवी पीहू,जटायू अथर्व,केवट आरव सिन्हा, हनुमान आरव, कृष्णा, सुग्रीव-वेद, अंगद दिव्यम, नल शिवांश,नील-श्रेयान, वेद सुषेण सिद्धार्थ,शबरी मीराभाभी, शुभाहू रेयान, हिरण आदि, सूर्पनखा रुचिका, रावण का साधु रूप शिवाय, रावण रेयांश, तारका पूजा झा, मंदोदरी जागृति, मेघनाथ शिवाय,विभीषण अन्वय,कुंभकरण गरिमा, त्रिजटा, सीमा चौधरी, सहित सभी बच्चों ने अपनी प्रतिभा,संवाद अदायगी, अभिनय और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से रामायण के पात्रों को जीवंत कर दिया।भगवान श्रीराम,माता सीता,लक्ष्मण,हनुमान जी तथा अन्य पात्रों के प्रसंगों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंचन के दौरान जय श्रीराम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।कार्यक्रम का संचालन राजीव त्यागी,आरती सिंह एवं रश्मि सिंह ने किया।

डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति,धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना था।रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं,बल्कि आदर्श परिवार,आदर्श समाज,सत्य, परेम, त्याग,सेवा और कर्तव्यपालन की शिक्षा देने वाला महान ग्रंथ भी है।उन्होंने कहा कि गोल्फ सिटी के बच्चों एवं निवासियों की इस सराहनीय पहल ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयासों से धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखा जा सकता है।इस प्रकार के आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनमें संस्कार, अनुशासन, सहयोग और सामाजिक एकता की भावना भी विकसित करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में श्रीशिव मंदिर समिति के सदस्य डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा, प्रवीण बांगिया,एसपी शर्मा, कुलदीप त्यागी, पुनीत चौधरी,सुनीर शर्मा, डीके मलिक, सुनीता कुमारी, शक्ति जी, सुरिन्दर कौर,सहित उपस्थित सैकड़ों लोगों ने रामायण का भव्य मंचन करने वाले सभी बच्चों एवं सहयोगी निवासियों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।पूरा आयोजन श्रद्धा,उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच संपन्न हुआ।

परिवार के सभी सदस्यों को एक साथ बैठकर देखना चाहिए रामलीला का मंचन : विमला बाथम

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला के नवे दिन यानी सोमवार को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व विधायक विमला बाथम , एवं कार्यक्रम अध्यक्ष अभिषेक जैन, राजकुमार गोयल के अलावा मुख्य उपस्थित के रूप में जॉइंट पुलिस कमिश्नर राजीव नारायण मिश्रा, एडिशनल डीसीपी नोएडाअभय कुमार मिश्रा ने पूजा अर्चना के बाद रामलीला का शुभारंभ कराया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विमला बाथम ने कहा कि वे रामलीला समिति के आयोजन कर्ताओं को लिए धन्यवाद देती हूं, उन्होंने कहा कि राम की लीला एक साथ पूरा परिवार बैठकर देखने से परिवार के सभी सदस्यों को संस्कृति एवं सभ्यता का ज्ञान मिलता है ।इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार के साथ रामलीला का मंचन देखना चाहिए, भगवान श्री राम की लीला हमें यह सीख देती है कि प्रत्येक मनुष्य को सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए ,उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम ने सत्य के मार्ग पर चलते हुए असत्य को पराजित कर जीत दर्ज की। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सुधीर मित्तल पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल मित्रमंडल, डॉ हरीश मिश्रा उप कुलपति महर्षि सत्य सनातन विद्यापीठ, विनोद त्यागी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा, धर्मेंद्र गुप्ता जिला उपाध्यक्ष, वीरेंद्र मेहता अध्यक्ष पंजाबी विकास फाऊंडेशन, सुनील चौधरी पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नोएडा, त्रिलोक शर्मा, संजीव गुप्ता, कृपाराम शर्मा, सेक्टर 47 के अध्यक्ष प्रवेश शर्मा ,संजय चौहान ,प्रशांत अग्रवाल ,अमित कुमार जैन आदि मौजूद थे। इस अवसर पर रामलीला समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिरिराज अग्रवाल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

सोमवार की लीला मंचन में पंडित कृष्ण स्वामी ने विभीषण का रावण को समझाना तथा विभीषण का लंका छोड़ राम की शरण में जाना और वानरो द्वारा समुद्र पर रामसेतु का निर्माण एवं रामेश्वर मंदिर की स्थापना तथा युद्ध से पहले रावण को समझने के लिए अंगद को भेजना और रावण अंगद संवाद के अलावा लक्ष्मण मेघनाथ युद्ध होना लीला का मंचन किया गया और लक्ष्मण को शक्ति बाण लगना, हनुमान जी का संजीवनी लाना लक्ष्मण जी का मुरक्षा से जागृत होना और मेघनाथ का युद्ध भूमि में वध होना एवं कुंभकरण का वध होने की लीला का मंचन किया गया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ,सीएम डी,प्रिया गोल्ड,वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल ,संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, रामरतन शर्मा, डॉ योगेंद्र सिंह ,अरुण चौहान, सुमित अग्रवाल, डॉक्टर श्वेता गोयल, शुभम गर्ग, रमेश गोयल, शेषनाथ मिश्रा , गौरव यादव, रामवीर यादव, मुकेश शर्मा पीयूष गोयल कार्तिक मिश्रा आदि मौजूद थे।

जिले में आज 50 से अधिक स्थानों पर रावण के पुतले जलेंगे

नोएडा। जिले में मंगलवार को 50 से अधिक स्थानों पर रावण के पुतलों का दहन होगा, जबकि 200 स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं का मंगलवार और बुधवार को विसर्जन किया जाएगा। भीड़ और सुरक्षा को देखते हुए 2200 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इनमें करीब 300 महिला पुलिसकर्मी शामिल होंगी। तीनों जोन में पीएसी के जवान भी तैनात रहेंगे। आग से बचाव के लिए 250 अग्निशमनकर्मी और 26 गाड़ियां तैयार रहेंगी।

दशहर के अवसर पर रावण दहन की तैयारी रामलीला कमेटियों के अलावा सेक्टरों और सोसाइटियों में भी की गई है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की कुछ प्रमुख सोसाइटियों में रावण के पुतलों का दहन होगा। अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि त्योहार के दौरान सभी प्रमुख आयोजन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। पुलिस ने रामलीला समितियों और दुर्गा पूजा आयोजकों से बातचीत कर जरूरी निर्देश दिए हैं। आयोजकों को पंडालों में आग से बचाव के इंतजाम दुरुस्त रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। जिले में 200 दुर्गा पूजा पंडाल लगाए गए हैं और 35 स्थानों पर रामलीला का मंचन हो रहा है। दशहरे पर प्रमुख रूप से इन्हीं स्थानों पर रावण दहन होगा। नोएडा जोन में 99 दुर्गा पूजा पंडाल हैं। यहां चार स्थानों पर रामलीला का मंचन हो रहा है, जबकि 13 जगह रावण के पुतलों का दहन होगा। पुलिस आयोजन स्थलों पर भीड़ के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था करेगी। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल भी लगाया जाएगा। दुर्गा विसर्जन मंगलवार और बुधवार को होगा। अधिकांश लोग बुधवार को ही विसर्जन करेंगे।

मंदिरों में सुबह पांच बजे से पुलिस तैनात रहेगी: मंगलवार को मंदिरों में भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रमुख मंदिरों में सुबह पांच बजे से पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की आवाजाही पर नजर रखने के साथ भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था की जाएगी। सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

आग से बचाव के लिए 26 गाड़ियां तैयार: दुर्गा पूजा पंडालों और रावण के पुतलों के दहन स्थलों पर आग लगने की आशंका को देखते हुए अग्निशमन विभाग को अलर्ट किया गया है। विभाग की 26 गाड़ियों के साथ 250 अग्निशमनकर्मी तैनात रहेंगे। आयोजकों को बिजली के तारों और सजावट में सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे, ताकि किसी घटना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

अंगद की रावण को चुनौती व मेघनाद, कुंभकरण, अहिरावण वध

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला मंचन स्थल रामलीला मैदान सेक्टर-62 में नवम दिवस मुख्य अतिथि नोएडा प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी एन.के.सिंह, पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी पी.के.अग्रवाल, गौतमबुद्धनगर के पूर्व एडीएम एलआर बच्चू सिंह,गोरखपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति केपी सिंह,आदि द्वारा दीप प्रज्वलन कर रामलीला मंचन की शुरुआत की गई।श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल,महासचिव डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा,कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गर्ग,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,अजीत चाहर,कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग,अनिल गोयल,एस एम गुप्ता,बजरंगलाल गुप्ता ने सभी अतिथियों व उपस्थितजनों को अंगवस्त्रम ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

पहले दृश्य में अंगद रावण से कहता है कि माता सीता को लौटा दो और प्रभु की शरण में आ जाओ।लेकिन अहंकार वश रावण अंगद का उपहास उड़ाता है।तब अंगद अपना पैर रोपते हैं और कोई भी अंगद का पैर डिगा नहीं पाया।अंत में रावण उठता है और ज्योंहि अंगद का पैर पकड़ने उठता है अंगद कहते हैं कि अगर पैर पकड़ने हैं तो श्रीराम के पकड़ो।रावण लज्जित होता है और अंगद रामदल में पहुंच जाते हैं।श्रीराम सेना लंका पर आक्रमण कर देती है।रावण अपने पुत्र मेघनाद को भेजता है।मेघनाद लक्ष्मण पर शक्ति से प्रहार करता है और लक्ष्मण मूर्छित हो जाते हैं।हनुमान जी सुषेन वैद्य को लाते हैं जो संजीवनी लाने को कहते हैं। हनुमान संजीवनी लेने जाते हैं जिसे देख दर्शक प्रसन्नता से झूम उठते हैं।संजीवनी से लक्ष्मण की मूर्छा खुलती है।अगले दृश्य में मूर्छा टूटने के पश्चात लक्ष्मण मेघनाथ का वध करने की प्रतिज्ञा लेते हैं और राम से आशीर्वाद ले कर मेघनाथ से पुनः युद्ध के लिए जाते हैं।वध करने की प्रतिज्ञा लेकर लक्ष्मण जिस समय युद्ध भूमि में जाते समय श्रीराम उनसे कहते हैं- 'लक्ष्मण, रण में जाकर तुम अपनी वीरता और रणकौशल से रावण-पुत्र मेघनाद का वध कर दोगे, इसमें मुझे कोई संदह नहीं है।परंतु एक बात का विशेष ध्यान रखना कि मेघनाद का मस्तक भूमि पर किसी भी प्रकार न गिरे।क्योंकि मेघनाद एकनारी-व्रत का पालक है और उसकी पत्नी परम पतिव्रता है।ऐसी साध्वी के पति का मस्तक अगर पृथ्वी पर गिर पड़ा तो हमारी सारी सेना का ध्वंस हो जाएगा और हमें युद्ध में विजय की आशात्याग देनी पड़ेगी।श्रीराम जी की बात सुनकर लक्ष्मण अपनी सेना लेकर चल पड़े। रणभूमि में उन्होंने वैसा ही किया।युद्ध में अपने बाणों से उन्होंने मेघनाद का मस्तक उतार लिया, पर उसे पृथ्वी पर नहीं गिरने दिया।हनुमान उस मस्तक को रघुनंदन के पास ले आये।तत्पश्चात मेघनाद की पत्नी सुलोचना अपने पति का सर लेने के लिए श्रीराम शिविर में जाती है।राम को जब यह पता चलता है तो वह स्वयं सुलोचना से मिलने निकल पड़ते हैं और सुलोचना को विधि के विधान से अवगत कराते हैं।मेघनाद के वध के पश्चात रावण कुंभकरण को जगाता है।कुंभकरण के पराक्रम से राम सेना में खलबली मच जाती है।तब भगवान श्रीराम बाणों से उस पर प्रहार करते हैं और कुंभकरण का वध कर देते हैं।

इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चौधरी रविंद्र सिंह,पवन गोयल, गौरव मेहरोत्रा, सलाहकार मनोज शर्मा, मुकेश अग्रवाल,मुकेश गोयल, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता,गिरिराज बहेड़िया, चक्रपाणि गोयल, भानुप्रताप सिंह,दयाशंकर तिवारी, अनंत वर्मा,राजेश माथुर, साहिल चौधरीं, नवीन पोरवाल, डॉ. शैलेन्द्र पोरवाल, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, बाबूराम शर्मा,संतोष त्रिपाठी, मनीष चौहान,बीके राय, रामकुमार शर्मा,दिनेश मित्तल,नरेंद्र आर्य,उमेश यादव,अर्जुन प्रजापति,योगेश श्रीवास्तव सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के हजारों गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

श्रीराम मित्र मण्डल रामलीला समिति के मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता एवं सलाहकार मुकेश गोयल ने बताया कि 20 अक्टूबर को श्रीराम-रावण युद्ध,रावण वध, दशहरा महोत्सव, रावण, मेघनाद व कुंभकरण के पुतलों का दहन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

नोएडा पुलिस ने बरामद किए 25 लाख के 108 गुम मोबाइल



नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन तलाशने के लिए एक विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने कुल 108 खोए हुए स्मार्टफोन खोज निकाले हैं। पुलिस ने इन सभी बरामद मोबाइल फोन को उनके वास्तविक स्वामियों को सुरक्षित वापस सौंप दिया है। लंबे समय बाद अपने खोए हुए फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बरामद किए गए 108 मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। नोएडा क्षेत्र में चलाए गए इस अभियान के दौरान पुलिस ने सर्विलांस तकनीक का सहारा लेकर इन मोबाइलों को ढूंढने में सफलता पाई है।यह पूरी कार्रवाई 19 अक्टूबर को अंजाम दी गई। यह अभियान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशों पर चलाया गया था। इस कार्रवाई का पर्यवेक्षण डीसीपी नोएडा साद मियां खान ने किया, जबकि इसका नेतृत्व एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्रा द्वारा किया गया।

इस अभियान को 'मिशन शक्ति अभियान 6.0' और 'मिशन सहयोग' के अंतर्गत चलाया गया। इस कार्रवाई में सर्विलांस सेल नोएडा, थाना सेक्टर-58 और नोएडा जोन के अन्य थानों की पुलिस ने मिलकर काम किया। इस दौरान पुलिस ने सर्विलांस तकनीक के साथ-साथ केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर यानी सीईआईआर (ष्टश्वढ्ढक्र) पोर्टल की मदद ली।

सड़क, बाजार और वाहनों में छूटे थे फोनः मामले की जानकारी देते हुए एडीसीपी अभय कुमार मिश्रा ने बताया कि इनमें से ज्यादातर मोबाइल फोन भीड़भाड़ वाले स्थानों, साप्ताहिक बाजारों और सड़कों पर गिर गए थे। इसके अलावा कई लोगों के फोन ऑटो, टैक्सी, बस, मेट्रो और ई-रिक्शा में सफर करने के दौरान छूट गए थे।

कुछ लोगों के मोबाइल दोपहिया वाहन चलाते समय गिर गए थे, तो कुछ लोग सुबह और शाम को टहलने के दौरान अपने फोन गंवा बैठे थे। इन सभी घटनाओं के संबंध में नोएडा जोन के विभिन्न थानों में शिकायतें दर्ज कराई गई थीं।

सीईआईआर पोर्टल और सर्विलांस से मिली सफलताः थानों में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस की सर्विलांस टीम ने काम शुरू किया। टीम ने तकनीकी विश्लेषण किया और सीईआईआर पोर्टल की सहायता से मोबाइलों की लोकेशन ट्रैक की। सफलतापूर्वक ट्रैकिंग करने के बाद पुलिस ने कुल 108 स्मार्टफोन बरामद कर लिए।

इसके बाद सभी 108 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को बुलाकर सौंप दिए गए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान का मुख्य मकसद तकनीकी संसाधनों का सही इस्तेमाल करके गुम हुए मोबाइलों को खोजना और उन्हें उनके स्वामियों तक पहुंचाना है।

राज्यपाल केरल ने श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी को अर्पित की श्रद्धांजलि



नोएडा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल श्री कलराज मिश्रा जी की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन के पश्चात आज नवनियुक्त महामहिम राज्यपाल केरल ओम प्रकाश मथुर नें उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजली अर्पित की। तथा कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

उनके आवास पर क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, जिला महामंत्री अमित त्यागी, मनोज चौधरी, पद्मेश द्विवेदी भूपेश चौधरी, खुर्रम रिजवी, सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

बेटी पैदा होने पर महिला को पीटा, 10 लाख दहेज मांगे, पति समेत 4 पर केस

नोएडा। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष के तीन अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला का आरोप है कि ससुराल वाले उससे 10 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। पीड़िता ने अपनी और अपनी बेटी की जान को खतरा बताते हुए पुलिस से न्याय और कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मीनू चौहान ने थाने में आकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। महिला के अनुसार, उसकी शादी वर्ष 2017 में गगन के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। उसके ससुराल वाले गाजियाबाद के विजयनगर में रहते हैं। महिला का आरोप है कि उसकी शादी में मायके पक्ष की तरफ से लाखों रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोगों का मन नहीं भरा और वे लगातार अतिरिक्त दहेज के लिए उसका उत्पीड़न करने लगे।

बेटी होने पर ताने और बेटे का दबावः शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2000 में बेटी पैदा होने के बाद ससुराल पक्ष के लोगों का रवैया और अधिक आक्रामक हो गया। बेटी पैदा होने पर ससुराल पक्ष के लोग उसे लगातार ताने देने लगे और उस पर बेटा पैदा करने का भारी दबाव बनाने लगे। महिला का आरोप है कि जब उसने उनकी अनुचित मांगों के आगे घुटने नहीं टेके, तो 10 लाख रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसे जबरन घर से निकाल दिया गया।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमाः थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह के अनुसार, पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कदम उठाए हैं। पुलिस ने महिला के पति गगन, सास प्रेम प्रकाश, ननद पूनम सूरी समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा में एक करोड़ की एमडीएमए बरामद, दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार



नोएडा। नॉलेज पार्क थाना पुलिस और आगरा जोन की मादक पदार्थ निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) इकाई ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने उनके कब्जे से करीब एक करोड़ रुपये कीमत का 920 ग्राम एमडीएमए मादक पदार्थ और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी दिल्ली-एनसीआर में मादक पदार्थ की बिक्री का काम करते थे।

पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस और एएनटीएफ की टीम ने गोपनीय सूचना और खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई को अंजाम दिया।यह गिरफ्तारी नॉलेज पार्क-2 मेट्रो स्टेशन के पास से की गई है।पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 920 ग्राम एमडीएमए और दिल्ली नंबर की एक स्कूटी बरामद की गई है।पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में से एक आरोपी उसुलोर मूल रूप से घाना का निवासी है और वह वर्तमान में नई दिल्ली के महरौली क्षेत्र में रह रहा था।वहीं दूसरी आरोपी लायलो शरजाय उज्बेकिस्तान की निवासी है।वह दिल्ली के छतरपुर एन्क्लेव और लखनऊ के हजरतगंज स्थित पते पर रह रही थी।

सप्लाई नेटवर्क का खुलासाः पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई है कि कलिस्टो नाम का व्यक्ति एमडीएमए पाउडर तैयार करता है।यह प्रतिबंधित पाउडर गिरफ्तार उसुलोर और लायलो शरजाय के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर में बिकवाया जाता था।पुलिस अब मुख्य सरगना कलिस्टो की तलाश कर रही है। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पुलिस इस मामले में मादक पदार्थ की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

नोएडा। सेक्टर-142 थाना में बाइक की टक्कर से घायल युवक की मौत हो गई। घटना के करीब एक माह बाद मृतक की पत्नी ने बाइक नंबर के आधार पर केस दर्ज कराया है। मुरादाबाद के टाडा अमरपुर गांव निवासी छाया सिरोही ने केस दर्ज कराया है कि 21 सितंबर को उसके पति परविंद चौधरी अपनी बाइक से ग्रेटर नोएडा जा रहे थे। उसके साथ उनका दोस्त संजीव कुमार भी था। तभी सेक्टर 144 के पास एक बाइक सवार ने परविंद की बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में परविंद गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

जंगल में मिला युवक का शव

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र में सोमवार सुबह ननुआ का राजपुर गांव के पास जंगल में एक युवक का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की उम्र करीब 30 साल बताई जा रही है। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 7 बजे ग्रामीणों ने जंगल में शव पड़ा होने की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। तलाशी के दौरान शव के पास से पहचान से जुड़ी कोई चीज नहीं मिली। मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी नहीं मिले हैं। पुलिस के अनुसार, युवक की मौत कैसे हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा। फिलहाल पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। सोशल मीडिया के जरिए भी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

निराला ग्रीनशायर की सड़क का पैचवर्क दो महीने में उखड़ा

नोएडा। निराला ग्रीनशायर सोसाइटी के बाहर सड़क की बदहाली से निवासी परेशान हैं। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी सतह वाहन चालकों के लिए खतरा बनी हुई है। करीब आठ महीने तक शिकायतों के बाद प्राधिकरण ने सड़क पर पैचवर्क कराया था, लेकिन यह मरम्मत भी दो महीने तक नहीं टिक पाई। ऐसे में सड़क की गुणवत्ता और मरम्मत कार्य पर सवाल उठ रहे हैं। निवासी कपिल ने बताया कि सड़क की समस्या को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार शिकायतें की गईं। इसके बाद प्राधिकरण की ओर से पैचवर्क कराया गया, लेकिन कुछ ही समय में सड़क फिर बदहाल हो गई। लोगों का कहना है कि अस्थायी मरम्मत के बजाय सड़क का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए, जिससे बार-बार गड्ढे बनने की समस्या से निजात मिल सके। लोगों का कहना है कि गड्ढों के कारण वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है और हादसों की आशंका भी बनी हुई है। लोगों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से सड़क का निरीक्षण कराने, पहले कराए गए पैचवर्क की गुणवत्ता की जांच करने और तकनीकी मानकों के अनुरूप स्थायी निर्माण कराने की मांग की है। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग उठाई है।

डीसीपी से मिलकर सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा-1 आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को सेंट्रल नोएडा के नवनियुक्त डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह से मुलाकात की। इस दौरान सेक्टर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सेक्टर में बिना नंबर प्लेट के वाहनों को सीज करने की मांग की है। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रमोद भाटी व अन्य पदाधिकारियों ने डीसीपी को सेक्टर की समस्याओं से अवगत कराया। मांग की गई कि सेक्टर में बिना नंबर प्लेट के वाहनों को सीज किया जाए। साथ ही संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर सर्विस मार्ग पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। डीसीपी ने जल्द ही सेक्टर में बैठक कर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर सेक्टर प्रभारी विनोद नागर, कोषाध्यक्ष विजय सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्रेनो की हवा लगातार तीसरे दिन खराब श्रेणी में रही

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की हवा लगातार तीसरे दिन खराब श्रेणी में रही। सोमवार को शहर का एक्यूआई 205 दर्ज किया गया। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के एक्यूआई में एक दिन पहले के मुकाबले कमी आई। ग्रेटर नोएडा के एक्यूआई में रविवार के मुकाबले 69 अंकों की कमी दर्ज की गई। नोएडा का एक्यूआई 138 दर्ज किया गया। एक दिन पहले के मुकाबले शहर का एक्यूआई 32 अंक कम हुआ। आने वाले दिनों में प्रदूषण और बढ़ सकता है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर खिली धूप निकली रही। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले छह दिनों में आसमान साफ रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं जाएगा।

फीस धांधली मामले की जांच 10 सदस्यीय समिति करेगी

नोएडा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) ने पांच करोड़ रुपये से अधिक के कथित फीस धांधली मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर 10 सदस्यों की समिति बनाई है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के रिकॉर्ड के मिलान के दौरान अप्रैल 2025 में पांच करोड़ रुपये से अधिक की फीस संबंधी कथित अनियमितता सामने आई थी। आरोप है कि छात्रों से प्राप्त फीस का भुगतान विश्वविद्यालय के सॉफ्टवेयर में दर्ज था, लेकिन संबंधित रकम आधिकारिक बैंक खातों में जमा नहीं मिली। मामले में फर्जी यूपीआई ट्रांजेक्शन आईडी और रसीदों के इस्तेमाल के आरोप भी लगाए गए थे।

अग्रोहा विकास ट्रस्ट के 43वें वार्षिक मेले में युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन होंगे विशेष अतिथि



नोएडा। अग्रोहा विकास ट्रस्ट, अग्रोहा धाम (हिसार, हरियाणा) की ओर से उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष श्री विकास जैन को 43वें विशाल वार्षिक मेले एवं अधिवेशन में सपरिवार सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। ट्रस्ट द्वारा 19 अक्टूबर 2026 को जारी आमंत्रण पत्र में इस आयोजन की जानकारी देते हुए विकास जैन को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

ट्रस्ट के आमंत्रण के अनुसार, यह विशाल वार्षिक मेला एवं अधिवेशन 25 अक्टूबर 2026, रविवार को अग्रोहा धाम परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में देशभर से वैश्य समाज के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य अतिथियों के सम्मिलित होने की संभावना है।

आमंत्रण पत्र में बताया गया है कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता जी होंगे। इसके अतिरिक्त हरियाणा, पंजाब एवं अन्य क्षेत्रों के प्रमुख जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 9 बजे कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी की आरती, छप्पन भोग एवं भंडारे का आयोजन होगा। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से 2:30 बजे तक महासम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विकास जैन को आमंत्रण वैश्य समाज के सामाजिक एवं संगठनात्मक संपर्कों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में वे व्यापारियों से जुड़े विषयों और संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लेते रहे हैं। अग्रोहा धाम में आयोजित यह सम्मेलन देशभर के वैश्य समाज के लोगों को एक मंच पर जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

आमंत्रण पत्र के अंत में अग्रोहा विकास ट्रस्ट की ओर से विकास जैन से अपने परिवार एवं इष्ट मित्रों सहित कार्यक्रम में पहुंचकर कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी का आशीर्वाद लेने और विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करने का अनुरोध किया गया है।

नोएडा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने 4 साल के मासूम को कुचला, मौत

नोएडा। नोएडा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई। घटना थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव में हनुमान मंदिर के पास हुई। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन के चालक ने बच्चे को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से बच्चे के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सोमवार को बरौला स्थित हनुमान मूर्ति के पास यह हादसा हुआ। घटना में चार वर्षीय बच्चा वाहन की चपेट में आ गया। सोशल मीडिया पर प्रसारित जानकारी में संबंधित वाहन को स्कॉर्पियो बताया जा रहा है। हालांकि, हादसे के सटीक कारणों और घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी सामने आना अभी बाकी है। बच्चे को हादसे के बाद तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सक उसकी जान नहीं बचा सके। बच्चे की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया।

पुलिस ने स्कॉर्पियो कब्जे में ली, चालक हिरासत में: घटना के बाद थाना सेक्टर-49 पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। परिजनों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर तत्काल अभियोग भी पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने मृतक बच्चे के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हादसे ने फिर उठाए सड़क सुरक्षा पर सवालः नोएडा और आसपास के शहरी क्षेत्रों में सड़क पर वाहनों की आवाजाही के बीच पैदल चलने वाले लोगों, विशेषकर छोटे बच्चों की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। घनी आबादी वाले इलाकों, धार्मिक स्थलों और गांवों के आसपास वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। इस मामले में हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, वाहन की गति कितनी थी और दुर्घटना से जुड़े अन्य तथ्य क्या हैं, इसकी पुष्टि पुलिस की जांच के बाद ही हो सकेगी।

मंदिर के पास काल बनी स्कॉर्पियो, तीन साल के मासूम की मौत

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के बरौला गांव में सोमवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से तीन वर्षीय अनिकेत की मौत हो गई। बच्चा मां और दादी के साथ हनुमान मंदिर के पास गया था। इसी दौरान नोएडा नंबर की सफेद स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बच्चे को स्थानीय लोग तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने वाहन कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के मुताबिक, अनिकेत के पिता अमित कुमार पत्नी और दो बच्चों के साथ सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के सामने झुग्गी में रहते हैं। वह मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सोमवार सुबह करीब आठ बजे अनिकेत अपनी मां और दादी के साथ हनुमान मंदिर के पास गया था। इसी दौरान स्कॉर्पियो की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

बच्चे की अचानक मौत से परिवार सदमे में है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर मारने के बाद चालक ने मौके से निकलने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना में शामिल स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया। चालक की पहचान सोरखा निवासी शौर्य के रूप में हुई है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एडीसीपी अभय मिश्र ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस पर शुरू हुए सेवा संकल्प अभियान का हुआ समापन, 606 लोग हुए लाभान्वित



नोएडा। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में चल रहे गोपाल नमो सेवा केंद्र के द्वारा नोएडा सी-62 , सेक्टर-65 स्थित नोएडा कार्यालय पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चले सेवा संकल्प अभियान के तहत 34 वें मेगा निः शुल्क शिविर का आयोजन हुआ एवं अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़कर 17 अक्टूबर को समापन किया गया। जिसमें सभी लाभार्थियों को आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड एवं अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया गया।

एक महीने तक चले इस मेगा निःशुल्क शिविर में जनपद में निवासरत कुल 754 , लोगों ने सहभागिता की जिसमें से 606 लोगों को उनकी पात्रता के हिसाब से आयुष्मान, ई-श्रम कार्ड, आधार कार्ड, रूफटॉप गार्डनिंग, राष्ट्रीय वयोश्री, पीएम स्वनिधि, पीएम एडिप , सुरक्षा बीमा, मुख्यमंत्री सुमंगला, अभ्युदय कोचिंग, पीएम सुकन्या, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी, विधवा पेंशन, ई-श्रम कार्ड, पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना आदि केंद्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्रता अनुसार जोड़ने का कार्य किया गया। 3 वर्षों से निर्बाध रूप से जनसेवा का यह प्रकल्प जारी है अब तक इससे पूर्व 33 आउटरीच कैंप का भी आयोजन भी किया जा चुका है।

आगे भी रोजाना कार्य दिवस में सी 62 सेक्टर 65 में यह सेवा जारी रहेगी ताकि प्रधानमंत्री जी के विकसित संकल्प और अंत्योदय के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

सभी प्रकार की जानकारी एवं सेवाओं के लिए आप हमारे हेल्पडेस्क नंबर- 9891408720 और सोशल मीडिया हैंडल से जुड़ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कानफोडू शोर छीन रहा सुकून! दिल और दिमाग की सेहत पर मंडराया गंभीर खतरा



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की हवा तो दम घोंट ही रही है, अब सड़कों का शोर भी दिल और दिमाग पर चोट कर रहा है। रेड लाइट पर खड़े-खड़े बेवजह बजता हॉर्न, जाम में फंसी गाड़ियों का शोर और मॉडिफाइड बाइकों की कानफोडू आवाज ने सड़क यातायात को शोर का बड़ा स्रोत बना दिया है। वहीं, लगातार शोर के संपर्क में रहने से नींद, एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। लंबे समय तक अधिक शोर के संपर्क को उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है। दिल्ली में ध्वनि प्रदूषण की समस्या को समझने के लिए विज्ञानियों ने एक नया मॉडल विकसित किया है। सीएसआइआर- एनपीएल के डा सौरभ कुमार और डॉ. नवीन गर्ग का एक शोधपत्र इंटीग्रेटेड लैंड यूज रिग्रेशन मॉडल विद रोड ट्रैफिक कैरेक्टरिस्टिक्स फार एनवायरनमेंटल नोएज प्रिडिक्शन एंड मैपिंग इन अर्बन रीजन 5 नवंबर 2025 को शोध पत्रिका एप्लाइड एकास्टिक्स में प्रकाशित हुआ। इसमें दिल्ली के 201 स्थानों पर किए गए 24 घंटे के ध्वनि मापन के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया।

आंकड़े अक्टूबर 2023 से जून 2024 के बीच जुटाए गए थे। शोधकर्ताओं ने ध्वनि के स्तर का आकलन करने के लिए वाहनों की संख्या, उनकी औसत गति और हार्न बजाने की घटनाओं को भी शामिल किया।

अध्ययन में तैयार चार मॉडल ने दिन, रात, 24 घंटे और दिन-रात के संयुक्त ध्वनि स्तर का अनुमान लगाने में अच्छा प्रदर्शन किया। इनमें वाहनों की संख्या शोर के अलग-अलग स्थानों पर बदलते स्तर को समझाने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक रही।

रिहायशी इलाकों में भी शोर चिंता का विषय

मानकों के अनुसार, आवासीय क्षेत्रों में दिन में ध्वनि की निर्धारित सीमा 55 डेसीबल और रात में 45 डेसीबल है। व्यावसायिक क्षेत्रों में यह सीमा क्रमशः 65 और 55 डेसीबल है। अधिसूचित शांत क्षेत्रों में दिन के समय 50 और रात में 40 डेसीबल की सीमा निर्धारित है।जहांगीरपुरी अशोक विहार करोल बाग कश्मीरी गेट आनंद विहार सोनिया विहार वजीरपुर मंदिर मार्ग पंजाबी बाग

मुंडका रोहिणी व्यस्त सड़कें और चौराहेः वाहनों की अधिक संख्या शोर का सबसे प्रभावशाली कारक रही। दिन के समय और 24 घंटे के औसत शोर में हार्न की आवृत्ति भी महत्वपूर्ण रही। प्रमुख सड़क और राजमार्ग के आसपास के इलाकेः सड़क नेटवर्क और यातायात की स्थिति का शोर के फैलाव से संबंध मिला। रात के समयः सड़कों और रेलवे स्टेशनों से निकटता भी महत्वपूर्ण कारकों में रही। छोटे बच्चों को तेज आवाज से बचाने की जरूरत है। तेज आवाज से कम उम्र में भी स्थायी और अपूरणीय श्रवण हानि हो सकती है। यातायात के अत्यधिक शोर का संबंध नींद में बाधा, सुनने की क्षमता और हृदय संबंधी समस्याओं से है।

नजफगढ़ एलपीजी ब्लास्टः 12 दिन में 4 सदस्यों ने तोड़ा दम, हादसे में बचे बच्चों के सिर से उठा मां-बाप का साया

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली में नजफगढ़ थाना क्षेत्र के राणाजी एन्क्लेव में 22 सितंबर की रात को रसोई गैस सिलिंडर में रिसाव के कारण हुए भीषण विस्फोट और आग ने एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया है। 12 दिनों के दर्दनाक दौर के दौरान परिवार के चार सदस्यों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे एक नवजात शिशु अनाथ हो गया और 4 साल की बच्ची के सिर से मां का साया उठ गया। पुलिस की प्राथमिक जांच के अनुसार, घटना की रात करीब 10:30 बजे बंद कमरे में घरेलू रसोई गैस के रिसाव के कारण ज्वलनशील गैस कमरे में फैल गया। कमरे में किसी भी अन्य वेंटिलेशन या रास्ते का न होना इस हादसे की तीव्रता और लपटों के तेजी से फैलने की मुख्य वजह बनी। किसी चिंगारी के संपर्क में आते ही गैस में जोरदार धमाका हो गया। 12 दिनों में चार मौतों से छाया मातम हादसे में कुल 6 लोग झुलस गए थे, जिन्हें पहले आईजीआई अस्पताल और बाद में सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लगातार बस हादसों पर डीटीसी सख्त

ओवरस्पीडिंग और लापरवाही पर लगेगा भारी जुर्माना



नई दिल्ली, एजेंसी। दो दिनों से लगातार हुई बस दुर्घटनाओं को लेकर दिल्ली परिवहन निगम डीटीसी सख्त हो गया है। डीटीसी ने बसों का संचालन कर रहीं कंपनियों को सख्त चेतावनी दी है कि हालात सुधरे नहीं तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें। बस चालकों की लापरवाही और किलोमीटर पूरा करने की जल्दबाजी में होने वाली दुर्घटनाओं की आ रहीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने कई कदम उठाए हैं।

ओवरस्पीडिंग पर जुर्माना

डीटीसी के अनुसार, बसों की गति पर नजर रखी जाती है। निर्धारित सीमा से अधिक गति से बस चलाने पर चालक के खिलाफ जुर्माना लगाया जाता है। बस चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। समय-समय पर निरीक्षण के दौरान मोबाइल इस्तेमाल करते पाए जाने वाले चालकों पर भी कार्रवाई की जाती है।

बस चलाने से पहले जांच के निर्देश

निगम ने बताया कि कई दुर्घटनाएं बस टर्मिनल, बस स्टाप और डिपो में उस समय होती हैं, जब खड़ी बस को दोबारा चलाया जाता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए चालकों को निर्देश दिया गया है कि बस आगे बढ़ाने से पहले यह सुनिश्चित करें कि उसके नीचे या आसपास कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में न हो, जिससे उसे चोट लग सकती है।

रोजाना 50 बस स्टाप की जांच

किलोमीटर पूरा करने की जल्दबाजी में बसों के छोड़ने की शिकायतों पर कार्रवाई के लिए इस महीने से रोजाना 50 बस स्टाप की औचक जांच की जा रही है। डीटीसी के मुताबिक, जांच में बस को स्टाप पर नहीं रोकने की पुष्टि होने पर संबंधित चालक और बस संचालक, दोनों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

हादसे के बाद चालक पर कार्रवाई

डीटीसी ने स्पष्ट किया है कि गंभीर दुर्घटना में शामिल चालक को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया जाता है। वहीं, जानलेवा दुर्घटना होने पर चालक को तत्काल ड्यूटी से हटाया जाता है। जांच में दोषी पाए जाने पर उसे डीटीसी की किसी भी बस को चलाने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। डीटीसी के अनुसार, बस चलाने के लिए चालक का डीटीसी प्रशिक्षण स्कूल से प्रशिक्षण लेना और मेडिकल जांच में पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, प्रत्येक चालक का बस मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) में पंजीकरण किया जाता है, ताकि एक ही चालक से दोहरी ड्यूटी कराने और ड्यूटी के बीच चालक बदलने जैसी स्थितियों को रोका जा सके। इससे थकान के कारण होने वाले हादसों की आशंका कम करने में मदद मिलेगी।

द्वारका में विजयादशमी का भव्य आयोजन, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी 221 फीट ऊंचे रावण का दहन



नई दिल्ली (द्वारका), एजेंसी। द्वारका सेक्टर-10 में द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की 15वीं रामलीला के रावण दहन कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। वह 221 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन करेंगी। आयोजन के लिए मंच को सोमनाथ मंदिर की थीम पर सजाया गया है। सोसायटी के चेयरमैन एवं मुख्य संरक्षक आकाश राजेश गहलोत ने बताया कि इस बार जेन जी के युवा कलाकार रामायण के विभिन्न पात्रों का अभिनय किया । आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और प्रभु श्रीराम के आदर्शों से जोड़ना है।

सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

इस भव्य आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं और पूरे परिसर को विशेष रोशनी तथा सजावटी सामग्रियों से सजाया गया है। सोमनाथ मंदिर की थीम पर बना भव्य मंच और 221 फीट ऊंचा रावण का पुतला इस बार के आयोजन का मुख्य आकर्षण केंद्र बना हुआ है।

सीजेपी नेता सौरभ और रांका को जेल भेजने वाले जज को मिला धमकी भरा मैसेज

मंदिर मार्ग थाने में दर्ज कराया केस



नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के सहसंयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास को जेल भेजने वाले स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट को धमकी भरा मैसेज भेजा गया है। धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद उन्होंने मंदिर मार्ग थाने में केस दर्ज करवाया है। उन्होंने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

जांच में जुटी पुलिसः उधर, मंदिर मार्ग थाना पुलिस ने स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है, यह धमकी भरा मैसेज किसने भेजा है?

दिल्ली पुलिस ने किया था गिरफ्तारः दिल्ली में सख्त नाकेबंदी के बावजूद सीजेपी के सह संयोजक सौरव दास, आशुतोष रांका व अजिंक्य शिंदे के प्रतिबंधित क्षेत्र जंतर-मंतर पर घुसने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने तीनों के खिलाफ बीएनएस की कई धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस ने तीनों को बीते बुधवार को सुबह 10:30 बजे संसद मार्ग स्थित एसीएम कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जहां पर पिछली जमानत की शर्त का उल्लंघन करने पर कोर्ट ने सौरव व आशुतोष को 5 दिनों के लिए तिहाड़ जेल भेज दिया था।

नशे के अवैध धंधे पर दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आठ गिरफ्तार; करोड़ों की संपत्ति फ्रीज



नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क की 3.72 करोड़ रुपये की अवैध कमाई फ्रीज कराने के आदेश हासिल किए हैं। ओखला औद्योगिक क्षेत्र थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामले की जांच में पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे और निशानदेही पर कुल 1.383 किलोग्राम स्मैक बरामद की गई।

पुलिस का दावा है कि अवैध कमाई को फ्रीज करने की यह कार्रवाई उत्तर भारत में वर्ष 1976 में सक्षम प्राधिकरण की स्थापना के बाद से अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस के अनुसार, एफआइआर संख्या 225/2026 की जांच शुरुआत में स्थानीय स्तर पर नशीले पदार्थ बेचने वालों तक थी। आरोपियों से पूछताछ और जांच के दौरान पुलिस को नशे की आपूर्ति करने वाले बिचौलियों, आपूर्तिकर्ताओं और बड़े भंडारकर्ताओं के बारे में जानकारी मिली।

वहीं, जांच की कड़ियां फरीदाबाद, हरियाणा तक पहुंचीं, जहां से इस नेटवर्क के संचालन से जुड़े लोगों की भूमिका सामने आई।

इन्हें किया गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में किरण उर्फ राम प्रसाद, नीरज उर्फ थापा, अशोक उर्फ रामू, मनिया उर्फ सुमन पाठक, विक्की, गुड्डू, सुनीत उर्फ नन्हे और गोपी सिंह को गिरफ्तार किया है।

वहीं, जांच के दौरान स्मैक की बरामदगी के साथ अवैध कमाई का भी पता लगाया गया। इसके बाद सक्षम प्राधिकरण से 3,71,98,560 रुपये की राशि फ्रीज करने के आदेश प्राप्त किए गए।

जेल में बंद है गोपी

पुलिस के मुताबिक, फ्रीजिंग आदेश की प्रति आरोपी सुनीत उर्फ नन्हे को प्राप्त करा दी गई है। वहीं, गोपी सिंह फिलहाल हरियाणा के फरीदाबाद में दर्ज एक अन्य मामले में जेल में बंद है। उसे भी फ्रीजिंग आदेश की प्रति संबंधित जेल प्रशासन के माध्यम से तामील कराई जाएगी। पुलिस अब नशा तस्करी नेटवर्क की पूरी आर्थिक कड़ी का पता लगाने में जुटी है। जांच का उद्देश्य अवैध कमाई के स्रोतों, उससे जुड़ी अन्य संपत्तियों और नेटवर्क में शामिल दूसरे लोगों की पहचान करना है।

दिल्ली में नशे की हालत में मिली अमेरिकी महिला, पुलिसकर्मियों ने अस्पताल पहुंचाया; जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 17 अक्टूबर को एक अमेरिकी महिला नशे की हालत में मिली थी, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

इसके बाद मौके पर पहुंची महिला हेड कॉन्स्टेबल राजबाला और महिला कॉन्स्टेबल पिंकी ने महिला को तुरंत मेडिकल जांच के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहीं, जांच के तहत कई कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। लेकिन, अब तक की जांच में ऐसी कोई ऐसी बात निकलकर सामने नहीं आई है, जिससे किसी नतीजे पर पहुंचा जा सके।

जानकारी के मुताबिक, मेडिकल जांच में महिला के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं, जिससे यह पता चल सके कि उसके साथ किसी ने मारपीट की है। उधर, महिला के बारे में अमेरिका में रह रहे उसके भाई को सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, महिला के भाई को घटना की जानकारी दी गई है कि भारत में उसकी बहन किस हाल में मिली है और मौजूदा समय में उसकी क्या स्थिति है।

साथ ही, दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास को भी इस महिला के बारे में जानकारी दे दी गई है। उन्हें बता दिया गया है कि किस अवस्था में उनके देश का नागरिक मिला है। इस मामले की विभिन्न पहलुओं से भी जांच की जा रही है। महिला अभी अमेरिकी दूतावास के देख-रेख में है, जहां उसकी देखभाल की जा रही है। जब उसकी हालत पूरी तरह से ठीक हो जाएगी, तो उसे अमेरिका अपने घर भेज दिया जाएगा। फिलहाल, अभी यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि उसकी देखभाल में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाए।

दिल्ली पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 20 एसीपी अफसरों के तबादले; ट्रैफिक से क्राइम ब्रांच तक नई तैनातियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस मुख्यालय ने 20 एसीपी के ट्रांसफर और नई पोस्टिंग के आदेश जारी किए हैं, जिसमें अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

इस फेरबदल में विभिन्न जिलों के सब-डिविजनल पुलिस आफिसर (एसडीपीओ) के अलावा सुरक्षा, ट्रैफिक, क्राइम ब्रांच, ईओडब्ल्यू व पुलिस मुख्यालय से जुड़ी यूनिटों में भी तैनाती बदली गई है।

वहीं, जारी ऑर्डर के मुताबिक, अंशुल अविनाश को मधु विहार, अमनदीप कौर को कोतवाली, सोनू कुमार को सदर बाजार, संजय भारद्वाज को शाहदरा, रिछपाल सिंह को तिलक नगर, शंकर बनर्जी को बाराखंभा रोड और मनोज कुमार को बुराड़ी में एसीपी की जिम्मेदारी दी गई है।

सिक्योरिटी यूनिट में तैनात किया

तनवीर अशरफ को गोकलपुरी और दीपक चंद्र गुनवंत को सिक्योरिटी यूनिट में तैनात किया गया है। तिलक चंद्र बिष्ट को क्राइम ब्रांच-2 और महावीर प्रसाद को पूर्वी जिले की डिस्ट्रिक्ट



इन्वेस्टिगेशन यूनिट (डीआइयू) की आपरेशंस यूनिट में भेजा गया है।

इसके अलावा करुणा सागर को दक्षिणी जिला, परवीन कुमार को उत्तर-पश्चिमी जिला, सत्येंद्र कुमार धुल को पूर्वी जिला और अभिनेन्द्र जैन को ईओडब्ल्यू में तैनाती दी गई है।

शशिकांत गौर की उत्तरी जिला में तैनाती

प्रमोद गुप्ता को ट्रैफिक, जरनैल सिंह को दिल्ली पुलिस एकेडमी (डीपीए), जबकि अर्जुन सिंह व राजीव कुमार को एसी ब्रांच में एसीपी भेजा गया है। शशिकांत गौर को उत्तरी जिला में तैनात किया गया है। वहीं, अशोक कुमार सिंह का पहले एसी ब्रांच से पूर्वी जिले की डीआइयू में किए गए ट्रांसफर को भी कैंसल कर दिया गया है।

दिल्ली में पेट्रोल पंप कर्मी की हत्या का पर्दाफाश, दोस्त की पत्नी पर थी नीयत; सुपारी देकर कराया कत्ल

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में पेट्रोल पंप कर्मी मनीष यादव की हत्या करने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। हत्या उसके दोस्त ने ही दो नाबालिगों को दो लाख रुपये की सुपारी देकर करवाई थी।

पुलिस ने इस मामले में पेट्रोल पंप कर्मी व दोनों नाबालिगों के अलावा चार अन्य लोगों को पकड़ा है। जांच में पुलिस को पता चला है कि पेट्रोल पंप कर्मी की पत्नी के साथ आरोपी शादी करना चाहता था, जिससे उसकी शादी के पहले से ही दोस्ती थी। पुलिस ने आरोपियों से पिस्टल, दो कारतूस और वारदात में इस्तेमाल एक बाइक बरामद की है। मृतक युवक की पत्नी की संलिप्तता की पुलिस फिलहाल जांच कर रही है।

तीन गोलियां मारकर हत्याः जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि सोनिया विहार इलाके में 13 अक्टूबर को पेट्रोल पंप कर्मी मनीष यादव की तीन गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस को इसकी सूचना मोहल्ले में ही रहने वाले विवेक नाम के युवक ने दी थी। एसीपी संदीप लांबा की देखरेख में एएटीएस इंचार्ज दीपक पांडेय, हेड कॉन्स्टेबल पावित कसाना की टीम ने सीसीटीवी फुटेज और कॉल रिकार्ड की जांच की तो विवेक की गतिविधियां संदिग्ध दिखीं।

दिल्ली में ई-रिक्शा को लेकर नए नियम, ईसीसी अनिवार्य से चार सवारी तक... 2.5 लाख तय होगी सीमा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों पर धड़ल्ले से बढ़ रही ई-रिक्शा की संख्या पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने रविवार को जारी एक ड्राफ्ट स्कीम में इसकी संख्या को सीमित करने का प्रस्ताव रखा है।

'दिल्ली ई-रिक्शा पंजीकरण और संचालन स्कीम, 2026' को फाइनल करने से पहले इस पर आम जनता से राय और सुझाव मांगे गए हैं, इसके लिए 30 दिनों का समय दिया गया है।

ई-रिक्शा की संख्या को सीमित करने का प्रस्तावः दिल्ली सरकार ने अपने इस प्रस्ताव में राष्ट्रीय राजधानी में ई-रिक्शा की संख्या को 2.5 लाख तक सीमित करने का प्रस्ताव रखा है। इसके पीछे सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण का कारण बताया गया है। ड्राफ्ट के मुताबिक तय सीमा के बाद कोई नया पंजीकरण नहीं किया जाएगा, बशर्ते इसमें कोई बदलाव न किया जाए।

ड्राफ्ट के मुताबिक ई-रिक्शा में उन सभी



तीन-पहिया वाहनों को गिना जाएगा, जिसमें बैटरी लगी हो, अधिकतम चार यात्रियों के बैठने की जगह हो और 40 किलोग्राम तक सामान ले जाने की क्षमता हो।

साथ ही उसकी स्पीड अधिकतम 25 किमी प्रति घंटा हो। इसके मुताबिक उन सभी ई-रिक्शा को ही चलने की अनुमति मिलेगी जो 'ट्रांसपोर्ट व्हीकल' के रूप में पंजीकृत होंगे, चालक के पास वैध ई-रिक्शा कंप्लायंस सर्टिफिकेट होना जरूरी कर दिया जाएगा।

श्रेष्ठ को डिजिटली जारी किया जाएगा और इसकी वैधता दो साल ही होगी। इस सर्टिफिकेट में पंजीकरण प्रमाण पत्र के साथ-साथ वाहन के मालिक और चालक के बारे में भी जानकारी होगी। साथ ही इस प्रमाणपत्र पर गाड़ी की फिटनेस के बारे में भी जानकारी होगी। जिसका मतलब यह है कि हर ई-रिक्शा को केवल एक ड्राइवर से ही जोड़ा जा सकता है। वहीं दिल्ली के रहने वाले लोग अधिकतम पांच ई-रिक्शा ही रख सकेंगे।

वहीं, कंपनियों और एनजीओ को 100 ई-रिक्शा रखने की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा उनके पास चार्जिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। हालांकि यह सारे नियम जनता की राय लेने के बाद फाइनल किए जाएंगे।

दिल्ली के जैतपुर इलाके में खाने के पैसे के विवाद में मर्डर, मजदूर की गला रेतकर हत्या

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में महज खाने के पैसे के विवाद में एक श्रमिक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। 15 अक्टूबर की रात को ठेले पर खाना खाने के बाद पैसे न देने और गाली-गलौज करने से नाराज ठेला संचालक संदीप राम ने श्रमिक संदीप कुमार की हत्या कर दी।

आरोपी को गिरफ्तार कियाः वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए अगले दिन फिर से सामान्य रूप से अपना ठेला लगाने पहुंच गया, ताकि किसी को उस पर शक न हो। हालांकि, मुस्तैद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल के पास से लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान की और शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, शक्ति विहार में किराये पर रहने वाला 36 वर्षीय श्रमिक संदीप कुमार अक्सर आरोपी संदीप राम के ठेले पर खाना खाता था, लेकिन पैसे नहीं देता था और मांगने पर गाली-गलौज करता था।

संक्षिप्त समाचार

कपिल परमार ने जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता, खेल मंत्री मांडविया ने दी बधाई

नागोया । भारत के कपिल परमार ने सोमवार को 2026 एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के जे1-70 किग्रा पैरा-जूडो इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में इंडोनेशिया के राफली अहनाफ शिदकी को सिर्फ एक मिनट और नौ सेकंड में इप्पोन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने कॉम्पिटिशन के पहले दिन तीसरा मेडल जीता। खेल मंत्री मांडविया ने परमार को बधाई दी है। खेल मंत्री मांडविया ने एक्स पर परमार को बधाई देते हुए लिखा, 'भारत के लिए गर्व का पल, कपिल परमार ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में पैरा जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता।'



परमार का सफर मंगोलिया के बातरसुरेन बैट-एर्डीन के खिलाफ कड़े क्वार्टर फाइनल से शुरू हुआ। गोल्डन स्कोर के दौरान चार मिनट और 53 सेकंड के एक्शन के बाद भारतीय खिलाड़ी ने इप्पोन से जीत हासिल की और मजबूत प्रदर्शन के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गए। हालांकि, गोल्ड मेडल के लिए उनका मुकाबला तब खत्म हो गया, जब इंडोनेशिया के जुनेदी ने उन्हें आखिरी चार में इप्पोन से हरा दिया। परमार ने ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले के लिए फिर से तैयारी की और शानदार प्रदर्शन करते हुए शिदकी के खिलाफ मुकाबला सिर्फ 69 सेकंड में खत्म कर दिया। सेमीफाइनल में हार के बाद परमार की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय का परिणाम है। यह नई कामयाबी मध्य प्रदेश के सीहोर के जूडोका के शानदार करियर में और जुड़ गई है, जो 2017 से पैरा-जूडो में हिस्सा ले रहे हैं। जे1 कैटेगरी (दिखने में दिक्कत वाले एथलीटों के लिए) में परमार ने कोच मुनव्वर अंजार अली सिद्दीकी के मार्गदर्शन में भारत के सबसे अच्छे कॉम्पिटिटरों में से एक के तौर पर अपनी जगह बनाई है।

पीएम मोदी और खेल मंत्री ने गोल्ड और सिल्वर जीतने वालों को दी बधाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में निशानेबाजी में गोल्ड जीतने वाली मोना अग्रवाल और सिल्वर जीतने वाली अवनि लेखरा को बधाई दी है। मोना और अवनि ने अपने पदकों से भारत का खाता खोला है। पीएमओ ने प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से एक्स पर मोना अग्रवाल को बधाई देते हुए लिखा, 'मोना अग्रवाल को एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में गोल्ड जीतने पर बधाई। उनके शानदार स्कोर की वजह से उन्होंने एक नया एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बनाया है। यह एक शानदार उपलब्धि है, जो भारत के पहले दिन को और भी खास बनाती है। उनकी सटीकता, पक्का इरादा और धैर्य सच में तारीफ के काबिल है। आगे के कॉम्पिटिशन में उन्हें लगातार सफलता की शुभकामनाएं।' पीएमओ ने प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से एक्स पर अवनि लेखरा को बधाई देते हुए लिखा, 'अवनि लेखरा को शानदार सिल्वर, एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में शानदार स्कोर के साथ सिल्वर जीतने पर बधाई। उनकी लगातार कोशिशों और पक्के इरादे से देश को गर्व महसूस होता रहेगा। उनके आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।' खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा को उनकी सफलता के लिए बधाई दी है।





एथलीट आयोग के चुनावों के लिए आईओए की 34 एथलीट सदस्यीय टीम में

नीरू ढांडा, मीराबाई और सिंधु शामिल

नई दिल्ली । एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट नीरू ढांडा, बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु, ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को उनके अपने खेल में नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन (एनएसएफ) ने इलेक्टोरल कॉलेज के लिए चुना है। 3 नवंबर को इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एथलीट कमीशन के सदस्यों के चयन के लिए इन खिलाड़ियों को चुना गया है। आईओए द्वारा नियुक्त किए गए इलेक्टोरल ऑफिसर संजय के श्रीवास्तव ने शुक्रवार को 34 एथलीट प्रतिनिधियों की सूची जारी की। इलेक्टोरल कॉलेज में 17 एनएसएफ में हर एक से दो नॉमिनी शामिल हैं। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन, ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया का प्रतिनिधि इसमें शामिल नहीं है। सिंधु और मीराबाई पिछले एथलीट कमीशन का हिस्सा थीं। सितंबर में मंजूर हुए आईओए एथलीट कमीशन नियम के आर्टिकल 10.3 के तहत, हर हिस्सा लेने वाला एनएसएफ सदस्य अपने एथलीट कमीशन के जरिए दो प्रतिनिधि-एक पुरुष और एक महिला-को नॉमिनेट कर सकता है। नॉमिनेटेड एथलीट ऐसे होने चाहिए जो उस खेल का प्रतिनिधित्व करते हों और जिससे आईओए फेडरेशन जुड़ा हो।

ढांडा और स्वप्निल कुशारे को शूटिंग के लिए चुना गया है, जबकि इंडियन वेटलिफ्टिंग फेडरेशन ने मीराबाई को और रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने अमन सेहरावत को चुना है। हॉकी इंडिया ने पुरुषों की टीम के कप्तान हरमनप्रीत और महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे को चुना है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने के श्रीकांत और सिंधु को नॉमिनेट किया है, जबकि फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भवानी देवी को चुना है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को सुधा सिंह और तजिंदरपाल सिंह तूर रिप्रेजेंट करेंगे।

भारत का खाता खुला: अवनि लेखरा ने सिल्वर

मोना ने गोल्ड जीता



टोयोटा । भारतीय शूटर मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा ने सोमवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीता। मोना ने एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड 250 का स्कोर बनाकर गोल्ड मेडल जीता, जबकि अवनि ने 249.6 का स्कोर बनाकर सिल्वर मेडल जीता। इन पदकों के साथ एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत का खाता खुला। दक्षिण कोरिया की युनरी ली ने 227.9 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना ने हमवतन अवनि का एशियाड पैरा गेम्स का 249.6 का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह स्लोवाकिया की इरीना शचेतनिक के 252 का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गईं।



अवनि ने इस जीत के साथ 2028 पैरालंपिक गेम्स के लिए कोटा भी हासिल कर लिया है। मोना ने पिछले महीने वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान अपनी जगह पक्की की थी।

इससे पहले मोना और अवनि ने क्वालीफिकेशन राउंड में भी टॉप किया था। मोना ने छह सीरीज के बाद 629.1 पॉइंट्स के साथ टॉप किया, जिससे एशियन पैरा गेम्स का नया क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बना और चीन की झांग कुइपिंग के पिछले मार्क को पीछे छोड़ दिया।

अवनि ने 626.4 पॉइंट्स जमा करके क्वालीफिकेशन स्टैंडिंग में दूसरा स्थान हासिल किया, जिससे मेडल तय करने वाले राउंड में भारत के लिए पहला-दो स्थान पक्का हो गया। इस बीच, मोना ने पिछले महीने चांगवोन में डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड चैंपियनशिप में लॉस एंजिल्स पैरालंपिक गेम्स के लिए भारत के लिए पहला कोटा हासिल किया था। 2024 पेरिस पैरालंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मोना, आर2 विमेंस 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में 250 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

शीतल देवी, तोमन कुमार ने कंपाउंड मिक्स्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

ओकाजाकी । भारतीय स्टार तीरंदाज शीतल देवी और तोमन कुमार ने सोमवार को ओकाजाकी के ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी इवेंट में पैरा कंपाउंड मिक्स्ड टीम वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारतीय तीरंदाजों ने रैंकिंग राउंड में कुल 1402 पॉइंट्स बनाकर शीतल और राकेश कुमार के 1400 पॉइंट्स के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया। शीतल और राकेश दोनों ने पिछला रिकॉर्ड इस साल की शुरुआत में अहमदाबाद में वर्ल्ड पैरा आर्चरी सीरीज में बनाया था। यह कुछ अंतर से एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड भी था। गेम्स में पिछला रिकॉर्ड चीन ने 2023 हांगझोऊ गेम्स में बनाया था, जहां उन्होंने 1382 पॉइंट्स बनाए थे। तोमन ने पुरुषों के कंपाउंड रैंकिंग राउंड में संभावित 720 पॉइंट्स में से 698 पॉइंट्स बनाए, जबकि शीतल ने महिलाओं के रैंकिंग राउंड में 704 पॉइंट्स बनाए। रैंकिंग राउंड के दौरान, शीतल का 704 स्कोर एक नया एशियन रिकॉर्ड और संयुक्त वर्ल्ड रिकॉर्ड भी था, जो उनके शानदार करियर में और इजाफा करता है। यह जोड़ी फाइनल में गोल्ड जीतने के लिए फेवरेट में से एक होगी। शीतल व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में 704 के स्कोर के साथ टॉप पर रहीं। सिंगापुर की नूर सैयदा अलीम 683 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहीं, जो चीन की जुएकिंग जू (680) से आगे थीं। पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड रैंकिंग इवेंट में, तोमन 698 के पर्सनल बेस्ट स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीन की यिचेंग झांग ने 708 पॉइंट बनाकर एशियन रिकॉर्ड तोड़ा। इस बीच, शीतल ने हांगझोऊ में 2023 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट में गोल्ड जीता और फिर 2024 में पेरिस पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। कम उम्र के बावजूद शीतल ने इस खेल के एलीट खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई है।



प्रज्ञान ओझा बीसीसीआई के चीफ सिलेक्टर बने

- अजित अगरकर की जगह लेंगे ; रमेश पोवार सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को अजित अगरकर की जगह बीसीसीआई का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है।वहीं, सिलेक्शन कमेटी में अजित अगरकर की जगह पर पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को शामिल किया गया है।अब पुरुष टीम की नई चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार हैं।



प्रज्ञान ने इंटरनेशनल करियर में 140+ विकेट लिए - प्रज्ञान ने 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 इंटरनेशनल खेले। बाएं हाथ के स्पिनर ने टेस्ट में 113, वनडे में 21 और टी-20 इंटरनेशनल में 10 विकेट लिए। टेस्ट में उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 6/47 रहा।प्रथम श्रेणी क्रिकेट में प्रज्ञान के नाम कुल 424 विकेट दर्ज हैं। इसके लिए उन्होंने 108 मैच खेले। 2018 में उन्होंने अपना अंतिम फर्स्ट क्लास मैच बिहार के लिए उत्तराखंड के खिलाफ खेला।

महिलाओं के जे2 जूडो इवेंट में

कोकिला ने जीता सिल्वर मेडल



नागोया । एशियन पैरा गेम्स 2026 में सोमवार को भारत की कोकिला ने महिलाओं के जे2 -52 किलोग्राम जूडो इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में खेले गए खिताबी मुकाबले में, किर्गिस्तान की ऐबिके उलानबेक किजी ने कोकिला को मात्र 21 सेकंड में 'इप्पोन' से हराया, जिसके चलते कोकिला को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कोकिला ने सेमीफाइनल में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यी लियू के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी, जिसके साथ उनका मेडल भी पक्का हो गया था। हालांकि, फाइनल मुकाबले में भारतीय जूडो खिलाड़ी उस सफलता को दोहरा नहीं सकीं और उलानबेक किजी ने निर्णायक जीत हासिल करते हुए पहला स्थान अपने नाम किया। हार के बावजूद, कोकिला का सिल्वर मेडल भारतीय पैरा-जूडो के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

यह हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में जीते गए ब्रॉन्ज मेडल से बेहतर प्रदर्शन है। इस बार 52 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लेते हुए, उन्होंने सफलतापूर्वक फाइनल तक का सफर तय किया और पोडियम पर अपनी जगह बनाई।

सेमीफाइनल में लियू के खिलाफ उनकी जीत उनके पूरे अभियान के सबसे अहम पलों में से एक रही। कड़े मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने अपनी चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक 'वाजा-आरी' और एक 'यूको' हासिल किया। लियू ने भी एक 'वाजा-आरी' स्कोर किया, जबकि मुकाबले के दौरान नियमों के मामूली उल्लंघन के लिए कोकिला को एक 'शिदो' पेनाल्टी मिली।

इस जीत के साथ कोकिला फाइनल में उलानबेक किज़ी के सामने पहुंचीं, लेकिन निर्णायक मुकाबले में किर्गिस्तान की जूडो खिलाड़ी काफी मजबूत साबित हुईं और मात्र 21 सेकंड में 'इप्पोन' के साथ मुकाबला खत्म कर दिया।

हरियाणा के जींद जिले की रहने वालीं दृष्टिबाधित जूडो खिलाड़ी कोकिला पेरिस 2024 पैरालंपिक्स में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह जे2 क्लासिफिकेशन में प्रतिस्पर्धा करती हैं, जिसमें अलग-अलग स्तर की दृष्टिबाधित जूडो खिलाड़ी शामिल होती हैं।

कर्नाटक के दमदार ऑलराउंडर, टीम इंडिया की तरफ से सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला



नई दिल्ली । कृष्णप्पा गौतम ने एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर भारतीय क्रिकेट में पहचान बनाई थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्हें मौके न के बराबर मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट और आईपीएल के माध्यम से उन्होंने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी और आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। 37 साल के होने जा रहे कृष्णप्पा गौतम का जन्म 20 अक्टूबर 1988 को बेंगलुरु, कर्नाटक में हुआ था। वह दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर और दाएं हाथ के निचले क्रम के आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। कर्नाटक के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले गौतम ने 2012 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था। लिस्ट ए में 2017 में और टी20 में 2011 में कर्नाटक के लिए उनका डेब्यू हुआ था। लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहने और बेहतर प्रदर्शन करने के बाद गौतम को श्रीलंका के खिलाफ वनडे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। 23 जुलाई 2021 को श्रीलंका के खिलाफ खेला गया यह मैच डेब्यू के साथ ही गौतम का आखिरी मैच भी साबित हुआ। उन्हें इसके बाद कभी टीम इंडिया में मौका नहीं मिला। इस मैच में उन्होंने 2 रन बनाने के साथ ही 1 विकेट लिया था।

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कृष्णप्पा गौतम को मौके मिले, जहां उनकी ऑलराउंड क्षमता को भारतीय दर्शकों ने देखा।

देश के लिए खेलने का सपना अब भी जिंदा है: ईश्वरन

नई दिल्ली । बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले अभिमन्यु ईश्वरन 31 साल के हो चुके हैं। ईश्वरन घरेलू क्रिकेट का दिग्गज नाम हैं और लगातार रन बनाते हैं, इसके बावजूद भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने का उनका सपना अब भी पूरा नहीं हो सका है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा है कि टीम इंडिया के लिए डेब्यू का उनका सपना अब भी जिंदा है। अभिमन्यु ईश्वरन अपना 118वां फर्स्ट-क्लास गेम खेल रहे हैं। इनमें से 32 जुलाई 2018 से इंडिया, के लिए आए हैं, और टेस्ट टीम में भी कॉल-अप हुए हैं, लेकिन इंटरनेशनल डेब्यू अभी बाकी है। 31 साल के अभिमन्यु का कहना है कि इंडिया के लिए खेलने का उनका सपना अभी भी है, क्योंकि वह घरेलू सर्किट पर रन बना रहे हैं। रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में सर्विसेज के खिलाफ बंगाल के लिए 56 रन बनाने के बाद उन्होंने कहा, 'जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो सपना हमेशा देश के लिए खेलना था, और वह सपना अभी भी है। जब आप टीम में होते हैं और फिर आपको ड्रॉप कर दिया जाता है, तो आपके दिमाग में हमेशा कुछ बातें चलती रहती हैं, 'मैं फिर से क्यों नहीं?' ऐसे मामले हुए हैं, लेकिन कोई बात नहीं, आपको इसकी आदत हो जाती है। ऐसा होता है, यह जिंदगी का हिस्सा है। इसके बारे में कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। समय के साथ, आप सीखते हैं।'



अभिमन्यु ने कहा, 'आपका काम हमेशा यह होता है कि आप जिस भी टीम के लिए खेल रहे हों, उसके लिए अच्छा करें। एक प्लेयर के लिए सबसे बड़ा चैलेंज यह होता है कि वह हर दिन खेले और टीम को जो चाहिए वह करे। मुझे लगता है कि मैं इस समय इसका और अपने क्रिकेट का मजा ले रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य हमेशा इंडिया के लिए खेलना है। उससे पहले, मैं बंगाल के लिए खेलना चाहता था, क्योंकि वही जड़ है, वही रास्ता है। मुझे बंगाल के लिए खेलना पसंद है। यह मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं बंगाल के लिए खेल रहा हूं, बंगाल को लीड कर रहा हूं। मुझे लगता है कि हर दिन खेलना, इस टीम का प्रतिनिधित्व करना बहुत अच्छा एहसास है। इस सीजन में रणजी ट्रॉफी जीतना ही हमारा लक्ष्य है। 2013 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बंगाल के लिए डेब्यू करने वाले ईश्वरन 117 मैचों की 200 पारियों में 27 शतक और 38 अर्धशतक की बदौलत 8,632 रन बना चुके हैं। 233 उनका सर्वाधिक स्कोर है।

अभिमन्यु 2025 में इंग्लैंड दौरे पर इंडिया टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन तब उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला था।

